- भाजपा ने नीतीश को हाईजैक किया, राजग जीती तो नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री : तेजस्वी - 12

- ब्रिटेन और जर्मनी को छूट तो भारत पर निशाना क्यों - 12

- अमेरिकी दावा, भारत ने रूस से तेल का आयात कम करना शुरू किया - 13

- रविंद्र जडेजा की मौजूदगी से मध्य प्रदेश के खिलाफ सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में - 14

आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

22.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.13

सूर्यास्त 05.32

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी 03:48 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 25 अक्टूबर 2025, वर्ष 35, अंक 265, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रेमी के शादी से इन्कार करने पर नाराज होकर पूजा ने दी थी जान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : किला छावनी में किराए के मकान में रहने वाली पूजा ने अपने प्रेमी के शादी करने से इन्कार करने और लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित करने से तंग होकर फंदा लगाकर आत्महत्या की थी। पूजा के पति ललित मिश्रा की तहरीर पर किला थाना पुलिस ने प्रेमी भांजे समेत चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बाराबंकी के अमोली कला, थाना रामनगर निवासी ललित मिश्र ने बताया कि वह मौजूदा समय में कंपाउंड थाना, वेव सिटी लालकुआं, गाजियाबाद में रह रहे हैं। आरोप है कि उनकी पत्नी पूजा मिश्रा का उसके सगे भांजे मढ़िया, थाना पिसावा, सीतापुर निवासी आलोक मिश्रा के साथ लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। वह पूजा को गुमराह कर आठ माह पहले भगा ले गया। पूजा के साथ आलोक दो-दो माह स्थान बदल-बदल कर रहता था। दो माह पहले वह पूजा को लेकर बरेली आया और किला छावनी में किराए पर कमरा लेकर रहने लगा। आलोक के इस काम में उसका साथ बिजेश मिश्र, अनूप मिश्र और आलोक के बुआ का बेटा प्रशांत तिवारी सहयोग करते थे। आलोक उसे शादी करने का झांसा देकर लाया था। पूजा ने उसे कई बार फोन कर बात बताई। इसी वजह से पूजा ने 22 अक्टूबर को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

आंध्र प्रदेश में चलती बस में लगी आग, 20 जिंदा जले

कुरनूल में हुआ हादसा, बाइक टकराकर बस के फ्यूल टैंक में फंसने से लगी आग, 40 यात्री थे सवार

कुरनूल (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

हैदराबाद से बेंगलुरू जा रही एक निजी बस में शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिससे 20 लोगों की मौत हो गई। अधिकतर मृतकों के शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं की जा सकती।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में वह बाइक सवार भी शामिल है जिसकी मोटरसाइकिल ट्रक से टकराई थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख व्यक्त किया। कुछ शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं हो पा रही थी, जिसके कारण अधिकारियों को मृतकों के डीएनए नमूने एकत्र करने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाना पड़ा। एक अधिकारी ने बताया कि कई यात्री इस दुर्घटना में बच नहीं पाए क्योंकि हादसा रात में हुआ और तब यात्री सो रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा भी की। मोटरसाइकिल कुरनूल में चिन्नातेकुर के पास बस से टकरा कर उसके नीचे आ गई और उसकी ईंधन टंकी का ढक्कन खुल गया। कुरनूल रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) कोया प्रवीण ने बताया, अब तक जली हुई बस से शव निकाले जा चुके हैं। बाइक सवार का शव मुर्दाघर में है। उन्होंने कहा कि हताहतों और जीवित बचे लोगों की पूरी स्थिति, पूरी जांच और दुर्घटना में शामिल सभी लोगों की पहचान के बाद ही सामने आएगी।

हादसे के बाद जली बस।

- राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने बस हादसे में लोगों की मौत पर दुख जताया अनुग्रह राशि की घोषणा की

शॉर्ट सर्किट से बस का दरवाजा हो गया था जाम

पुलिस ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण बस का दरवाजा जाम हो गया और देखते ही देखते बस पूरी तरह जल गई। पुलिस ने बताया कि अधिकतर जीवित बचे लोगों की उम्र 25 से 35 साल के बीच है। जिला कलेक्टर ए. सिरी ने बताया कि बस में 41 लोग सवार थे, जिनमें चालक भी शामिल था। बस में सवार 41 लोगों में से 21 का पता लगा लिया गया है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में बच गए लोगों की हालत स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। उन्होंने बताया कि कई यात्री इस हादसे के बाद बस से बाहर नहीं निकल पाये क्योंकि यह हादसा रात में हुआ जब वे सो रहे थे। उन्होंने बताया कि बस का दरवाजा तुरंत नहीं खुला क्योंकि कुछ तार कट गए थे, जिससे हादसे की गंभीरता और बढ़ गई। सिरी ने बताया कि अधिकतर यात्री हैदराबाद के थे। अधिकारियों ने शुरू में कहा था कि बस पड़ोसी राज्य तेलंगाना के हैदराबाद जा रही थी।

ब्रीफ न्यूज

बुकर फाउंडेशन ने नए चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार की शुरूआत की

लंदन। बुकर प्राइज फाउंडेशन ने शुक्रवार को काल्पनिक कहानियों के लिए एक नया 'चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार' शुरू करने की घोषणा की जिसका चयन बाल और वयस्क निर्णायकों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार प्रदान करने वाले बुकर प्राइज फाउंडेशन ने कहा कि इस पुरस्कार के पहले संस्करण के नामांकन की शुरूआत 2026 में होगी और 2027 से यह प्रतिवर्ष प्रदान किया जाएगा। इसके तहत विजेता को 50,000 पाउंड (करीब 59 लाख रुपये) दिया जाएगा।

दिल्ली: चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के चार स्कूलों को शुक्रवार सुबह बम की धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके बाद अधिकारियों को पूरी जांच के लिए परिसरों को तुरंत खाली कराना पड़ा। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि चार स्कूलों को मिले बम की धमकी वाले ईमेल जांच के बाद फर्जी निकले। विभाग के अनुसार, द्वारका के सेक्टर 16 स्थित सीआरपीएफ स्कूल में बम रखे होने की धमकी के संबंध में फोन पर पहली सूचना सुबह 8.15 बजे मिली। नांगलोई के संत दर्शन पब्लिक स्कूल से सुबह 8.20 बजे फोन पर इसी तरह की सूचना मिली।

विकास कार्यों को मिलेगी गति, पीडब्ल्यूडी अफसरों के वित्तीय अधिकार 5 गुना बढ़ाए

मुख्यमंत्री योगी ने वर्ष 1995 के बाद पहली बार किया वित्तीय सीमाओं का पुनर्निर्धारण

- मुख्य अभियंता 10 करोड़ तो अधीक्षण अभियंता पांच करोड़ रुपये तक के स्वीकृत करेंगे कार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग में 30 वर्ष बाद एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए विभागीय अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पांच गुना तक वृद्धि की है। अब मुख्य अभियंता को 10 करोड़ तो अधीक्षण अभियंता को पांच करोड़ रुपये तक के कार्य स्वीकृत करने का अधिकार होगा। यह कदम प्रदेश में विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन को गति देने और प्रशासनिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा सुधार माना जा रहा है।

आवास पर शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सीएम ने कहा कि वर्ष 1995 में तय किए गए वित्तीय अधिकार अब वर्तमान परिस्थितियों में अप्रासंगिक हो चुके हैं। पिछले तीन दशकों में निर्माण लागत में पांच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। इसलिए, अधिकारियों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करना समय की मांग है ताकि निर्णय प्रक्रिया तेज हो और कार्य समय पर पूरे किए जा सकें। बैठक में प्रमुख सचिव (पीडब्ल्यूडी) अजय चौहान की ओर से वित्तीय सीमाओं को लेकर दिए गए प्रस्तुतीकरण और गहन विचार-विमर्श के बाद मुख्यमंत्री योगी ने सिविल कार्यों के लिए वित्तीय अधिकारों में पांच गुना और विद्युत व यांत्रिक कार्यों के लिए दो गुना तक की वृद्धि को स्वीकृति दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन बदलावों से निविदा, अनुबंध और कार्यारंभ की प्रक्रिया में गति आएगी, जबकि उच्च स्तर पर अनुमोदन की आवश्यकता घटेगी। यह सुधार वित्तीय अनुशासन को बनाए रखते हुए प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता में वृद्धि करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग प्रदेश की विकास परियोजनाओं का मेरुदंड है। उन्होंने विश्वास जताया कि योग्यता, अनुभव और वरिष्ठता आधारित पदोन्नति व्यवस्था से विभागीय कार्यकुशलता और तकनीकी गुणवत्ता में नई ऊर्जा का संचार होगा।

लखनऊ में अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अभियंता सेवा नियमावली में होगा संशोधन

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश अभियंता सेवा (लोक निर्माण विभाग) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन किया जाएगा। नई नियमावली में विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में पहली बार मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का पद सृजित किया गया है। साथ ही, मुख्य अभियंता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियंता के पदों की संख्या में वृद्धि की गई है। पदोन्नति प्रक्रिया, वेतनमान और चयन समिति की संरचना को अद्यतन करते हुए सेवा व्यवस्था को अधिक संगठित और पारदर्शी बनाया जाएगा।

ऐसे बढ़े अधिकार

- **मुख्य अभियंता :** 2 करोड़ से 10 करोड़
- **अधीक्षण अभियंता :** 1 करोड़ से 5 करोड़
- **अधिशासी अभियंता :** 40 लाख से 2 करोड़
- **सहायक अभियंता :** सीमित दायरे में टेंडर स्वीकृति का अधिकार

इन सुधारों को मंजूरी

- उप्र अभियंता सेवा (पीडब्ल्यूडी) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन
- विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का नया पद
- पदोन्नति प्रक्रिया और वेतनमान स्पष्ट, प्रशासनिक दक्षता व पारदर्शिता में वृद्धि

रोजगार मेले में 51 हजार जॉब लेटर बांटे

युवाओं को सशक्त बनाना प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा नीत राजग सरकार युवाओं को सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है और सरकारी नौकरी पाने से वंचित उम्मीदवारों को निजी क्षेत्र के संभावित नियोक्ताओं से जोड़ने के लिए रास्ते बनाए गए हैं। 17वें रोजगार मेले में मोदी का एक संदेश चलाया गया जिसमें उन्होंने कहा कि देश की विदेश नीति भी युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी नौकरी नहीं है, बल्कि आपको राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका बड़ा मौका है। देश भर में आयोजित रोजगार मेलों में 51,000 से अधिक उम्मीदवारों को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र सौंपे गए। अपने संदेश में मोदी ने कहा कि देशभर में रोजगार मेलों के जरिए अब तक 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। कहा कि सरकार ने एक नई पहल ''प्रतिभा सेतु पोर्टल'' शुरू की है जो उन अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान करती है जो संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा के परिणाम की अंतिम सूची में तो पहुंच गए थे, लेकिन चयनित नहीं हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, उनके प्रयास व्यर्थ नहीं जाएंगे, क्योंकि निजी और सार्वजनिक दोनों संस्थान अब पोर्टल के माध्यम से इन प्रतिभाशाली लोगों से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभाओं का ऐसा इष्टतम उपयोग दुनिया को भारत की क्षमता का प्रदर्शन कराएगा।

- प्रधानमंत्री ने कहा- यह केवल सरकारी नौकरी नहीं, राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका

शर्मनाक... मदरसे में पढ़ाना है तो बेटी का 'वर्जिनिटी सर्टिफिकेट' लेकर आओ

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: मुरादाबाद के लोधीपुर स्थित जामिया असानुल बनात गर्ल्स मदरसा में पढ़ने वाली कक्षा 7 की छात्रा के 8वीं में आने के बाद आगे पढ़ाई जारी रखने के नाम पर मदरसा प्रबंधन द्वारा अभिभावक से उसका वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांगा गया। अभिभावक ने आपत्ति जताई तो उनके साथ अभद्रता की गई। जिसके बाद पीड़ित परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की। जानकारी पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारी भी हरकत में आए और शनिवार को टीम मदरसे में जाएगी। पुलिस ने एडमिशन सेल के इंचार्ज शाहजहां को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है।

चंडीगढ़ निवासी एक व्यक्ति ने बेटी का दाखिला 2024 में कक्षा 7 में पाकबड़ा थाना क्षेत्र के लोधीपुर राजपूत सीएनजी पंप के सामने जामिया असानुल बनात गर्ल्स मदरसे में कराया था। पिता ने एसएसपी सतपाल अंतिल को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह छुट्टियों के बाद जब दोबारा बेटी को कक्षा 8वीं की पढ़ाई के लिए मदरसा में छोड़ने आया तो एडमिशन सेल इंचार्ज शाहजहां व प्रधानाचार्या रहनुमा ने नाबालिग बेटी के दोबारा प्रवेश के नाम पर वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांग लिया। सर्टिफिकेट नहीं देने पर बेटी की टीसी ले जाने का दबाव बनाना। इस पर एसएसपी ने पाकबड़ा प्रभारी निरीक्षक को जांच कर आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। शुक्रवार को पाकबड़ा पुलिस ने मदरसे पहुंच कर जांच की।

तानाशाही भरा फरमान

आरोपी एडमिशन सेल इंचार्ज शाहजहां को कोर्ट ले जाते पुलिसकर्मी।

- मुरादाबाद के मदरसे में नाबालिग छात्रा से सर्टिफिकेट मांगने का शर्मनाक मामला
- एसएसपी से शिकायत के बाद पाकबड़ा पुलिस ने केस दर्ज कर एक आरोपी को भेजा जेल

मदरसे प्रबंधन द्वारा नाबालिग छात्रा का वर्जिनिटी सर्टिफिकेट की मांग को लेकर छात्रा के पिता ने एसएसपी को शिकायती पत्र दिया था। पाकबड़ा पुलिस को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। पुलिस ने एडमिशन सेल के इंचार्ज शाहजहां को जेल भेज दिया है।
- कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी मुरादाबाद

आईएसआईएस के दो आतंकवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली और मध्य प्रदेश से आईएसआईएस के दो संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित एक घर से प्लास्टिक बम, पेट्रोल बम, टाइमर उपकरण और आतंकी संगठन के झंडे समेत विस्फोटक बनाने की सामग्री जब्त की है। आतंकी राष्ट्रीय राजधानी को दहलाने की साजिश रच रहे थे।

आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी मोहम्मद अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब (19) और मध्य प्रदेश के भोपाल निवासी अदनान खान उर्फ अबू मोहम्मद (20) के रूप में हुई है। दोनों ही दक्षिण दिल्ली के एक मॉल और एक सार्वजनिक पार्क सहित शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में आतंकवादी हमला करने की साजिश रच रहे थे। उसके घर से एक पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, आईएसआईएस का एक झंडा-वफादारी की शपथ के दौरान इस्तेमाल किया गया कपड़ा- तथा आईईडी में इस्तेमाल होने वाली एक टाइमर घड़ी भी बरामद की गई है। दोनों त्योहारी सीजन के दौरान दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाकों में आतंकी हमले करने की तैयारी में थे। दूसरे आरोपी अदनान खान को भोपाल एटीएस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया। दोनों आईएसआईएस का प्रचार करने और संपादित जिहादी वीडियो प्रसारित करके युवाओं की भर्ती करने के लिए सोशल मीडिया पर एक नेटवर्क चला रहे थे।

- दिल्ली स्थित घर से विस्फोटक सामग्री और आईईडी टाइमर बरामद, राजधानी को दहलाने की थी साजिश

'अबकी बार मोदी सरकार' स्लोगन लिखने वाले एड गुरु पीयूष नहीं रहे

मुंबई, एजेंसी

भारतीय विज्ञापन जगत में देसी फ्लेवर डालने वाले एड गुरु पीयूष पांडे का शुक्रवार को मुंबई में निधन हो गया। देश के 2014 के संसदीय चुनावों का लोकप्रिय स्लोगन 'अबकी बार, मोदी सरकार' पीयूष पांडे ने ही लिखा था।

पांडे ने भारतीय हास्य बोध और देसी अंदाज से हिंदी को मुख्यधारा में लाकर विज्ञापन जगत को नए तेवर दिए और अंग्रेजी-प्रधान विज्ञापनों को पीछे धकेल दिया। उनके लोकप्रिय विज्ञापन लोगों की यादों का हिस्सा बन चुके हैं जिनमें कैडबरी के 'कुछ खास है' व 'असली स्वाद जिंदगी का', एशियन पेंट्स का 'हर खुशी में रंग लाए' विज्ञापन शामिल हैं। पांडे को 2016 में पद्मश्री और 2024 में 'लंदन इंटरनेशनल अवार्ड्स' के लेजेंड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

- 70 की उम्र में ली अंतिम सांस, 2016 में पद्मश्री और 2024 में लंदन में लेजेंड अवॉर्ड से किए गए थे सम्मानित

सुखद अहसास | मुख्य सचिव एसपी गोयल ने एयरपोर्ट की तस्वीरें और वीडियो साझा कर लिखा- इको फ्रेंडली और फ्यूचर ...रेडी है देश का अत्याधुनिक हवाई अड्डा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उड़ान को तैयार, भव्य तस्वीरें आईं सामने

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। इसकी सामने आईं भव्य तस्वीरें मन को गदगद करने वाली हैं। आधुनिक यात्री व्यवस्थाओं का दर्शन कराने वाली वीडियो, तस्वीरें मुख्य सचिव एसपी गोयल ने साझा की हैं। मुख्य सचिव ने लिंक्डइन पर नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण कार्य की मौजूदा स्थिति का वीडियो भी शेयर किया।

वीडियो में दिखाया गया है कि टर्मिनल बिल्डिंग का अधिकांश काम पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का कार्य अंतिम चरण में है। इसमें यात्रियों के आगमन-प्रस्थान, चेक इन काउंटर्स, वाशरूम, एक्सीलेटर, सिक्योरिटी लाउंज समेत अन्य व्यवस्थाओं की अद्भुत तस्वीरें शामिल हैं। वीडियो में कार्यों को अंतिम रूप देते इंजीनियर्स भी नजर आ रहे हैं। इस एयरपोर्ट को बनाने में लगभग 29,650 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। यह 5,845 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला है। एयरपोर्ट इतना बड़ा है कि इसमें एक साथ 178 विमान खड़े हो सकते हैं। यहां छह रनवे बनाए जा रहे हैं, जो इसे एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाता है। इस एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2900 मीटर और चौड़ाई 60 मीटर के करीब है। एयरपोर्ट की डिजाइन पूरी तरह से इको-फ्रेंडली और फ्यूचर-रेडी है। जिसमें सौर ऊर्जा का उपयोग और वर्षा जल संचयन जैसी तकनीक शामिल हैं। माना जा रहा है कि एयरपोर्ट इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बढ़ते दबाव को कम करेगा। अब दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं होगी।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़ और मुरादाबाद जैसे शहरों के लोगों के लिए यह एयरपोर्ट हवाई सफर को बेहद आसान बना देगा। पहले चरण में जेवर एयरपोर्ट से 10 शहरों के लिए उड़ानें शुरू की जाएंगी। इसमें लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चंडीगढ़ और अहमदाबाद प्रमुख शहर होंगे। आने वाले वर्षों में यह नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विस्तार पाएगा। सिंगापुर, दुबई, दोहा और लंदन जैसे शहरों के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना पहले से है।

मोदी-योगी करेंगे शुभारंभ, फिर 45 दिन बाद शुरू होंगी उड़ानें

लखनऊ। पूर्व में 30 अक्टूबर को नोएडा एयरपोर्ट के शुभारंभ और इसके 45 दिन के अंदर उड़ानें शुरू करने की घोषणा की थी। इसके बाद अधिकारी भी अपनी तैयारी को पूरा करने में जुट गए थे। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उक्त तारीख को अभी कार्यक्रम सामने नहीं आया है। इस बीच सूत्रों के अनुसार 30 अक्टूबर तक एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा करने पर जोर तो है, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहले एयरपोर्ट का निरीक्षण कर सकते हैं। इसके बाद ही शुभारंभ की नई संभावित तिथि नवंबर के दूसरे सप्ताह तक घोषित होने का अनुमान है।

हर जिले में होगी जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी की तैनाती

मुख्यमंत्री ने नया पद सृजित करने के दिए निर्देश, दोगुनी होगी औषधि निरीक्षकों की संख्या

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश में औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। निर्देश दिए कि हर जिले में जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी पद सृजित किया जाए। साथ ही, औषधि निरीक्षकों की संख्या दोगुनी की जाए। उन्होंने उपायुक्त (औषधि) के पद बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने आवास पर शुक्रवार शाम को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन और नए पदों के सृजन से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा की। योगी ने औषधि नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने पर बल देते हुए कहा कि औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि है, इसलिए नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने में कोई लापरवाही या कमी नहीं आनी चाहिए। बैठक में बताया गया कि विभाग में वर्तमान में 109 औषधि निरीक्षक कार्यरत हैं, जो भारत सरकार के मानकों की दृष्टि से अपर्याप्त हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में औषधि निरीक्षण व्यवस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिलास्तर पर कार्य व्यवस्था को और मज़बूत करने के लिए अब 'जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी' का पद सृजित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षकों की संख्या को वर्तमान के सापेक्ष दोगुना किया जाए।

बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के उच्च पदों के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उप आयुक्त (औषधि) पदों की संख्या में वृद्धि और संयुक्त आयुक्त (औषधि) के पद पर पदोन्नति हेतु अर्हकारी सेवा में संशोधन के प्रस्ताव को अपनी सहमति दी। मुख्यमंत्री ने विभाग में औषधि नियंत्रक पद के लिए स्पष्ट योग्यताएं एवं मानक तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस पद के लिए एक निश्चित कार्यकाल निर्धारित किया जाए, ताकि तंत्र के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

लखनऊ स्थित अपने आवास पर अधिकारियों के साथ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

- **औषधि नियंत्रण संवर्ग का होगा पुनर्गठन, उपायुक्त (औषधि) के पद भी बढ़ेंगे**
- **औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि, नियंत्रण तंत्र को बनाएं सुदृढ़ और प्रभावी : योगी**

लिखित परीक्षा से होगी भर्ती

मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षक के पदों पर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए अब साक्षात्कार के स्थान पर लिखित परीक्षा के माध्यम से भर्ती कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में औषधि निरीक्षकों की समुचित तैनाती सुनिश्चित की जाए और जिला स्तर पर प्रभावी पर्यवेक्षण और समयबद्ध जांच व्यवस्था लागू की जाए।

अक्टूबर के वेतन में मिलेगा बढ़ा महंगाई भत्ता, शासनादेश जारी

आदेशों के तहत 1 जुलाई से लागू होंगी संशोधित दरें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को राज्य कर्मियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों, नगरीय स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्यभारित कर्मचारियों तथा यूजीसी वेतनमानधारी पदाधिकारियों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ाने के तीन अलग-अलग शासनादेश जारी किए हैं। इन आदेशों के तहत 1 जुलाई 2025 से संशोधित दरें लागू होंगी और बढ़े हुए भत्ते का भुगतान अक्टूबर 2025 के वेतन के साथ किया जाएगा।

राज्य सरकार के ये तीनों शासनादेश केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग द्वारा 6 अक्टूबर 2025 को जारी आदेशों के अनुरूप हैं, जिनमें केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता सातवें वेतन आयोग वालों के लिए 55% से 58%, छठे वेतन आयोग वालों के लिए 252% से 257% और पांचवें वेतन आयोग वालों के लिए 466% से 474% किया गया था।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार ने उन कर्मचारियों के लिए, जो अभी भी छठे वेतन आयोग की संरचना में वेतन पा रहे हैं, महंगाई भत्ते की दर 252% से बढ़ाकर 257% कर दी है। यह वृद्धि केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय के 6 अक्टूबर 2025 के आदेश के अनुरूप है। पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन पा रहे कर्मियों के लिए महंगाई भत्ता 466% से बढ़ाकर 474% किया गया है। यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा जारी नवीनतम आदेशों के अनुरूप है, जिसे राज्यपाल ने स्वीकृति प्रदान की है। भुगतान और अवशेष राशि की व्यवस्था

सरकार के आदेश के अनुसार, संशोधित दरों पर 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक की देय अवशेष राशि कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते में जमा की जाएगी। यदि कोई कर्मचारी भविष्य निधि का सदस्य नहीं है, तो यह राशि उसके पब्लिक प्रोविडेंट फंड या नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में जमा होगी। अवशेष राशि को 1 अक्टूबर 2026 से पहले नहीं निकाला जा सकेगा। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत आने वाले कर्मचारियों के लिए, उक्त अवधि की अवशेष राशि का 10% कर्मचारी के टियर-1 पेंशन खाते में और 14% राज्य सरकार के योगदान के रूप में जमा किया जाएगा।

सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए राहत

सरकार ने कहा है कि जो अधिकारी या कर्मचारी शासनादेश जारी होने की तिथि से पहले सेवानिवृत्त हो चुके हैं या अगले छह माह में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उन्हें देय महंगाई भत्ते की समस्त बकाया राशि नकद रूप में दी जाएगी।

डबल इंजन नहीं, भाजपा में सब झूठ के इंजन : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का कोई डबल इंजन नहीं है। सब झूठ के इंजन चल रहे हैं। झूठ के इंजन राजस्थान में भी चल रहे हैं। भाजपा ने दिल्ली और राजस्थान का अलग-अलग घोषणा पत्र बनाकर जनता के सामने रखा। सरकार बनने पर उस पर अमल नहीं किया।

सपा प्रमुख शुक्रवार को अजमेर राजस्थान में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ बोलने वाली पार्टी है। झूठे वादे करती है। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश की सरकारों ने किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था लेकिन वादा पूरा नहीं किया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना: ओटी-10-2025

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये "खुली" निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं.-1, निविदा सं.: ओटी-10-2025, कार्य का विवरण: पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मण्डल अन्तर्गत गोरखपुर कैण्ट–बाल्मिकीनगर खण्ड में 2 x 25 केवी, एसी, 50 हर्ट्ज ओएचई प्रणाली पर विद्युत आपूर्ति हेतु टीएसएस, एसएसपी, बीएसपी की डिजाईन, आपूर्ति, परीक्षण, स्थापना और कमीशनिंग तथा एसएसपी एवं बीएसपी भवनों के विद्युतीकरण का कार्य। अनुमानित लागत: ₹ 61,32,23,495.34, बयाना राशि: ₹ 32,16,100/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ निल, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 24 माह, निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय: 04-12-2025 को 15:00 बजे।

नोट: • इस निविदा के विरूद्ध कोई मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट ***http://www.ireps.gov.in*** को देखें। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण

मुजाधि/विद्युत-166 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

न्यायालय श्रीमान सिविल जज जू0डि0 महोदय पूर्वी हरदोई

T.N.-159 /18–9–25

1. राकेश कुमार उम्र करीब 58 वर्ष, 2. सर्वेश कुमार उम्र करीब 38 वर्ष पुत्रगण स्व0 कढिले निवासीगण ग्राम परचौली पो0 टिकार परगना कटियारी तहसील सवायजपुर जनपद हरदोई, 3. श्रीमती राजरानी उम्र करीब 50 वर्ष (विवाहित बहन मृतक स्व0 श्रीकृष्ण) पुत्री स्व0 कढिले पत्नी सुलखान सिंह निवासी ग्राम मंगली रूपपुर पो0 कुबेरपुर घाट परगना शमशाबाद तहसील कायमगंज जनपद फर्रूखाबाद, 4. श्रीमती गुड्डी देवी उम्र करीब 42 वर्ष (विवाहित बहन मृतक स्व0 श्रीकृष्ण) पुत्री स्व0 कढिले पत्नी महेन्द्र निवासी–ग्राम हुल्लापुर परगना व तहसील जलालाबाद जनपद शाहजहाँपुर ..**प्रार्थी**

बनाम

1. जा0 मृतक श्रीकृष्ण पुत्र स्व0 कढिले, निवासी ग्राम परचौली पो0 टिकार परगना कटियारी तहसील सवायजपुर जनपद हरदोई, 2. इण्डियन बैंक (इलाहाबाद) शाखा पलिया हरपालपुर तहसील सवायजपुर जिला हरदोई द्वारा शाखा प्रबन्धक, 3. सर्वसाधारण **–विपक्षीगण**

अ0स0मु0नं0–166/25

तारीख पेशी– 31/10/20

सर्व साधारण को सूचित किया है कि गोकरन आदि ने प्राप्त करने उत्तराधिकार प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है और उक्त प्रार्थना पत्र की सुनवाई हेतु इस न्यायालय में पेशी दिनांक 31/10/25 नियत है। अतः जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के बावत जायदाद मृतका श्रीमती कलावती की बावत जो कुछ उजर हो इस न्यायालय में दिनांक 31/10/2015 प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद में कोई उजर नहीं सुना जायेगा। आज बतारीख मेरे दस्तखत व मुहर अदालत से जारी किया गया।

आज्ञा से
मुंसरिम

न्याय के लिए अधिवक्ताओं ने शुरू किया सत्याग्रह

संवाददाता, कुंडा (प्रतापगढ़)

अमृत विचार : तहसील कुंडा अंतर्गत शुक्लन का पुरवा, भरतगढ़ निवासी अधिवक्ता सुरेन्द्र कुमार सरोज ने एसडीएम कुंडा को प्रार्थनापत्र देकर परिवार की जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। साथी को न्याय दिलाने के लिए अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को सत्याग्रह शुरू कर दिया।

आरोप है कि तहसीलदार ने गाटा संख्या 479, रकबा 0.031 हेक्टेयर की भूमि पर चल रहे नामांतरण विवाद में एकतरफा आदेश पारित कर दिया। इसके बाद 18 अक्टूबर को लोगों ने घर जाकर मारपीट व आगजनी की। आरोप है कि विपक्ष के कुछ अभियुक्त दिल्ली तिहाड़ जेल में देशद्रोह के मामले में सजा काट चुके हैं, जिन्होंने कथित रूप से घूस देकर आदेश कराए हैं। अब वही आरोपित खुलेआम घूमकर जान से मारने और विवेचना से नाम हटवाने की धमकी दे रहे हैं। अधिवक्ता ने एसडीएम से उक्त विवादित आदेश को निरस्त कराते हुए सपरिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं अधिवक्ताओं ने कहा जब तक पीड़ित अधिवक्ता को न्याय नहीं मिलेगा तब तक तहसीलदार के खिलाफ धरना प्रदर्शन चलता रहेगा।

कुंडा तहसील परिसर में सत्याग्रह पर बैठे अधिवक्ता।

नीट यूजी में 27 तक दे सकेंगे प्राथमिकताएं

अमृत विचार, लखनऊ : नीट यूजी 2025 की तीसरी काउंसिलिंग की समय सारिणी में एक बार फिर फेरबदल हुआ है। पुनः संशोधन के बाद मेरिट सूची में शामिल अभ्यर्थी 27 अक्टूबर सुबह 11 बजे तक मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकता दे सकेंगे। यह सूचना चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा वेबसाइट पर जारी कर दी गयी है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक अपर्णा यू ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश के सभी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस व बीडीएस की कुल 962 सीटें रिक्त हैं। अभ्यर्थियों से कॉलेज की प्राथमिकताएं लेने के एक दिन बाद 29 अक्टूबर को सीट आवंटन के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। तत्पश्चात अगले दिन 30 अक्टूबर से संबन्धित कॉलेज में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो जाएंगी, जिसे 5 नवंबर 2025 तक पूर्ण करनी होगी।

वेदों का सार है श्रीमद्भागवत कथा : डॉ. राजेश

कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

प्रतापगढ़, अमृत विचार : नगर पंचायत मानधाता के हरखपुर गांव में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व बैंड बाजा एवं डीजे के साथ भव्य कलशयात्रा निकाली गई। पीला वस्त्र धारण किये महिलाएं, पुरुष व बच्चों पर लोगों ने पुष्प वर्षा की। यात्रा के दौरान जयकारे गूंजते रहे। गांव की विभिन्न मंदिरों से होते हुए कथा स्थल पर कलश यात्रा का समापन हुआ। कुल पुरोहित पं. अखिलेश द्विवेदी ने भूमि पूजन कराया। कथा व्यास डॉ. राजेश शुक्ल महाराज ने प्रथम दिवस श्रीमद्भागवत महात्म्य सुनाया। कहा कि यह वेदों का सार है और इसे सुनने से पापी भी पाप मुक्त हो जाते हैं। यह भक्ति और वैराग्य का मार्ग दिखाती है और मन से मृत्यु के भय को दूर करती है। इस दौरान मुख्य यजमान माधुरी सिंह, अर्जुन सिंह एवं रेनू सिंह, सर्वदमन सिंह ने कलश पूजन किया। इस अवसर पर शांति देवी, विक्रांत सिंह नवीन, पूर्व प्रधान उमेश सिंह, कर्नल भूपेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व डीएफओ अर्जुन सिंह, शिवराज सिंह, अवनीश सिंह गुड्डू, डा. रुद्र प्रताप सिंह, विनोद सिंह, सत्येंद्र सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, देवेश सिंह आदि मौजूद रहे।

भारतीय रेल

"सार्वजनिक सूचना"

रेलवे एवं परिसरो के सभी उपभोक्ताओ को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि रेलवे के निम्नलिखित खंड पर 220 केवी 2x25केवी ट्रैक्शन सबस्टेशन, अजगैन को खंड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या उसके बाद में ऊर्जित किया जाएगा। उस तारीख को और उस तारीख से 220 केवी/2x25 केवी ट्रैक्शन सबस्टेशन को सभी समय हमेशा के लिए विद्युतीकृत माना जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति 220 केवी/2x25 केवी ट्रैक्शन सबस्टेशन के समीप दाखिल होने या काम करने नही जाएगा।

सेक्शन (खण्ड)	मण्डल (डिवीजन)	(दिनांक)
कानपुर–लखनऊ खंड में गति 160 किमीघंटा तक/बढ़ाने के संबंध में 2x25 केवी एटी फीडिंग प्रणाली हेतु संबद्ध उपकरणों सहित 220 केवी/2x25 केवी ट्रैक्शन सबस्टेशन, अजगैन रेलवे स्थान संख्या किमी) 38/11–17, चेनिज के 38/334.000) के ऊर्जीकृत) Energisation) किए जाने के संबंध में।	लखनऊ	27.10.2025

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण
उत्तर रेलवे, लखनऊ

3314/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय ग्राम भिटौरा वि0ख0 रामनगर जिला बाराबंकी

पत्रांक मेमो/मनरेगा/वित्तीय वर्ष –2024–25 दिनांक – 24–10–2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि ग्राम पंचायत भिटौरा विकास खंड रामनगर जनपद बाराबंकी में मनरेगा योजना के अंतर्गत निम्न कार्य हेतु निविदा प्रस्तावित है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	आपूर्ति की जाने वाली सामग्री का विवरण	सामग्री की मात्रा से/ई. में	अनु.ला. जीएसटी सहित (लाख में)
1	कार्य का नाम रामधनी के घर से मेन रोड तक व इंद्रपाल के घर होते हुए किशोरी के घर तक नाली सहित इंटरलाकिंग निर्माण कार्य।	ईट गिट्टी. सीमेंट महीन बालू मोटी बालू ईटा इंटरलाकिंग ईट लोकल बालू	40 एमएम–33.114 घन मी 157.56 बैग 16.557 घन मी 11.423 घन मी 15611.94 नग 80 एमएम –10328.68 नग 209781 घन मी	47385.18 62520.704 19123.335 32817.3615 114185.7334 280293.235 15418.9035

आदि सामग्री की आवश्यकता है, इच्छुक फर्म से निविदा आमंत्रित की जाती है। यह निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय में दिनाँक 24–10–2025 से 31–10–2025 तक डाली जायेगी। तथा उसी दिन दोपहर 02 बजे निविदा/टेंडर ओपन कमेटी द्वारा पंचायत कार्यालय में खोला जाएगा। जिस फर्म की निविदा सबसे न्यूनतम होगी। उस फर्म की निविदा स्वीकार करते हुए अन्य फर्मो की निविदा अस्वीकार कर दी जाएगी। निविदा प्रवक का मूल्य जो होगा नगद/डाफ्ट के द्वारा ग्राम पंचायत के नाम पर देय होगा।

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत.भिटौरा
ब्लाक रामनगर जिला बाराबंकी

सचिव
ग्राम पंचायत.भिटौरा
ब्लाक रामनगर जिला बाराबंकी

खेलकूद प्रतियोगिता : सचिन ने लगाई सबसे लंबी छलांग, संदीप सबसे तेज धावक

संवाददाता, रानीगंज, प्रतापगढ़। अमृत विचार : दुर्गागंज बाजार के चौबेपट्टी में गुरुवार को वार्षिक मेला और ग्रामीण खेलकूद का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लम्बी कूद में सचिन यादव और दौड़ में संदीप पाल ने अव्वल रहे। लंबी कूद में सचिन यादव प्रथम, दिलशाद द्वितीय, सुहैल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। 1600 मीटर दौड़ में संदीप पाल प्रथम, प्रदीप पाल द्वितीय एवं संगम सिंह तृतीय स्थान पर रहे। मुख्य अतिथि पूर्व ब्लॉक प्रमुख गौरा राकेश सरोज ने प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को एक एक रेंजर साइकिल, द्वितीय स्थान पर रहने वाले दोनों प्रतिभागियों को फर्राटा फैन एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को सीलिंग फैन भेंट कर उत्साहवर्धन किया। आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। इस दौरान पूर्व प्रधान सभापति द्विवेदी, आलोक कुमार, राम शिरोमणि मिश्र, प्रसिद्ध नारायण शुक्ल, आशीष यादव, दया शंकर शुक्ल, राजेंद्र शुक्ल, मनोज तिवारी आदि रहे।

पार्श्व गायक रवि प्रतापगढ़ की गौरवशाली धरोहर : यमुना

यमुना प्रसाद यादव उ.मा. विद्यालय में गीतों की प्रस्तुति देते पार्श्व गायक रवि त्रिपाठी।

प्रतापगढ़ अमृत विचार : वर्मा नगर रानीगंज कैथोला स्थित यमुना प्रसाद यादव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पार्श्व गायक रवि त्रिपाठी बच्चों से रूबरू हुए। उन्होंने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए गीत प्रस्तुत किए। सूरज न बन पाए तो बन के दीपक जलना..., चीनी गीत शाका पाकी चांगी चींग.... कथरी तोहार गुन ऊ जानय, जे करय गुजारा कथरी मा...जैसे कई गीतों की प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध होकर छात्र–छात्राओं ने तालियों से उनका अभिनंदन किया। विद्यालय के संस्थापक यमुना प्रसाद यादव ने रवि त्रिपाठी का सारस्वत अभिनन्दन किया। उन्होंने कहा कि लालगंज नगर निवासी रवि त्रिपाठी प्रतापगढ़ की गौरवशाली धरोहर हैं, जिन्होंने संगीत जगत में जनपद का नाम रोशन किया है। संचालन कवि लवलेश यदुवंशी ने किया। इस मौके पर पार्श्व गायक के पिता श्रीकृष्ण त्रिपाठी, प्रबंध निदेशक अभिषेक यादव, प्रधानाचार्य पारसनाथ वर्मा, हंसराज सिंह, माया, शियांशी आदि मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत मुजेहना वि0ख0 रेउसा, सीतापुर

पत्रांक /निविदा आ0/केंद्र वि0आ0/राज्य वि0आ0/मनरेगा/2025–26 दिनांक:

निविदा आमंत्रण सूचना अल्पकालीन

कार्यालय ग्राम पंचायत मुजेहना वि0ख0 रेउसा पंजीकृत ठेकेदारों एवं फर्मो व भठ्ठा मालिकों को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित निर्माण कार्यो की अल्पकालिक मोहरबंद निविदायें समस्त पंजीकृत ठेकेदारों फर्मो व भट्ठो से दिनांक 31–10–25 के अपरान्ह 12 बजे बजे तक पंजीकृत ठेकेदारों व फर्मो के सक्षम अधिकारी द्वारा खोली जायेगी। किसी भी टेण्डर को निरस्त करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 25–10–25 से दिनांक 31–10–2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत मुजेहना से प्राप्त किये जा सकते हैं। प्रत्येक निविदा के साथ दो प्रतिशत की जमानत धनराशि एन0एस0सी0/ए0एफ0डी0आर0 के रूप में संलग्न करना अनिवार्य होगा, जो कार्यालय ग्राम पंचायत मुजेहना के नाम बंधक होगा। अन्य शर्तो के आदि की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। ठेकेदारों व फर्मो द्वारा निविदा प्रपत्र पर अंकित की गयी धनराशि अंकों एवं शब्दों में लिखना अनिवार्य होगा।

क्र. सं.	कार्य का नाम	प्राक्कलित लागत	प्राक्कलन के अनुसार सामग्री जिसकी आपूर्ति होनी है।	सामग्री धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	आँगन बाडी केन्द्र भवन निर्माण (मुजेहना)	11.84 लाख	ईट प्रथम श्रेणी बालू मौरंग सरिया, सीमेन्ट, रोडा, गिट्टी अद्धा टाईल्स, सेनेट्री एव वाटर सप्लाई इलेक्ट्रिक वायरिंग ई0मार्का हैण्ड पंप स्थापना, अलमारी, डेस्क बेच वाल पेन्टिंग	997303	200

जिस निविदादाता का टेण्डर सबसे कम दर का होगा, उसे टेण्डर स्वीकृत दर के आधार पर आगणित सामग्री की कुल लागत का दो प्रतिशत जमानत धरोहर की धनराशि एन0एस0सी0/ए0फ0डी0आर0 जो ग्राम पंचायत मुजेहना के पक्ष में बंधक होगा। जमा करने पर ही सामग्री की आपूर्ति का आदेश दिया जायेगा।

ग्राम प्रधान | ग्राम पंचायत सचिव

ग्राम पंचायत मुजेहना, रेउसा–सीतापुर

भारतीय रेल

"सार्वजनिक सूचना"

रेलवे एवं परिसरो के सभी उपभोक्ताओं को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि रेलवे के निम्नलिखित खंड **2x25 केवी सब-सेक्शनिंग एवं पैरेललिंग पोस्ट, हरौनी** को खंड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या उसके बाद में ऊर्जित किया जाएगा। उस तारीख को और उस तारीख से **2x25 केवी सब-सेक्शनिंग एवं पैरेललिंग पोस्ट** को सभी समय हमेशा के लिए विद्युतीकृत माना जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति **2x25 केवी सब-सेक्शनिंग एवं पैरेललिंग पोस्ट** के समीप दाखिल होने या काम करने नहीं जाएगा।

सेक्शन (खण्ड)	मण्डल (डिवीजन)	दिनाँक
कानपुर–लखनऊ खंड में गति 160 किलोमीटर प्रति घंटा तक बढ़ाने के कार्य के संबंध में, 2x25 केवी एटी फीडिंग प्रणाली हेतु संबद्ध उपकरणों सहित **2x25 केवी सब-सेक्शनिंग एवं पैरेललिंग पोस्ट, हरौनी** (रेलवे स्थान संख्या किलोमीटर 22/9-10, चेनिज 22/284.000) के ऊर्जीकृत किए जाने के संबंध में।	लखनऊ	27.10.2025

उप मुख्य विद्युत अभियंता(निर्माण)
उ.रे., लखनऊ

3316/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यात्री बन्धुओं के लिये आवश्यक सूचना

(1) रेल गाड़ी के डिब्बों में स्टोव जलाना, आतिशबाजी का सामान, बारूद से बनी वस्तुयें, गैस सिलिण्डर, तेजाब, फिल्म, मिट्टी का तेल एवं पेट्रोल जैसी अन्य ज्वलनशील एवं खतरनाक वस्तुओं को साथ लेकर यात्रा करना भारतीय रेल अधिनियम 1989 के अनुच्छेद 164 के अंतर्गत दण्डनीय हैं। इन वस्तुओं को साथ लेकर कभी यात्रा न करें।

(2) यदि इस प्रकार की ज्वलनशील एवं खतरनाक विस्फोटक वस्तुओं को गाड़ी अथवा स्टेशन प्लेटफार्म पर देखें तो तुरन्त इसकी सूचना गार्ड/टी.टी.ई. अथवा स्टेशन मास्टर को दें।

(3) रेलवे ट्रैक, स्टेशन एवं समपारों फाटकों के आस-पास भीड़ एकत्रित न करें, यह खतरनाक हो सकता है।

(4) स्टेशन पर एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिये पैदल उपरिगामी पुल का प्रयोग करें।

(5) गाड़ी के छत एवं पावदान पर यात्रा न करें, यह जानलेवा एवं दण्डनीय है।

(6) स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में स्वच्छता बनाये रखें।

मुजाधि/संरक्षा–02

पूर्वोत्तर रेलवे

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

nerailwaygkp | N. E. Railway | NORTH EASTREN RAILWAY

@n.e.railwaygkp | www.ner.indianrailways.gov.in | koo@nerailwaygkp

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **राज कुमार सिंह पुत्र स्व0 संत सिंह व श्रीमती मनोज सिंह पत्नी श्री राज कुमार सिंह निवासीगण–547 /160/2क, निकट संतोषी माता मंदिर, जलालपुर, राजाजीपुरम लखनऊ** मेरा पुत्र शिवम सिंह उर्फ शिवा सिंह व पुत्रवधू श्रीमती श्रेया सिंह झगड़ालू प्रवृत्ति के है वह लोग मेरे साथ लड़ाई झगड़ा व अभद्र व्यवहार करते हैं और कहना नहीं मानते है जिस कारण हम अपने पुत्र व पुत्रवधू को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। भविष्य में पुत्र व पुत्रवधू के किसी भी कृत्य या लेन देने के लिए मेरा कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। अपने कृत्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होगें।

सूचना

सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वर्ष 2025 रोल नंबर 1252279706 माध्यमिक शिक्षा परिषद का वास्तव में खो गया है। **आयुष कुमार बौद्ध पुत्र मनोज कुमार बौद्ध निवासी ग्राम खुर्दाशीर रामगढ़ करनैलगंज जनपद गोंडा।**

सूचना

मैं, **श्रीमती ज्योति सिंह पत्नी कौशलेंद्र सिंह निवासिनी ग्राम पूरे बनिया मजरे हेवतहा नेवढ़िया, पोस्ट हेवतहा नेवढ़िया थाना जगतपुर जिला रायबरेली** ने अपना नाम जठे सिंह (JATHEY SINGH) से ज्योति सिंह शपथ पत्र दिनांकित 16.10.2025 द्वारा कर लिया है। यही मेरा वास्तविक नाम है और भविष्य में इसी नाम से जानी पहचानी जाऊंगी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने HDFC CHILDREN'S DOUBLE PLAN की पॉलिसी नं. 10217268 कराई थी, जिसमें त्रुटिवश मेरा नाम अशोक कुमार पुत्र रामराज और जन्मतिथि 10/02/1983 ई. अंकित है, जबकि अभिलेखों में अशोक पुत्र रामराज जन्मतिथि 25/10/1978 ई.दर्ज है जो कि सही है। **अशोक पुत्र रामराज, नि. – पूरे सुख्खा मजरे कोलवा पो. अशरफपुर परगना रोखा तह. सलोन, जिला – रायबरेली**

सूचना

मैं **संगीता पत्नी स्व. अवधेश कुमार पूरे भुजवन मजरे बेलाभेला थाना भदोखर, जिला रायबरेली** की रहने वाली हूं। मैं अपने बड़े बेटे शिवम के गलत आचरण से परेशान होकर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। उनसे सभी प्रकार के संबंध विच्छेद करती हूं। भविष्य में शिवम द्वारा किए गए किसी भी कार्य के लिए परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

मै मनोज कुमार मेरे आधार कार्ड, निर्वाचन कार्ड, हाई स्कूल अंकपत्र व प्रमाण पत्र मे मेरे पिता का नाम गया प्रसाद अंकित है। जबकि मेरे पासपोर्ट मे पिता का नाम गया प्रसाद कनौजिया अंकित हो गया है जबकि वास्तविक नाम गया प्रसाद है। अतः भविष्य मे गया प्रसाद के नाम से जाना व पहचाना जाये। निवासी ग्राम व पोस्ट भांई थाना–धम्मौर, जिला–सुलतानपुर (उ0प्र0)

सूचना

यह घोषित किया जाता है कि **श्रीमती रेणु देवी पत्नी स्वर्गीय श्री कृष्ण कुमार, निवासी: स्थायी पता: ग्राम–बलुआ, पोस्ट–डुमरा, वार्ड नं. 3, जिला–सीतामढ़ी, बिहार–843316, वर्तमान पता: मकान संख्या 1/1130, रतन खंड, शारदा नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।** विवाह से पहले उनका नाम रेणु कुमारी था, लेकिन विवाह के बाद उन्होंने अपना नाम रेणु कुमारी से बदलकर रेणु देवी रख लिया। अब वे रेणु देवी के नाम से जानी जाती हैं। अतः इस समाचार पत्र के माध्यम से सभी को सूचित किया जाता है कि उनका वास्तविक नाम रेणु देवी है।

सूचना

मैं **मोहम्मद हारुन निवासी हमिरापुर मलिहाबाद लखनऊ–227111, उत्तर प्रदेश, भारत,** यह घोषित करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम गलत रूप से मोहम्मद हारुन अब्दुल हसन दर्ज है, सही नाम मोहम्मद हारुन है जबकि माता एवम पिता का नाम भी गलत दर्ज है, पिता का गलत नाम अब्दुल हसन मेहँदी हसन सही नाम अब्बुल हसन है, माता का गलत नाम सबीहा खातून अब्दुल हसन दर्ज है, सही नाम सबीहा खातून है। कृपया भविष्य में पासपोर्ट रिकार्ड में इन्हीं को सही माना जाए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट नम्बर N3709359 में पिता का नाम त्रुटिवश बन्नू (BANNU) अंकित हो गया था जबकि मेरे पिता का सही नाम अब्दुल बारी ABDUL BARI है अतः उससे इसी नाम से पढ़ा व समझा जाए। **अज्जन खान पुत्र अब्दुल बारी नाज़िरपुरा बहराइच 271801**

सूचना

मैं **देवकी नन्दन वर्मा पुत्र श्री चन्द्रभाल वर्मा, निवासी– ग्राम अम्बरपुर क्लार्कनगर पोस्ट खगेसियामऊ तहसील व जिला सीतापुर उ0प्र0** 261001 का हूँ, मेरे पुत्र वंश राजपूत के स्कूल अभिलेखों में वंश राजपूत (VANSH RAJPUT) लिखा है जबकि सही नाम वंश राजपूत (VANSH RAJPOOT) है जो कि सच व सही है। पुत्र के विद्यालय अभिलेखों में वंश राजपूत (VANSH RAJPUT) स्थान पर आधारकार्ड के अनुसार सही नाम वंश राजपूत (VANSH RAJPOOT) दर्ज किया जाय।

न्यूज ब्रीफ

श्री रामचरितमानस सम्मेलन का शुभारंभ

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : ब्रह्मलीन बाबा प्रेमदास जी की कुटी पर महंत श्री लालता दास जी महाराज के निर्देशन में 10 दिवसीय श्री रामचरितमानस सम्मेलन एवं महायज्ञ का प्रथम दिन आयोजित हुआ। मानस मर्मज्ञ अजय शास्त्री ने कहा कि श्री रामचरितमानस की प्रत्येक चौपाई में जीवन की सीख और कल्याण का महामंत्र है। सम्मेलन में अयोध्या धाम से पधारे बाबा दीनबंधु जी महाराज और मानस मर्मज्ञ तरंग जी महाराज ने रामचरितमानस के महत्व पर प्रकाश डाला। भक्तजन पन्नालाल द्वारा गाए गए भजनों पर झूम उठे। कार्यक्रम में महंत लालता दास जी महाराज, महंत राम तीरथ दास जी महाराज, अजय शास्त्री, अभय नाथ त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं का जत्था दरियाबाद पहुंचा

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : महाराष्ट्र के बीड़ जिले स्थित श्री संत जगतगुरु तुकाराम महाराज वारकरी गुरुकुल तपोभूमि वागद्रा द्वारा आयोजित 84 कोसी परिक्रमा का जत्था शुक्रवार शाम दरियाबाद पहुंचा। नेतृत्व संत सत्यवान महाराज कर रहे हैं, जिनके साथ लगभग 50 भक्त शामिल हैं। परिक्रमा अयोध्या के मखौड़ा धाम से 19 अक्टूबर को शुरू हुई थी और गुरुवार को मैरामउ में विश्राम के बाद शुक्रवार को दरियाबाद पहुंची।

पराली जलाने पर किसान पर जुर्माना

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : करामातपुरवा मजरे मेलरायगंज में नायब तहसीलदार अन्नू सिंह ने खेत में पराली जलाते पाए गए शिवबालक से पांच हजार का जुर्माना वसूला। नायब तहसीलदार ने अन्य किसानों से अपील की कि वे पराली न जलाएं।

नेत्रहीन किशोर अचानक लापता

निन्दूरा, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना कुर्सी क्षेत्र में एक नेत्रहीन किशोर अचानक लापता हो गया। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली है। कस्बा निवासी बाईसुन निशां ने पुलिस को लिखित शिकायत देते हुए बताया कि उनका 14 वर्षीय पुत्र मो. तौहीद पुत्र मो. शब्बीर 21 अक्टूबर को घर से देवां रोड की ओर गया था और तब से लापता है। बताया कि उन्होंने अपने बेटे की घर और आस-पास काफी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला।

पैर फिसलने से आंगन में गिरी महिला, मौत

बाराबंकी, अमृत विचार : जीने से उतरते समय पैर फिसलने से महिला आंगन में जा गिरी। गंभीर रूप से घायल महिला को सीएचसी में मृत घोषित कर दिया गया। सतरिख थाना के सलारपुर गांव निवासी राजेश्वरी देवी (40) पत्नी स्व. अनूप शुक्रवार की सुबह छत से जीने से उतर रही थीं इसी दौरान उनका पैर फिसल गया जिससे वह आंगन में बंधे तार पर गिर पड़ी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल को सीएचसी ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

ग्रामीणों ने दिया धरना

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना अंसद्रा क्षेत्र के ग्राम पूरे ऊंचे मजरे टांडा में रास्ता खुलवाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने शुक्रवार को धरना शुरू किया। मौके पर क्षेत्रीय लेखपाल संदीप, राजस्व निरीक्षक रंजीकांत बाजपेयी, धनंजय पांडेय और थाना अंसद्रा के उपनिरीक्षक अमित कौशल पहुंचे और समझाने का प्रयास किया, लेकिन समाधान न निकलने पर धरना जारी है।

आज से नहाय-खाय के साथ शुरू होगा लोक आस्था का महापर्व छठ

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

नागेश्वरनाथ सरोवर पर साफ सफाई का निरीक्षण करते ईओ व चेयरमैन प्रतिनिधि।

अमृत विचार : लोक आस्था और श्रद्धा का प्रतीक छठ महापर्व शनिवार से नहाय-खाय के साथ आरंभ होगा। घरों में सादा भोजन व सुशोभिता बनाया जाएगा। व्रती महिलाएं सादा भोजन बनाकर व्रत की शुरुआत करेंगी। छठ पूजा के लिए नदी या तालाब किनारे मिट्टी से सुशोभिता बनाई जाएगी। भगवान सूर्य और छठ मइया की उपासना के इस पर्व को लेकर जनपदभर में भक्तिमय माहौल है।

खास बात यह है कि भगवान सूर्य और छठी मैया को समर्पित पूर्वांचल का यह महापर्व जिले के कोने-कोने में मनाया जाने लगा है। छठ पूजा को लेकर जहां घरों में जोरशोर से तैयारियां हो रही हैं, वहीं महिलाए घर में काम करते हुए छठ मइया के गीत भी गा रही हैं। शुक्रवार को बाजार में महिलाओं ने सूप व दौरी आदि की खरीदारी की। सौभाग्य, आरोग्य और समृद्धि देने वाली छठ पूजा को लेकर शहर की आवास विकास कॉलोनी स्थित बड़ा पार्क, पीएससी, नागेश्वर नाथ धाम परिसर, चिलहटा घाट, पुलिस लाइन, आलापुर, सतोखर तालाब व बंकी समेत जिलेभर में अन्य कई स्थलों पर घाट और कृत्रिम घाट सजाकर चार दिवसीय छठ महापर्व का आयोजन किया जाएगा। छठ पर्व के मद्देनज़र नगर पालिका प्रशासन ने प्रमुख पूजा स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाया और सड़कों व घाटों पर लाइटिंग की व्यवस्था की है। नगर पालिका ईओ संजय शुक्ला ने बताया कि चार दिवसीय पर्व के दौरान सभी पूजा स्थलों पर स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पवित्रता का रखा जाता है विशेष ध्यान

सफाई का रखें ध्यान

छठ पूजा में सफाई और पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जाता है। प्रसाद बनाते समय व व्रत के दौरान घर, मंदिर, रसोई घर में बिल्कुल भी गंदगी नहीं रखनी चाहिए।

-गुंजन सिंह, मसौली

सिंदूर की खास मान्यता

पूजा के दौरान व्रती महिलाओं को चारों दिन स्नान करने के बाद नारंगी रंग का ही सिंदूर लगाना चाहिए। इस सिंदूर की छठ पर्व में खास मान्यता होती है।

-सुधा देवी विश्वकर्मा, रामनगर

सात्विक भोजन करें

व्रती महिलाओं को नहाय खाय वाले दिन सात्विक भोजन करना चाहिए। केवल व्रती को ही नहीं, बल्कि उनके परिवार को सात्विक भोजन ही करना चाहिए।

-सुमन राव, धरौली

नियमों का रखें ध्यान

परिवार के सदस्यों को विशेष ख्याल रखना चाहिए कि व्रती महिला या पुरुष के भोजन करने के बाद ही प्रसाद लें। खरना के दिन इस नियम का ख्याल रखना चाहिए।

-माया चक्रवर्ती, मसौली

जुए में हारने के बाद युवक ने तोड़ीं मूर्तियां

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के पहलवान पुरवा गांव में बुधवार की रात एक युवक ने शराब के नशे में मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया। सूचना पर पहुंची पुलिस तो आरोपी मौके पर फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, पहलवान पुरवा निवासी राम बहादुर पुत्र स्व. जगजीवन ने जमघट के दिन जुए में हजारों रुपये हारने के बाद शराब पी। नशे की हालत में उसने गांव के नीम के पेड़ के नीचे स्थापित मूर्तियों में तोड़फोड़ की। जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और आरोपी मौके से फरार हो गया। कोतवाल अंकित त्रिपाठी ने बताया कि टीम गठित कर आरोपी की तलाश जारी है।

हिस्ट्रीशीटर ने की सौतेली बेटी की हत्या

आरोपी गिरफ्तार, कई मुकदमे दर्ज, हाल ही में कारागार से हुआ था रिहा

संवाददाता, देवा, बाराबंकी

रोती-बिलखती मां व बहनें। ● अमृत विचार

अमृत विचार : स्थानीय कस्बे में गुरुवार को आधी रात हुई घटना ने सबको दहला दिया। शातिर अपराधी ने शक के फेर में चाकू से गला रेतकर सौतेली बेटी को मार डाला। उसकी चीख सुनकर जगे घर के बाकी सदस्यों को धमकी देकर चुप करा दिया। पुलिस ने कई मुकदमों के आरोपी व हाल में जेल से छूटकर आए हत्यारे पिता को गिरफ्तार कर लिया है। सूचना पर एसपी भी रात में घटनास्थल पहुंचे।

जोया फाइल फोटो।

घटना मोहल्ला जमाल कमाल तकिया में गुरुवार की आधी रात को हुई। बताया जा रहा कि रात जुबैदा अपने पति के साथ छत पर सोई थी, जबकि नीचे कमरे में बेटी जोया और उसकी तीन सौतेली बहनें चंदा, सोनम, खुशबू सो रही थीं। आधी रात के करीब नशे में धुत हफीजउल्ला नीचे आया और सो रही जोया का चाकू से गला रेत दिया। चीख सुनकर जगी तीनों बेटियों ने मृत जोया व पिता को खून से सने चाकू के साथ देखा तो रोने लगीं। हफीजउल्ला ने धमकाया कि अगर किसी से कुछ बताया तो वह उन्हे भी जान से मार देगा और पुलिस से कहना कि हत्या इम्तियाज ने की है। पास वाले कमरे में सो रहे आरोपी के पुत्र इम्तियाज के जागने पर शोर मचा और मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। सूचना मिलते ही देवा पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी अर्पित विजयवर्गीय भी रात में ही घटनास्थल पर पहुंचे और आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस ने आरोपी हफीजउल्ला को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा कि जोया की मां जुबैदा की पहली शादी रियाज के साथ हुई थी। दूसरी शादी जुबैदा ने हफीजउल्ला से की, जिससे तीन बेटियां हैं लेकिन मृतका जोया जुबैदा के पहले पति रियाज की पुत्री है। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि आरोपी पर कई मुकदमे दर्ज हैं और उसकी पुरानी गतिविधियों की जांच की जा रही है।

कुख्यात अपराधी है आरोपी हफीजउल्ला

जांच में सामने आया कि हफीजउल्ला कुख्यात हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। उसके खिलाफ गोकशी समेत कई संगीन मुकदमे दर्ज हैं। कुछ समय पहले जहांगीराबाद और नगर कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा था, जहां से वह हाल ही में छूटा था। घटना को लेकर स्पष्ट वजह सामने नहीं आ सकी है।

ट्रेन से गिरकर एमपी के युवक की मौत

बाराबंकी: अमृत विचार : शुक्रवार दोपहर करमुल्लापुर के निकट एक 35 वर्षीय युवक की ट्रेन से गिर कर मौत हो गयी। शव के पास मिले आधार कार्ड से पहचान की गई। शुक्रवार की दोपहर करीब एक बजे दून एक्सप्रेस से एक 35 वर्षीय युवक ट्रेन से गिरकर कट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जामा तलाशी ली तो जेब में मिले आधार कार्ड के अनुसार शव की पहचान मध्य प्रदेश के जिला सिंगरौली में अमहा टोला सरांय निवासी प्रशांत कुमार गुप्ता पुत्र राम नारायण गुप्ता के रूप में हुई।

ऑनलाइन जॉब के नाम पर युवती से ठगी

बाराबंकी, अमृत विचार : साइबर ठगों ने एक युवती को पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर 1.80 लाख रुपये हड़प लिए। मामला साइबर क्राइम थाना में दर्ज कराया गया है। टीम ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

ग्राम नानमऊ निवासी नेहा पटेल ने बताया कि 7 सितंबर को उनके मोबाइल पर एक व्हाट्सएप संदेश आया जिसमें पार्ट टाइम जॉब का ऑफर दिया गया। संदेश भेजने वाले ने उन्हे रिया से टेलीग्राम पर संपर्क करने को कहा। रिया ने नेहा को होटल और रेस्टोरेंट की ऑनलाइन रिव्यू करने का काम बताया और प्रति रिव्यू 50 रुपये देने का वादा किया। शुरुआती कुछ रिव्यू के बाद भरोसा जीतने के लिए आरोपी ने बिटफोएक्स नामक ऐप पर अकाउंट बनवाया और अधिक कमाई के नाम पर पैसे निवेश करने को कहा। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने ठग के बताए अनुसार कुल 7000 रुपये आनलाइन भेजे, जिसके बाद आरोपी ने झांसा देकर धीरे-धीरे करीब 1,80,000 रुपये हड़प लिए। नेहा पटेल ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज की है।

हजरत शेख मखदूम शाह उर्स का उद्घाटन

फतेहपुर, अमृत विचार : नगर में हजरत शेख मखदूम शाह उर्स मेले का उद्घाटन शुक्रवार शाम पूर्व चेयरमैन व अध्यक्ष मेला कमेटी मो. मशकूर ने फीता काट कर किया। उन्होंने कहा कि प्राचीन मेला मखदूम शाह क्षेत्र में गंगा जमुनी तहजीब की धरोहर है। यहां सामाजिक एकता व भाईचारे का पैगाम मिलता है। मो. मशकूर ने बताया कि मेले में 31 अक्टूबर को वाराणसी के जादूगर एएच पाशा मैजिक शो पेश करेंगे। 3 नवम्बर को आल इंडिया मुशायरे का आयोजन किया गया है। जिसमे ताहिर फराज, जौहर कानपुरी, शबीना अदीब, हासिम फिरोजाबादी, डा. ओम शर्मा ओम, दानिश गजल जैसी अनेक शायरा व शायर अपने कलाम पेश करेंगे। 4 नवम्बर को टैलेंट हंट कार्यक्रम में बच्चे प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। 5 को मल्टी इंटरटेनर ग्रुप ऑफ लखनऊ के आर्केस्ट्रा कलाकार गीत व संगीत की प्रस्तुतियां देंगे।

जमीन के विवाद में मारपीट, छह लोग घायल

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार सुबह एक विवादित जमीन को लेकर हिंसक झगड़ा हो गया। लाठी, ईंट पत्थरों से हुए हमले में करीब छह लोग घायल हो गए। मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई है। क्षेत्र के ग्राम लालपुर निवासी कुलदीप कुमार ने पुलिस को बताया कि विवाद का आरंभ रामप्रताप की पत्नी सुन्दरा द्वारा जमीन पर दीपक जलाने से हुआ। जब कुलदीप की दादी अंजली ने इसे रोकने की कोशिश की, तो रामप्रताप, उसके पुत्र मनीष कुमार और अन्य रिश्तेदारों ने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। थोड़ी देर बाद उनके घर वाले मौके पर पहुंचे तो विरोधियों ने उन्हें लाठियों और ईंट-पत्थरों से हमला किया। हमले में कुलदीप, उनके भाई संग्राम सिंह, बहन रोशनी, अन्य परिजन और गर्भवती चचेरी बहन पूजा सहित कई लोग घायल हो गए। घायल लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया।

घर से लाखों की चोरी

जैदपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : जैदपुर थाना क्षेत्र के मोहल्ला शाहकटरा निवासी नसरीन बानो के घर में चोरी की वारदात हुई। चोर ने कमरे का ताला तोड़कर बक्से में रखे आभूषण चोरी कर लिया। चोरी गए सामान में सोने की झुमकी, दो सोने की अंगूठी, एक सोने का टीका, दो चांदी के कड़े, एक बाल की चोटी चांदी की, एक जोड़ी कान की बाली, एक जोड़ी कान की कील, सोने का लाकेट शामिल है।

नहरों की शत-प्रतिशत करायें सिल्ट सफाई

बाराबंकी, अमृत विचार : जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के सिल्ट सफाई कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद की सभी माइनर व डी.वाई. को मिलाकर कुल 1408.8 किलोमीटर लंबाई में शत-प्रतिशत सिल्ट सफाई हर हाल में सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि कार्य तेजी से, पारदर्शिता और निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे किए जाएं ताकि सिंचाई व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सके। जिलाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं होगा। सभी कार्य तकनीकी मानकों के अनुरूप हों ताकि नहरों में पानी टेल तक बिना अवरोध के पहुंच सके। डीएम ने तहसील स्तर पर टास्क फोर्स गठित करने के निर्देश दिए, जो सिल्ट सफाई कार्यों की नियमित जांच व सत्यापन करेगी। उन्होंने कहा कि मानक के विपरीत कार्य पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने कार्यों की दैनिक प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य रूप से भेजने और सभी स्तरों पर जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

काशीप्रसाद द्विवेदी निर्विरोध अध्यक्ष

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : तहसील बार एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष और अन्य सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन बहोरी प्रसाद शुक्ला ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को निर्विरोध घोषित किया। अध्यक्ष पद पर काशीप्रसाद द्विवेदी, महामंत्री रामहृदय यादव और कोषाध्यक्ष रमाकांत वर्मा निर्विरोध निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष और संयुक्त मंत्री सहित सदस्य भी निर्विरोध निर्वाचित हुए। बार भवन में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। विनोद कुमार मिश्रा 'बाबा जी' ने इस निर्विरोध चुनाव को संपन्न कराने में भूमिका निभाई। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष शिव वरदान सिंह, रामप्रसाद वर्मा, प्रहलाद कुमार वर्मा, दीपक बाबा, कालीप्रसाद यादव और अब्दुल अहद एडवोकेट सहित अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं।

काशीप्रसाद द्विवेदी।

रामहृदय यादव।

झोलाछाप ने की युवती से छेड़छाड़

असन्द्रा, बाराबंकी, अमृत विचार : एक गांव में झोलाछाप ने युवती से छेड़छाड़ की। उसकी हरकत पकड़ी गई तो युवती के भाई पर बाइक छीनने का आरोप मढ़ दिया। एक युवक ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी बहन से सर्वेश बातचीत कर रहा था। सर्वेश एक दुकान पर निजी क्लिनिक चलाता है। भाई के अनुसार 22 अक्टूबर की शाम करीब 3 बजे उसकी बहन खेत पर गई थी, तभी सर्वेश वहां पहुंचा और उससे छेड़छाड़ की। जब उसके भाई मौके पर पहुंचे तो आरोपी मोटरसाइकिल छोड़कर भाग गया। बाद में आरोपी ने 112 नंबर पर झूठी सूचना देकर कहा कि उसकी मोटरसाइकिल छीनी गई है।

सिटी डायरी

बैठक के दौरान मौजूद शिक्षक।

पौधरोपण के साथ संपन्न हुई शिक्षण संकुल बैठक

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : उच्च प्राथमिक विद्यालय देवगांव में न्याय पंचायत रसूलपुर किदवई की शिक्षण संकुल बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का विषय हमारी सीख प्रक्रिया एवं हमारे प्रयास था। शिक्षकों ने टीएलएम प्रदर्शन, निपुण भारत मिशन, नियमित आकलन और परीक्षा तैयारी पर चर्चा की। विद्यालय की स्वप्निल वर्मा ने विज्ञान किट के माध्यम से चुंबकत्व का प्रायोगिक ज्ञान साझा किया। विजय प्रताप सिंह ने पर्यावरण संरक्षण और इको क्लब की गतिविधियों पर जोर देते हुए पौधरोपण कार्यक्रम का नेतृत्व किया। इस अवसर पर विकास वर्मा, अर्चना मौर्य, स्वप्निल वर्मा, खुशबू दुबे, आयुषी जैन, नीरज श्रीवास्तव, रंजीता वर्मा, अनुराधा त्रिवेदी, नीलम वर्मा, विजय प्रताप सिंह, मो. एखलाक आदि मौजूद थे।

कैंप का निरीक्षण करतीं नायब तहसीलदार।

फार्मर रजिस्ट्रीकरण कैंप का नायब तहसीलदार ने किया निरीक्षण

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : ग्राम पंचायत रसूलपुर में राजस्व एवं कृषि विभाग द्वारा फार्मर रजिस्ट्रीकरण कैंप का आयोजन किया गया। शुक्रवार को नायब तहसीलदार अन्नू सिंह ने कैंप का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया और कर्मचारियों को इस प्रक्रिया में और तेजी लाने के निर्देश दिए। उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह के दिशा-निर्देश पर आयोजित इस शिविर में किसानों को रजिस्ट्रीकरण के फायदों की जानकारी दी गई और उन्हें पंजीकृत किया गया। इवस अवसर पर लेखपाल शुभेन्द्र अवस्थी और कृषि विभाग के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

वेयर हाउस का निरीक्षण करते डीएम।

डीएम ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

बाराबंकी, अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने शुक्रवार को जनपद स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। उन्होंने स्ट्रॉन्ग रूम, सीसीटीवी कंट्रोल रूम सहित सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, सीओ सिटी संगम कुमार, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी संजय कुमार विश्वास, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी कमल किशोर आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम

ग्राम्यांचल महाविद्यालय का 27वां स्थापना दिवस समारोह

माता-पिता के सपने आगे बढ़ाने को प्रतिबद्ध : सिद्धार्थ

संवाददाता, हैदरगढ़, बाराबंकी

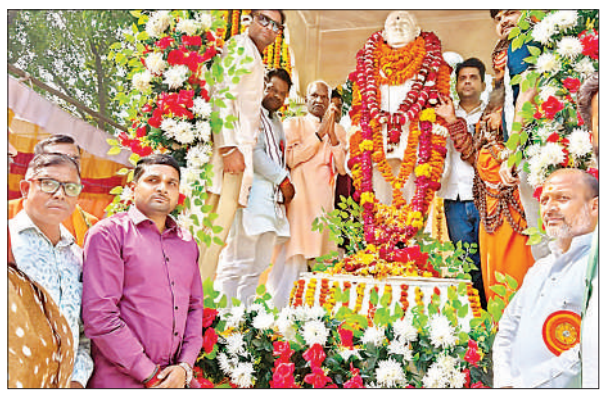

प्रतिमा पर माल्यार्पण करते बैजनाथ रावत, दिनेश रावत व सिद्धार्थ अवस्थी।

अमृत विचार : ग्राम्यांचल शिक्षा संकुल के जनक और हैदरगढ़ से तीन बार विधायक रहे सुरेंद्रनाथ अवस्थी की जयंती एवं महाविद्यालय का 27वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'ग्राम्या' के 26वें संस्करण का भी विमोचन किया गया। समारोह की शुरुआत एससी एसटी आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, विधायक दिनेश रावत, विधान परिषद सदस्य अंगद सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष आलोक तिवारी व ब्लॉक प्रमुख रामदेव सिंह समेत अन्य अतिथियों ने स्वर्गीय अवस्थी की आदमकद प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण कर की। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। स्थापना दिवस के अंतर्गत आयोजित कला उत्सव में खो-खो, दौड़, मेंहदी व रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। एमएलसी अंगद सिंह ने स्व. अवस्थी के शिक्षा क्षेत्र में योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके आशीर्वाद से ग्राम्यांचल परिवार आज भी उन्नति की ओर अग्रसर है। पुत्र सिद्धार्थ अवस्थी ने कहा कि वे अपने माता-पिता के सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। समारोह का समापन महाविद्यालय के कुलगीत के गायन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप् से ग्राम्यांचल परिवार के अध्यक्ष शरद अवस्थी, संरक्षक सिद्धार्थ अवस्थी, राजनेता, अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

जागरूकता कार्यशाला

बाराबंकी, अमृत विचार : ताराश्री फाउंडेशन द्वारा संचालित उदयन शालिनी फेलोशिप प्रोग्राम के तहत शनिवार को बाराबंकी स्थित कार्यालय में पहले बैच की छात्राओं के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का विषय प्रजनन स्वास्थ्य था, जिसकी रिसोर्स पर्सन सामाजिक विकास विशेषज्ञ ईशा सिंह थीं। ईशा सिंह ने किशोरियों को स्वच्छता, संतुलित आहार, मानसिक संतुलन आदि की जानकारी दी।

कार्यशाला में मौजूद छात्राएं व संस्था के लोग।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

सीतापुर

न्यूज ब्रीफ

आज 25 हजार दीपों से रोशन होगा नर्मदेश्वर मंदिर

नेरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां विकासखंड स्थित मुल्लाभीरी गांव के महर्षि बाबा ज्ञान दास नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में शनिवार को दीपोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर परिसर में 25 हजार दीपक जलाये जाएंगे। थाना प्रभारी पिसावां वीरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि दीपोत्सव को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किये गए हैं। कार्यक्रम में ललित कला अकादमी के अध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्रा मुख्य अतिथि होंगे।

गाली-गलौज के विरोध पर बुजुर्ग की पिटाई

खैराबाद, सीतापुर, अमृत विचार : क्षेत्र के बनगांव में गाली गलौज का विरोध करना बुजुर्ग को मंहगा पड़ा। दबंगों ने उसकी पिटाई कर दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। श्रीपाल अपने घर के बाहर बैठे थे। तभी विपक्षी आपस में गाली-गलौज कर रहे थे। 65 वर्षीय श्रीपाल ने विरोध किया तो विपक्षियों ने लाठी-डण्डों से उनकी पिटाई कर दी। डायल 112 की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है।

खीरी बार्डर पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

नेरी, सीतापुर, अमृत विचार : कोतवाली महोली क्षेत्र के नेरी चौकी के अंतर्गत बाला जी मंदिर के समीप हाईवे पर अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पर उप-निरीक्षक विनोद सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

पराली को खाद में बदलने की दी सलाह

खैराबाद, सीतापुर, अमृत विचार : टिकरिया गांव में किसानों को पराली न जलाने और उसे खाद में बदलने की सलाह दी गई। सहायक तकनीकी प्रबंधक पवन कुमार यादव ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया। कहा कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है, साथ ही मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर भी असर पड़ता है। इससे कीट मित्र नष्ट हो जाते हैं। इस मौके पर शत्रोहन, गंगाराम, दीनदयाल, श्रीराम सहित कई अन्य किसान मौजूद रहे।

शराब पीने से मना करने पर भाभी को पीटा

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के रौसीपुर गांव में शराब पीने के लिए पैसे न देने पर देवर ने भाभी की पिटाई कर दी। मारपीट में घायल महिला की हालत गंभीर है। पुलिस ने रपट दर्ज करते हुए आरोपी की तलाश में छापामारी की। रौसीपुर निवासी नीलम देवी के मुताबिक, उसका देवर छोटू, जुआ खेलता है। शराब भी वो रोजाना पीता है। देर शाम वो जुए में पैसे हार गया। घर आकर नीलम देवी से शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा। आरोप है कि जब महिला ने पैसे देने से मना कर दिया तो उसने सिर पर लाठी मार दी। कोतवाली प्रभारी विजयेन्द्र सिंह ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया गया है।

पारिवारिक विवाद में मारपीट, दो गंभीर

सीतापुर, अमृत विचार : रामपुर मथुरा क्षेत्र में बांसुरा घाट पर पारिवारिक मामले को लेकर विवाद हो गया। जानलेवा हमले में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताते हैं कि बिपिन का अपने साढ़ू को लेकर किसी बात को लेकर पहले से विवाद चला आ रहा था। इसी बातचीत को लेकर दोबार विवाद हुआ। जिसमें विपिन सहित दो लोग घायल हो गए।

संदिग्ध परिस्थितियों में किसान की मौत

महमूदाबाद सर्किल का मामला, परिजनों ने लगाया हत्या किये जाने का आरोप

संवाददाता, महमूदाबाद, सीतापुर

- घर से निकलकर लापता हो गया था संतोष
- तलाश के दौरान नहर के किनारे पेड़ से लटकता मिला शव

अमृत विचार : किसान का शव संदिग्ध स्थितियों में एक पेड़ से लटकता मिला। अचानक हुई मौत और घटनास्थल को देखकर परिवार के लोगों ने हत्या कर शव लटकाए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के सरैय्या निवासी संतोष वर्मा (50) पुत्र राजकुमार वर्मा घर से निकलकर लापता हो गए। देर तक वापसी न होने पर परिजनों को चिंता हुई। खोजते हुए परिजन नहर किनारे पहुंचे, तो देखा किसान संतोष वर्मा का शव पेड़ से लटक रहा है। घटनास्थल के नजदीक ट्रैक्टर भी खड़ा था। संतोष की पुत्री शिवानी वर्मा वर्ष 2020 में सरदार सिंह कान्वेंट कॉलेज से हाईस्कूल की परीक्षा में प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त कर जिले में टॉप किया था। परिवार के लोगों ने घटनास्थल को देखकर हत्या कर शव लटकाए जाने की आशंका जताई है। मृतक के परिवार में पत्नी संजू वर्मा, दो बेटे ललित व अक्षत वर्मा और पुत्री सलोनी भी हैं। पुलिस जांच कर रही है।

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

- हत्या कर शव लटकाए जाने की चर्चा, पुलिस जांच में जुटी

मिश्रिख, सीतापुर, अमृत विचार : नैमिषारण्य थाना क्षेत्र के राजघाट स्थित दशाश्वमेध घाट पर युवक का शव पेड़ से संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता हुआ मिला। घटना की सूचना मिलनेपर फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलित किये। शव की पहचान नहीं हो सकी। स्थानीय पुलिस शव की शिनाख्त की कोशिश में जुट गयी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उधर, स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि युवक की हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया गया है। बताते हैं कि मुख्य मार्ग से होकर कुछ लोग गुजर रहे थे। तभी कुछ लोगों की नजर पेड़ पर पड़ी,उस पर संदिग्ध स्थितियों में लटकती युवक की लाश को देखकर लोगों में हड़कंप मच गया। राहगीरों की सूचना पर एसओ नैमिषारण्य पंकज तिवारी घटनास्थल पर पहुंचे, जांच पड़ताल करते हुए शव को उतरवाया गया। इसी बीच मौके पर पहुंची फारेंसिक टीम ने वहां से साक्ष्य संकलित किये। एसओ ने बताया कि मरने वाले की पहचान नहीं हो सकी है। एसओ ने बताया कि 28 वर्षीय युवक के शव की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

मां कालिका देवी मंदिर परिसर में दीप प्रज्ज्वलित करते कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही। ● अमृत विचार

15001 दीपकों से रोशन हुआ मां कालिका देवी मंदिर परिसर

रामपुर मथुरा, सीतापुर, अमृत विचार : मां कालिका देवी मंदिर परिसर मेंर जिला पंचायत निर्माण समिति अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता द्वारा भव्य दीपोत्सव आयोजित कराया गया। इस अवसर पर 15001 दीपक जलाए गए। दीपकों की रोशनी से मंदिर परिसर जगमगा उठा। मुख्य अतिथि कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रद्धा सागर द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान अचिन मेहरोत्रा, महमूदाबाद विधायक के पुत्र आकाश मौर्य, ब्लॉक प्रमुख तारा देवी, जिला पंचायत सदस्य सुरेश प्रकाश मिश्रा, केके सिंह, पलटू राम, रमेश गुप्ता, हरिश्चंद्र राजपूत मंदिर के पुजारी राजित राम तिवारी, अध्यक्ष शंकर लाल मौर्य, राजेंद्र मौर्य, वरिष्ठ सलाहकार प्रताप नारायण मौर्य, प्रधान रवि प्रधान नागेंद्र कुमार, प्रधान प्रतिनिधि विनोद तिवारी, प्रधान प्रतिनिधि हबीब प्रधान पुत्तन दीक्षित सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष दीपोत्सव कार्यक्रम में शामिल रहे। कार्यक्रम के आयोजक शिवकुमार गुप्ता द्वारा भंडारे का भी आयोजन किया गया।

गोद भराई की रस्म में विवाद, दो पक्ष भिड़े

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : शहर के महावीर पार्क में दो पक्ष आपस में भिड़ गए। मारपीट हुई, कार के शीशे भी टूटे, कोतवाली पुलिस पहुंची तो पता चला कि वर और वधू पक्ष के बीच गोदभराई की रस्म के बाद कुछ लोगों ने विवाद पैदा किया था। मामले में सुलह-समझौता होने की बात कोतवाली पुलिस ने बताई है।

बताते हैं कि लखीमपुर जनपद के रामपाल पांडे लड़की के पिता हैं। वहीं लखनऊ निवासी प्रदीप मिश्रा वर पक्ष से हैं। दोनों पक्ष में किसी बात को लेकर सहमति नहीं हो सकी। ऐसे में दोनों परिवार शहर के महावीर पार्क में इकट्ठा हुआ।

गोदभराई में दिए गए सामान और रुपयों की वापसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। बातचीत बढ़ने पर जमकर मारपीट हुई, आरोप कार के शीशे तोड़ने का भी है।

मारपीट और पत्थरबाजी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को कोतवाली ले आई, देर शाम तक सुलह समझौता किया जाता रहा। कोतवाली प्रभारी नगर अनूप शुक्ला का कहना है कि मामले में जांच पड़ताल की जा रही है।

मोबाइल ऐप के जरिये हजारों की ठगी

सीतापुर, अमृत विचार : सिधौली इलाके में युवक साइबर ठगी का शिकार हो गया। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को तहरीर दी। शिकायती पत्र के आधार पर विशेष शाखा जांच कर रही है। सिधौली कोतवाली क्षेत्र के जसवंतपुर गांव निवासी सर्वेश यादव के अनुसार, एक एप्लीकेशन उसके मोबाइल फोन पर आई, भ्रमवश उसने एप्लीकेशन को डाउनलोड कर लिया। इसी बीच खाते से 10 हजार रुपये निकल गए। पीड़ित के मुताबिक, पहली बार उसके खाते से दो रुपये कटे, फिर 499 की राशि कट गई। इसी के बाद खाते से कुल 10 हजार रुपये निकल गए। साइबर सेल मामले की जांच कर रही है।

शासन की मंशानुरूप शुरू हुआ पेराई सत्र : निर्मल

संवाददाता, बिसवां, सीतापुर

अमृत विचार : दी सेक्सरिया बिसवां शुगर फैक्ट्री बिसवां का पेराई सत्र 2025-26 का शुभारंभ पूजा पाठ के साथ विधायक निर्मल वर्मा एवं उपजिलाधिकारी बिसवां शिखा शुक्ला ने संयुक्त रूप से डोगे में गन्ना डालकर किया गया।

मिल के मुख्य अधिशासी अधिकारी आरसी सिंघल ने बताया कि इस बार मिल विगत वर्ष से एक माह पहले चीनी मिल चल रही है। विधायक निर्मल वर्मा ने कहा कि सरकार की मंशा है कि किसानों का गन्ना समय पर मिल को आपूर्ति हो जाए, इसके लिए प्रदेश में अधिकतर चीनी मिल अपना पेराई कार्य प्रारंभ कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि गन्ना मूल्य पर सरकार विचार कर रही है। इस अवसर पर एसडीएम शिखा शुक्ला, पूर्व विधायक महेंद्र सिंह यादव, गन्ना समिति के अध्यक्ष सुधाकर शुक्ला, पूर्व एमएलसी राकेश सिंह, सांसद प्रतिनिधि कांग्रेस नेता प्रदीप सिंह चौहान सहित क्षेत्र के गन्ना किसान मौजूद रहे।

पेराई सत्र के दौरान उपस्थित विधायक निर्मल वर्मा सहित अन्य लोग। ● अमृत विचार

संगठन में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि : गिरीश

संवाददाता, लहरपुर, सीतापुर

अमृत विचार : केसरी गंज में रामनरेश त्रिवेदी के आवास पर संघ कार्यकर्ताओं का स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राज्य ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्रा ने कहा कि कार्यकर्ता सर्वोपरि है।

उन्होंने कहा कि हार जीत लगी रहती है लेकिन कार्यकर्ता हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर भाजपा अध्यक्ष विनीत जायसवाल ने की। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेश्वर रस्तोगी, वीरेंद्र पुरी, प्रमोद बाजपेई ने संबोधन किया। कार्यक्रम में प्रमुखरूप से उमाशंकर वर्मा, प्रमोद बाजपेई, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, रामे बाजपेई, मनमोहन गुप्ता बंशीधर पाठक,विनीत जायसवाल, राकेश त्रिपाठी, राजू तिवारी, भगवान दीन त्रिवेदी, महेंद्र अवस्थी, देवेंद्र पांडे, राम जी शुक्ला, राजेश्वर रस्तोगी, अमित त्रिपाठी, अनूप श्रीवास्तव, सुरेश गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि व अन्य लोग। ● अमृत विचार

सिलेंडर में गैस रिसाव से लगी आग

बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार : बिसवां सर्किल क्षेत्र के बंभनावा गांव में घर में खाना बनाते समय सिलेंडर में गैस रिसाव होने पर आग लग गई। आग की लपटों में नकदी और सामान जलकर नष्ट हो गया। बंभनावा गांव निवासी राम मनोहर पुत्र खगेश्वर के मुताबिक, घर पर दोपहर में खाना बन रहा था। अचानक पाइप के सहारे गैस रिसाव हो गया। ऐसे में गैस सिलेंडर में आग लग गई। तेज लपटों के बीच गृहस्थी आ गई। आग की चपेट में 17 हजार की नकदी और सामान जलकर नष्ट हो गया। पड़ोसियों और परिवार के अन्य लोगों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका।

घाटों की साफ-सफाई का रखें ध्यान: डीएम

संवाददाता सीतापुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी अभिषेक आनंद और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने छठ पूजा के दृष्टिगत पीएसी परिसर में स्थित तालाबों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि आवश्यक प्रबंध समय से पूर्ण किए जाएं।

नगरीय निकाय के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई, प्रकाश आदि का समुचित प्रबंध सुनिश्चित किया जाए। घाटों पर फिसलन कम करने के लिए भी बोरी इत्यादि की व्यवस्था कराते हुए समुचित सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। डीएम ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सम्पर्क मार्गो का समुचित दुरुस्तीकरण कराया जाय। आपातकालीन स्थिति के लिए गोताखोरों का समुचित प्रबंध किए जाने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये।

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने सुरक्षा के दृष्टिगत समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए सम्बंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी सदर धामनी एम दास सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति टीम ने पढ़ाया कानून का पाठ

सीतापुर, अमृत विचार : एंटी रोमियो और मिशन शक्ति टीम द्वारा सरोजिनी वाटिका पार्क और विद्यालयों के आसपास अनावश्यक रूप से घूम रहे किशोरों को हिदायत दी। थाना महमूदाबाद के सेठ रामगुलाम पटेल इंटर कॉलेज, थाना महोली के हरदासपुर पंचायत भवन, थाना रामकोट के श्रीरामबक्स इंटर कॉलेज ग्राम रामनगर व जूनियर हाईस्कूल ग्राम रामनगर, थाना कमलापुर के ग्राम महोली, थाना कोतवाली देहात के ग्राम गौरियाकला, थाना बिसवां के मंशाराम मन्दिर, थाना सिधौली के नेशनल जूनियर हाईस्कूल व समस्त थानों ने ग्रामीण क्षेत्रों और विद्यालयों आदि में सभाएं कीं और चौपाल लगायी।

गहने को लेकर परिवार में विवाद, दंपति को पीटा

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार: परिवार के बीच हुई कलह के बाद एक पक्ष हमलावर हो गया। मामले को लेकर एसपी के आदेश पर लहरपुर कोतवाली में अभियोग पंजीकृत हुआ है।

लहरपुर कोतवाली क्षेत्र की बदायूं टोला निवासी आशा देवी पत्नी उमाशंकर के मुताबिक, उसकी सास शीला देवी की मृत्यु एक वर्ष पूर्व हो गई थी। गहनों को बेचकर बरसी उसके पति ने की।

बताया कि अब उसके पति उमाशंकर चुनाव लड़ना चाहते हैं। आरोप है कि इसी जेवर को लेकर पति के भाई दिनेश, राजकुमार और भतीजा सुंदरलाल आदि लोग आए दिन झगड़ा करते रहे हैं।

घटना के दिन सभी ने मिलकर उनके परिवार पर जानलेवा हमला किया। जिसमें उसे गंभीर चोटे आईं, एसपी अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर लहरपुर थाने में अभियोग पंजीकृत हुआ है। कोतवाली प्रभारी विजयेंद्र का कहना है कि मामले में केस दर्ज करते हुए जांच पड़ताल की जा रही है।

सिटी डायरी

बैठक को संबोधित करते सांसद राकेश राठौर।

सांसद ने कार्यकर्ताओं से की एकजुटता की अपील

सीतापुर, अमृत विचार : सांसद राकेश राठौर ने जनसभा को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से एकजुटता की अपील की। आयोजित होने वाली संविधान बचाओ रैली को लेकर शामिल होने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि 28 नवंबर को राजा कॉलेज के मैदान में आयोजित सभा में सभी को सम्मिलित होना है। कांग्रेस की जिलाध्यक्ष ममता वर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए कि कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार और महिला उत्पीड़न तेजी से बढ़ा है। डॉ. बृज बिहारी ने भी कार्यकर्ताओं से एकजुटता की अपील की। शिव प्रकाश सिंह और कचनार प्रधान बदरुद्दीन ने भी सभा को संबोधित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देती मिशन शक्ति टीम।

हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

सीतापुर, अमृत विचार : चलाकापुर गांव में मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। छात्राओं के साथ उपस्थित महिलाओं और अभिभावकों को अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। ऐसे में नंबरों के आधार पर कई समस्याओं के मौके पर हल भी निकाले गए। गोष्ठी में बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। कन्या सुमंगला योजना, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, सामूहिक विवाह योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन और निराश्रित महिला पेंशन योजना के बारे में भी जानकारी दी गई। इस दौरान उपनिरीक्षक तसव्वर, विकास मलिक सहित मिशन शक्ति की टीम मौजूद थी। गोष्ठी के दौरान जागरूकता संबंधी पैंफलेट भी बांटे गए।

किसानों को जागरूक करती राजस्व विभाग की टीम।

पराली जलाने पर होगी कार्रवाई

सीतापुर, अमृत विचार : एसडीएम बिसवां शिखा शुक्ला ने बताया कि तहसील बिसवां-सीतापुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम शिवपुरी, भागीपुर, रमुवापुर कालिका सिंह, सुखावांकला इत्यादि ग्रामों का निरीक्षण किया। फसल अवशेष और पराली जलाये जाने से होने वाले नुकसानों (यथा-वायु प्रदूषण, मृदा की उर्वरता कम होना, सूक्ष्म पोषक तत्वों व सूक्ष्म जीवों का हरण) आदि की जानकारियां किसानों से साझा कीं। बताया कि पराली जलाये जाने का दोषी पाये जाने पर कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने फसल अवशेष, पराली को खेत में ही सड़ाकर कार्बनिक खाद बनाने की अपील की।

राहत भरी उपज | डीएम ने भदियासी में कराई क्रॉप कटिंग, 27.710 किग्रा धान की उपज के साथ तैयार हुआ 63.99 कुंटल प्रति हे. उत्पादन

क्रॉप कटिंग के सहारे लहलहायी उम्मीदों की पौध

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : डीएम की क्रॉप कटिंग का परिणाम किसान के चेहरों पर सुखद अनुभूति लेकर आया। जिलाधिकारी ने खैराबाद के किसानों के बीच धान खरीद और उपज की उपयोगिता ही नहीं शासन की योजनाएं भी साझा कीं। माना जा रहा है कि इस बार धान की उपज पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है।

जिलाधिकारी अभिषेक आनंद खैराबाद इलाके के भदियासी गांव पहुंचे तो किसान खेतों में साथ हो लिए, मिट्टी के चूल्हे से लेकर धान की उपज तक सब कुछ किसान धनीराम सहित अन्य ने साझा कर डाला। डीएम के साथ तहसील अमला भी था। धान उपज जानने के लिए किसान धनीराम के धान के खेत की त्रिभुजाकार आकार में 43.3 स्क्वायर मीटर उत्पादन की कटिंग कराई, 27.710 किग्रा धान उपज प्राप्त हुई। फिर क्या था, क्रॉप कटिंग के परिणामों का आंकलन हुआ तो पता चला कि अकेले इसी गांव में 63.99 कुंटल प्रति हेक्टेयर का उत्पादन होगा, पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक है। सकारात्मक परिणाम सुनते ही किसान परिवार का उत्साह दोगुना था। किसानों के बीच जिलाधिकारी ने शासन की योजनाओं को भी साझा किया। किसानों ने ऐसे ही जानकारी से जुड़े कैंप गांव-गांव लगवाने की बात कही। इस दौरान उपजिलाधिकारी सदर धामनी एम दास सहित अन्य मौजूद थे।

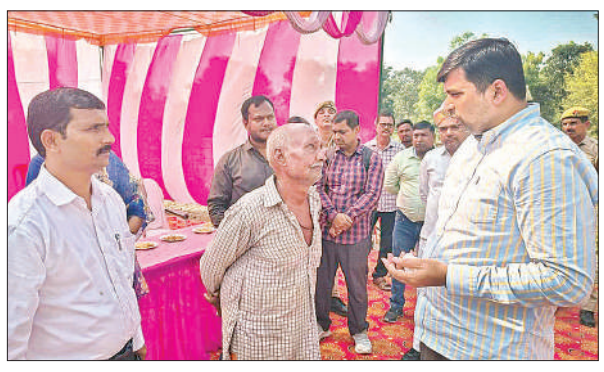

खैराबाद के भदियासी गांव में किसान धनीराम से बातचीत करते डीएम अभिषेक आनंद।

किसानों ने ली पराली न जलाने की शपथ : मानपारा गांव के किसानों ने गांव की पंचायत में शपथ ली। सिधौली विकास खण्ड क्षेत्र के किसानों ने कहा कि वे लोग पराली नहीं जलाएंगे, गांव गांव किसानों को प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए जागरूक करेंगे। जिला कृषि अधिकारी सहित अन्य मौजूद थे।

छह किसानों पर लगा जुर्माना : महमूदाबाद तहसील क्षेत्र के छह किसानों पर जुर्माना लगाया गया। बताते हैं कि मझगवां उनेरा निवासी चन्द्रभाल सिंह, अतरौली गांव के सिहारू खेड़ा निवासी फूलचन्द्र, मितौरा निवासी रामलखन, मोहम्मदपुर कदीम निवासी सुमेरी, देवरिया निवासी रामनक्षत्र सिंह, कहारपुर गांव के मजरा खाफा निवासी मोहनलाल ने पराली जलाई थी।

निरीक्षण के दौरान उपस्थित एआरपी व अन्य।

कार्यों में गुणवत्ता लाएं

खैराबाद, सीतापुर, अमृत विचार : खैराबाद ब्लॉक के संकुल धरैंचा की अक्टूबर माह की संकुल बैठक प्राथमिक विद्यालय गौरिया खुर्द में संपन्न हुई। संकुल शिक्षकों द्वारा विभाग द्वारा प्राप्त एजेंडे के आधार पर गतिविधि कराई गईं। कक्षाएं व गतिविधियां, इको क्लब आदि पर चर्चा की गई। संकुल शिक्षक काजिम हुसैन ने बिन्दुवार सूचनाएं साझा कीं। एआरपी पूनम बाजपेई ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण ढंग से कार्य करें।

न्यूज ब्रीफ

बंदियों की शिक्षा एवं व्यवसाय के प्रशिक्षण पर हुई चर्चा

रायबरेली : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष व जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व अपर जिला जज अनुपम शौर्य ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महिला बैरक, जेल चिकित्सालय, पाकशाला व लीगल एंड क्लीनिक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सचिव ने बंदियों से उनका हालचाल जाना। इसी प्रकार नववयस्क बैरक का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरांत बन्दियों के विधिक अधिकार विषय पर आयोजित विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर में जिला कारागार में निरुद्ध बन्दियों की शिक्षा एवं व्यवसाय के प्रशिक्षण के सम्बन्ध में चर्चा की गई। इस मौके पर जेल अधीक्षक प्रभात सिंह, जेलर हिमांशु रौतेला, चीफ लीगल एंड डिफेन्स काउन्सिल राजकुमार सिंह, असिस्टेंट लीगल एंड डिफेन्स काउन्सिल योगेश चन्द्र, जेल चिकित्सक डॉ. मनीष मिश्रा, उपकारापाल धर्मपाल सिंह व सुमैया परवीन उपस्थित रही।

शोक सभा में दी गई श्रद्धांजलि

रायबरेली : दीवानी कचेहरी में विधि व्यवसायरत प्रसिद्ध वरिष्ठ अधिवक्ता व साहित्यकार कमला शंकर त्रिपाठी के निधन पर शोकसभा आयोजित की गई। शोक सभा में मौजूद अधिवक्ताओं ने उन्हें अश्रूपूरित श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी, डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के महामंत्री राहुल तिवारी व वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ताओं ने कमला शंकर त्रिपाठी एडवोकेट के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला।

बच्चों के झगड़े में बड़ों से हुई मारपीट, मुकदमा दर्ज

संवाददाता, खीरो (रायबरेली)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के बखरी मजरे बरवलिया गांव में 18 अक्टूबर को रात में बच्चों के झगड़े को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। जिसमें एक पक्ष से विनोद कुमार व उनकी पत्नी सन्नो घायल हो गई। जिन्हें सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इसी बात को लेकर 22 अक्टूबर की शाम फिर से मारपीट हुई जिसमें दूसरे पक्ष की मां गीता व पुत्री कामिनी घायल हो गई। एक पक्ष से विनोद कुमार ने पड़ोसी सोनू, मोनू व सुनील तथा बहनोई नाम पता अज्ञात सहित चार लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है। वहीं दूसरे पक्ष से घायल कामिनी ने पड़ोसी संतोष, अभय व अभय के चार पांच अज्ञात साथियों पर छेड़खानी करने व विरोध करने पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। वहीं पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

तांत्रिक का महिला के बाल पकड़कर भूतप्रेत भगाने का वीडियो वायरल

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। गदागंज थाना क्षेत्र के माधवपुर गांव में तंत्र-मंत्र की विद्या से तांत्रिक द्वारा महिला पर सवार भूतप्रेत उतारने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। यहां पर वर्षों से पनप रहे तांत्रिक के इस खेल से गदागंज पुलिस पूरी तरह से बेखबर है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आए जिम्मेदारों ने आरोपी तांत्रिक को पकड़ लिया। वहीं उसके खिलाफ मामला दर्ज कर जेल भेज दिया।

प्रदेश सरकार के निर्देश पर जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित कर एक ओर जहां महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया जा रहा है, वहीं गदागंज थाना क्षेत्र के माधवपुर गांव में आने वाली महिलाओं व अन्य लोगों पर भूत प्रेत का साया होने का दावा कर तंत्र मंत्र से ढोंग रचाकर तांत्रिक बाबा उनमें अंधविश्वास पैदा कर रहा है। जो समाज के लिए न सिर्फ नासूर है, बल्कि यह ग्रामीणों के लिए बेहद

अंधविश्वास

- **महिला सशक्तिकरण की उड़ाई जा रहीं धज्जियां, मामला दर्ज**
- **गदागंज पुलिस की निष्क्रियता से गांव में चल रहा तंत्र-मंत्र का खेल**

खतरनाक भी साबित हो सकता है। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में तांत्रिक एक महिला के बाल पकड़कर इधर उधर झिटकते और तंत्र विद्या का प्रयोग करते हुए नजर आ रहा है। इस दौरान बाबा महिला के बाल पकड़कर उसे जमीन पर घसीटता है और थप्पड़ों से बेरहमी से पीट रहा है। वहां पर अन्य कई लोग मौजूद भी नजर आ रहे हैं। जिस तरह से यह ढोंगी तांत्रिक बाबा तंत्र-मंत्र के ज़रिए भूत-प्रेत भगाने की क्रिया अपना रहा है, उस पर सोशल मीडिया में वायरल वीडियो देख कर लोग अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यह दृश्य अंधविश्वास की क्रूर सच्चाई उजागर कर रहा है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश है। पुलिस ने वीडियो वायरल होने के बाद संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

> सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो संज्ञान में आया है। तंत्रमंत्र के जरिये महिलाओं के बाल पकड़कर उनमें अंधविश्वास पैदा करना अपराध की श्रेणी में आता है। संबंधित को माधवपुर गांव निवासी सुरेश पासवान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी को पकड़ लिया गया है।
>
> **-संजीव कुमार सिन्हा, अपर पुलिस अधीक्षक, रायबरेली।**

नगर विकास मंत्री ने 25 करोड़ की योजनाओं की जनता को दी सौगात

शहरी क्षेत्र की विभिन्न परियोजनाओं का किया लोकार्पण, 100 सड़कों की बदलेगी तस्वीर

संवाददाता, रायबरेली

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर विकास मंत्री एके शर्मा, सदर विधायक अदिति सिंह और पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह का माल्यार्पण करते लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। प्रदेश के नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री एके शर्मा ने रायबरेली क्लब में जनपद रायबरेली के शहरी क्षेत्र की विभिन्न विकासपरक परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से 100 सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का शुभारंभ किया गया। साथ ही विद्युत विभाग की बिजनेस प्लान वर्ष 2024-25 के अंतर्गत 4 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से 7 कार्यों और आरडीएसएस योजना के अंतर्गत एक करोड़ दो लाख रुपये के 4 कार्यों का लोकार्पण किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 10 लाभार्थियों को आवास की चाभी तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत 10 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

उन्होंने कहा कि रायबरेली का गौरवशाली इतिहास रहा है, यह सदैव राजनीति, संस्कृति और जनसेवा का केंद्र रहा है। नगर पालिका रायबरेली सदर क्षेत्र में वर्ष 2023-24 में 76 करोड़ रुपये तथा वर्ष 2024-25 में 73 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिए धन आवंटित किया गया है। हमारा संकल्प है कि वर्ष 2025 तक जनपद का कोई भी गांव या मजरा विद्युतीकरण से वंचित न रहेगा।

सदर विधायक अदिति सिंह ने कहा कि लंबे समय से शहर की कई सड़कों की स्थिति जर्जर थी। मंत्री जी से इन सड़कों के पुनर्निर्माण एवं मरम्मत हेतु अनुरोध किया गया था, जिसे उन्होंने गम्भीरता से लेते हुए तुरंत स्वीकृति प्रदान कर धन आवंटित कराया। इस मौके पर अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक विवेक विक्रम सिंह, पूर्व एमएलसी राकेश प्रताप सिंह, पूर्व विधायक रामलाल अकेला, जिला पंचायत सदस्य राघवेंद्र प्रताप सिंह, शिवेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

खाली सहाट रामलीला स्थल का किया निरीक्षण

मंत्री ने खाली सहाट रामलीला स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने वंदन योजना के अंतर्गत चल रहे सुंदरीकरण कार्य की गुणवत्ता का परीक्षण किया और मंदिर में विधायक अदिति सिंह के साथ पूजा-अर्चना भी की। वहीं घंटाघर तिराहे से मधुबन क्रॉसिंग रोड तक सड़क मरम्मत कार्य को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

बछरावां पुलिस की लचर कार्यशैली से अपराधियों के हौसले बुलंद

मापीट के बाद बाउंड्रीवॉल को गिराते युवक। अमृत विचार

- **दबंगों का बाउंड्रीवाल गिराने और धमकी देने का वीडियो वायरल**

संवाददाता, बछरावां (रायबरेली)

अमृत विचार। स्थानीय पुलिस की लचर कार्यशैली से मनबढ़ों द्वारा लगातार आतंक मचाया जा रहा है। शुक्रवार को मारपीट के दो वीडियो वायरल हुए, जो चर्चा का विषय बने हुए हैं। पुलिस द्वारा प्रकरण में त्वरित कार्रवाई के नाम पर लिखापढ़ी तो कर लिया गया, लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई जा रही है।

थाना क्षेत्र में रंजिशन कुछ लोगों द्वारा बाउंड्रीवॉल को ढहा दिया गया। साथ ही जान से मारने की धमकी दी गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़ित बद्री प्रसाद का पुरवा मजरे टेरा बरौला गांव निवासी हरिकेश पुत्र स्व. अर्जुन पाल की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित के मुताबकि विपक्षी गण अरुण पाल पुत्र रामकेश, आकाश पुत्र राजेश, दिलीप पाल पुत्र माता प्रसाद, रंजीत पुत्र वंश बहादुर, अमित पाल पुत्र वेदप्रकाश, राहुल पाल पुत्र राम बहादुर, धीरू पाल पुत्र रामविलास, संतोष कुमारी पत्नी माताप्रसाद, केशा पत्नी रामबहादुर, सरस्वती पत्नी हरिराम, कृष्णावती पत्नी वंश बहादुर, राजेश पुत्र हनुमान, रामनिवास पुत्र लल्ला निवासीगण उपरोक्त के द्वारा मेरे घर के सामने मेरे द्वारा बनाई गई बाउंड्री वॉल को गिरा दिया गया। जब मेरी बेटी रेखा पाल ने इन लोगों को बाउंड्रीवॉल गिराने से रोका तो यह सभी लोग मेरी बेटी को भद्दी भद्दी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट करने लगे। इसके बाद घर में घुसकर मेरी पत्नी तुलसा देवी और छोटे भाई वासुदेव की पत्नी ललिता को भी मारा पीटा। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस के आ जाने से सभी लोग मेरी बाउंड्रीवॉल गिराकर मौके से भाग गए। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करने में तेजी नहीं दिखा रही है।उधर, इस संबंध में थाना प्रभारी बछरावां राजीव सिंह ने बताया कि घटना की तहरीर एवं घटना के वीडियो के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द ही मुकदमे में नामजद लोगों को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

दुकानदार से मारपीट करने का दबंग युवकों का वीडियो वायरल

मारपीट के वायरल वीडियो से संबंधित फोटो।

बछरावां, रायबरेली, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के अंतर्गत दो दबंग युवकों के द्वारा एक दुकानदार से मारपीट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो गया। जिसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि उक्त बाइक सवार दो दबंग युवकों के द्वारा दुकानदार पर हमला और गाली गलौज करते हुए ऐलानिया धमकी भी दी जा रही है। वायरल वीडियो पश्चिम गांव चौराहे पर स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक की दुकान का बताया जा रहा है। दुकानदार पूर्व में सहारा का एजेंट भी बताया जा रहा है। घटनाक्रम के अनुसार उक्त दुकानदार एवं उन दबंग युवकों के बीच सहारा के पेमेंट को लेकर बातचीत हुई। जिसके बाद उक्त दबंग युवक दुकानदार पर हमलावर हो गए और उसे मारने पीटने लगे। जब तक आसपास के लोग मौके पर पहुंचते तब तक दबंग युवक मौके से फरार हो गए।

रामलीला का सजीव मंचन देख श्रोता भाव-विभोर

रनापुर पहरौली गांव में रामलीला का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

संवाददाता, खीरों (रायबरेली)

आयोजन

अमृत विचार। विकास क्षेत्र के रनापुर पहरौली गांव में आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में परंपरागत तरीके से 48वां बारह दिवसीय रामलीला का आयोजन गुरुवार को प्रारम्भ हुआ। जिसमें स्थानीय कलाकारों द्वारा रामजन्म, नामकरण संस्कार लीला का सुन्दर सजीव मंचन किया गया।

कार्यक्रम में पहले दिन स्थानीय कलाकारों द्वारा दिखाया गया कि अयोध्या नरेश महाराज दशरथ राजदरबार में चिंतित मुद्रा में बैठे थे। जिन्हें देखकर कुलगुरु वशिष्ठ ने उनसे उदासी का कारण पूछा। राजा दशरथ ने बताया कि "कर चुका हूं। मेरा चौथापन आने वाला है लेकिन अभी तक अयोध्या को उसका युवराज नहीं मिला। वशिष्ठ जी ने बताया कि इस तरह चिन्ता करना उचित नहीं है। राजा दशरथ ने कुलगुरु वशिष्ठ से पुत्रेष्टि यज्ञ कराने का आग्रह किया, तो उन्होंने कहा कि मैं यह यज्ञ नहीं करवा सकता। क्योंकि "पुत्रेष्टि यज्ञ के विशेषज्ञ, श्रृंगी ऋषि को बुलवाना है। वो मान्य तुम्हारे होते हैं, उनको आचार्य बनाना है"।। इतना सुनते ही राजा दशरथ ने कहा मैं प्रातःकाल ही उन्हें दरबार में बुलवाकर उनसे निवेदन करूंगा। वशिष्ठ जी ने उनसे कहा कि नंगे पैर खुद श्रृंगी ऋषि के पास जाकर उनसे प्रार्थना करो। इस प्रकार श्रृंगी ऋषि ने राजा दशरथ का आग्रह स्वीकार कर पुत्रेष्टि यज्ञ का आयोजन किया। जिससे अग्निदेव ने प्रकट होकर उन्हें हविष्यान्न दिया। जिसे राजा दशरथ ने तीनों रानियों को दे दिया, जिससे माता कौशल्या, कैकेई ने एक-एक और माता सुमित्रा ने युगल पुत्रों को जन्म दिया। सारी अयोध्या हर्षोल्लास से भर गई। कुलगुरु वशिष्ठ ने चारों पुत्रों का नामकरण किया। जिनमें कौशल्या के पुत्र का नाम राम, कैकेई के पुत्र का नाम भरत और सुमित्रा के बड़े पुत्र का नाम लक्ष्मण, छोटे पुत्र का नाम शत्रुघ्न रखा। इस तरह सुन्दर सजीव मंचन देखकर दर्शक भाव विभोर हो गए।

इस अवसर पर आदर्श रामलीला कमेटी के सभी पदाधिकारी, सदस्य और आसपास के कई गांवों के काफी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

मेले में आल्हा प्रस्तुत करते आल्हा सम्राट रमेश कुमार व अन्य। अमृत विचार

ढोल मंजीरा की झनकार पर आल्हा सुन मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

शिवगढ़, रायबरेली। विकास क्षेत्र के हसवा गांव में आयोजित बजरंगबली के दो दिवसीय मेले में ढोल मंजीरा की झनकार पर आल्हा प्रस्तुत करके आल्हा सम्राट रमेश कुमार ने श्रोताओं का मन मोह लिया। इस दौरान धार्मिक आल्हा गीत ने लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। मेले में लोकसंस्कृति की झलक बेहद आकर्षक और सराहनीय रही। कार्यक्रम का आयोजन मन्दिर के पुजारी रामबिलास के नेतृत्व में वर्तमान प्रधान, पूर्व प्रधान एवं ग्रामीणों के सामूहिक सहयोग से किया गया। मेले में भारी संख्या में लोगों की भीड़ मौजूद रही। कार्यक्रम में प्रधान प्रतिनिधि अजय कुमार, राम सुमिरन, रामकरण, विजयी सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

फर्जी वसीयत कराकर बेची जमीन, न्यायालय के आदेश पर केस दर्ज

महराजगंज (रायबरेली)। बुजुर्ग की मौत के करीब डेढ़ महीने बाद फर्जी वसीयत तैयार करा बुजुर्ग की जमीन हड़पने का मामला प्रकाश में आया है। मामले में न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने मृतक बुजुर्ग के नवासे की तहरीर पर आरोपी खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चंदापुर थाना क्षेत्र के दसवंतपुर मजरे मऊ गांव निवासी रामसुमेर पुत्र मैकू ने न्यायालय में पेश होकर बताया कि उसके नाना रामलाल पुत्र काली महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के मोन गांव निवासी थे। उनकी मां जसोदा नाना की इकलौती संतान थी। उसके नाना की मौत 15 नवंबर 1997 को हो गई। मोन गांव स्थित उनकी भूमि की वरासत 15 जुलाई 2001 को भुक्तभोगी के नाम दर्ज हो गई। जिसके बाद 27 जनवरी 1998 को मोन गांव निवासी दुक्खी पुत्र लौटन ने कूटरचना कर फर्जी तरीके से वसीयत करा भुक्तभोगी के नाना की जमीन अपने नाम करा ली। यही नहीं आरोपी ने 24 जून 2024 को सदर तहसील क्षेत्र के मलिक मऊ चौबारा गांव निवासी रामशंकर पुत्र बिंधादीन के नाम बैनामा कर दिया। भुक्तभोगी ने न्याय के लिए जरिए रजिस्ट्री मुख्यमंत्री, डीएम व एसपी से शिकायत की। न्याय न मिलने पर भुक्तभोगी ने की कोर्ट की शरण ली। वहीं कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से किसान की मौत

संवाददाता, सलोन (रायबरेली)

- **नेशनल हाईवे सलोन-कमालगंज पंचायत भवन के समीप हुआ हादसा, बाइक सवार फरार**

अमृत विचार। नेशनल हाईवे सलोन-कमालगंज पंचायत भवन के समीप तेज रफ्तार बाइक ने खेत जा रहे किसान को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। वही बाइक सवार युवक गाड़ी छोड़कर मौके से भाग निकला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोतवाली अंतर्गत केवलपुर माफी निवासी भारत लाल साहू(68) पुत्र राम पियारे शुक्रवार की शाम सात बजे अपने घर से खेत की तरफ जा रहा था। केवलपुर माफी पंचायत भवन के सामने सड़क पार करने के दौरान बाइक सवार युवक ने अधेड़ को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे करीब दस फुट दूर अधेड़ उछल कर दूर जा गिरा।इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वही सड़क दुर्घटना को अंजाम देने वाला बाइक सवार युवक गाड़ी छोड़कर मौके से भाग निकला। सूचना पर पहुंचे परिजनों में हड़कम्प मच गया। वहीं सलोन कोतवाल राघवन कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। किस गाड़ी से दुर्घटना हुई परिजन नही बता पा रहे है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

पहिया में साड़ी फंसने से हुए हादसे में 3 घायल

बछरावां (रायबरेली)। थाना क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर चुरुवा गांव के पास लखनऊ से रायबरेली की ओर जा रहे बाइक पर सवार महिला की साड़ी पहिया में फंस गई। इससे अनियंत्रित होकर बाइक गिर गई। इसमें तीन लोग घायल हो गए। दो की हालत गंभीर बताई गई है।

जगन्नाथ ई ब्लॉक राजाजीपुरम जनपद लखनऊ अपनी पत्नी सुलेखा, दो वर्षीय पुत्र अक्षत और पांच वर्षीय बेटी के साथ बाइक से बछरावां की ओर आ रहे थे।चुरूवा गांव के पास सुलेखा की साड़ी बाइक के पहिए में फंस गई। जिससे बाइक अनियंत्रित हो गई और वह तीनों सड़क पर घायल हो गए। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां पहुंचाया गया। सुलेखा व अक्षत की हालत को गंभीर देखते हुए ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया है।

डायटमेंटरों ने स्कूलों का किया निरीक्षण

संवाददाता, महराजगंज, (रायबरेली)

संविलियन विद्यालय मोन में एमडीएम जांचते डायट मेंटर अविवेक श्रीवास्तव।

- **शैक्षिक सुपरविजन कर जांची गुणवत्ता, दिए सुधार के निर्देश**

अमृत विचार। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की चार सदस्यीय टीम ने महराजगंज क्षेत्र के आठ परिषदीय स्कूलों का निरीक्षण किया। दो घंटे तक शैक्षिक सुपरविजन कर पठन-पाठन, मिड-डे मील सहित अन्य व्यवस्थाओं की गुणवत्ता परखी। टीम ने स्कूलों को शैक्षिक स्तर और सफाई में सुधार लाने के निर्देश दिए हैं।

शुक्रवार को डायट रायबरेली से आई टीम ने विकास क्षेत्र के कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय महराजगंज, प्राथमिक विद्यालय जिहवा, प्राथमिक विद्यालय कैर, संविलयन विद्यालय मोन, प्राथमिक विद्यालय खेरवा, प्राथमिक विद्यालय डेपारमऊ, प्राथमिक विद्यालय मऊ गर्वी और उच्च प्राथमिक विद्यालय मऊ गर्वी का शैक्षिक सुपरविजन किया। चार सदस्यीय डायट टीम में डायट मेंटर संतोष यादव, अनीता, अविवेक श्रीवास्तव और अमितचंद्रा शामिल थे। सुपरविजन के दौरान टीम ने स्कूलों में पठन-पाठन की स्थिति, एमडीएम (मिड-डे मील) की गुणवत्ता, परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों का रखरखाव, शिक्षक डायरी और कक्षा में बच्चों के निपुण असेसमेंट आदि की बारीकी से जांच की। संविलयन विद्यालय मोन और प्राथमिक विद्यालय डेपारमऊ का सुपरविजन करने आए डायट मेंटर अविवेक श्रीवास्तव ने मोन विद्यालय में बच्चों को दिए जाने वाले एमडीएम की भी जांच की।

श्रम प्रवर्तन निरीक्षक ने दुकानों में की छापेमारी

लालगंज, रायबरेली। श्रम विभाग की प्रवर्तन निरीक्षक शशी सिंह ने लालगंज, सरेनी के कई होटल, मोटर गैरेज सहित ढाबों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि बाल श्रम को रोकने के लिए व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। एक दो स्थानों पर नाबालिक बच्चे काम करते पाए गए हैं। उनके अभिभावकों को बुलाकर काउंसलिंग की जाएगी, जिससे वह अपने बच्चों से काम करवाने के बजे उन्हें स्कूल भेजें।

वहीं दुकानदारों को भी चेतावनी दी है कि अगर भविष्य में नाबालिक बच्चे काम करते पाए गए तो एफआईआर के साथ-साथ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर इंस्पेक्टर प्रताप सिंह, दीवान ओम प्रकाश सिंह भी मौजूद रहे।

जिम्मेदार मौन | **जिलाधिकारी से जांच कराकर उचित कदम उठाने की मांग**

रोगियों को बाहर की दवा लिख रहे चिकित्सक

संवाददाता, महराजगंज, (रायबरेली)

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज।

अमृत विचार। स्वास्थ्य महकमा का चिकित्सकों पर कोई अंकुश नहीं है। शासन की सख्ती के बावजूद चिकित्सक बाहर की दवाएं लगातार लिख रहे हैं। शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने से उनके हौसले बढ़ते जा रहे हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज में कार्यरत डॉक्टर पर बाहर की महंगी दवा लिखने और जांचों में लापरवाही के आरोप लगाते हुए सेनपुर बावन बुजुर्ग गांव निवासी फरियादी तूफान यादव दोबारा डीएम की चौखट पर पहुंचा। कहा कि महीनो से शिकायतें करने के बाद भी उसे अब तक न्याय नहीं मिला है।तूफान यादव ने बताया कि 28 मई को वह अपनी बुआ प्रमिला को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज आया था। पेट दर्द की शिकायत पर ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर संजय राय ने बाहर की महंगी दवाएं लिख दीं। जब उसने विरोध किया तो डॉक्टर ने कहा कि "अंदर कोई दवा नहीं है, बाहर से नहीं लोगे तो मरीज को जिला अस्पताल रेफर कर देंगे।"

फरियादी ने बताया कि उसने इस मामले की शिकायत डायल 1076, जनसुनवाई पोर्टल, मुख्यमंत्री पोर्टल, डीएम रायबरेली और मुख्यमंत्री जनता दर्शन लखनऊ तक की, पर हर बार चिकित्सा विभाग ने जांच में मामला "निराधार" बताकर बंद कर दिया। शिकायतकर्ता का कहना है कि उसकी बुआ प्रमिला ने बयान भी दिया था, जिसका वीडियो प्रमाण उसके पास है, फिर भी अधिकारियों ने गलत आख्या लगाकर मामले को खारिज कर दिया। आरोप लगाया कि डॉक्टर के कहने पर कुछ लोगों ने धमकी दी कि "सुलह कर लो, वरना मुकदमा दर्ज करा दिया जाएगा।"

फरियादी ने जिलाधिकारी रायबरेली से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उधर, सीएमओ डॉ. नवीन चंद्रा का कहना है कि शिकायत मिलने पर जांच कराई जाएगी।

अमृत विचार
लखनऊ, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

दबंगों ने युवक को किया घायल

अमेठी : अमेठी के गौरीगंज थाना कोतवाली क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। पूरे शिवदास ग्राम गुडुर निवासी राममिलन चौहान और उनके परिजनों के साथ एक वर्ग विशेष के लोगों द्वारा कथित तौर पर लगातार हमला और मारपीट की जा रही है। जन जनवादी पार्टी के जिला महासचिव दिनेश चौहान ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने इन मामलों में कार्रवाई करने में लापरवाही बरती, जिसका परिणाम यह हुआ कि बीती 22 अक्टूबर 2025 को राममिलन के भाई के बेटे विशाल (शालिग्राम) पर विपक्षियों ने बाजार जाते समय हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पार्टी महासचिव दिनेश चौहान के अनुसार, घटना के बाद 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी गई और पीड़ित पक्ष ने तहरीर भी दी, लेकिन स्थानीय पुलिस ने केस दर्ज करने में हिला-हवाली की। जब स्थानीय पुलिस ने तत्परता नहीं दिखाई, तब जन जनवादी पार्टी के पदाधिकारियों ने मोर्चा संभाला। जन जनवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम सुमेर चौहान ने प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष विनोद चौहान (सुल्तानपुर), राजेश चौहान एडवोकेट, बजरंगी, रवि चौहान, रामकिशोर चौहान आदि के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल को पीड़ित की मां के साथ गौरीगंज कोतवाली भेजा। इसके साथ ही, प्रमुख प्रदेश महासचिव सत्य कुमार चौहान ने उच्चाधिकारियों से टेलीफोन पर बात कर दबाव बनाया। जन जनवादी पार्टी ने दोहराया है कि वह गरीबों, मजलूमों और कमजोरों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ सड़क पर अपना संघर्ष जारी रखेगी और न्याय दिलाने का काम करती रहेगी।

आप सांसद के केस में दरोगा तलब

सुलतानपुर : आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के खिलाफ एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रहे मुकदमे में शुक्रवार को साक्षी थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव हाजिर नहीं हुए। अदालत ने मामले में 19 नवम्बर के लिए उन्हें तलब किया है। बंधुआ कला थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव ने 13 अप्रैल 2021 को आम आदमी पार्टी से राज्य सभा सांसद संजय सिंह समय 13 लोगों के खिलाफ नामजद व अज्ञात लोगों के विरुद्ध आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था।

अंतरिम अग्रिम जमानत अर्जी मंजूर

सुलतानपुर : कोतवाली नगर के एक मोहल्ले में शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न करने के आरोपी सतप्रीत सिंह को सेशन जज राकेश पांडेय ने राहत देते हुए अंतरिम अग्रिम जमानत मंजूर कर ली है। बचाव पक्ष के वकील अरविंद सिंह राजा ने बताया कोर्ट ने नियमित अग्रिम जमानत पर सुनवाई के लिए 29 अक्टूबर की तारीख नियत की है।

पीओ हत्याकांड में नहीं हाजिर हुए पूर्व डीआईजी

सुलतानपुर : कोतवाली देहात के नकराही गांव में 38 वर्ष पूर्व सीबीसीआईडी के अभियोजन अधिकारी सुरेश चंद्र अग्निहोत्री की हत्या के मामले में गवाह सेवानिवृत्त डीआईजी सुशील कुमार सिंह शुक्रवार को कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। न्यायाधीश संतोष कुमार ने लखनऊ के पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। एडीजीसी पवन दूबे ने बताया अब इस प्रकरण की अगली सुनवाई 31 अक्टूबर को होगी।

एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसा, तीन लोग घायल

गंभीर हालत में एम्स रेफर, नींद आने के कारण ट्रक चालक ने आग चल रहे ट्रक को मारी भीषण टक्कर

घायल चालक बृजेश एम्स में भर्ती।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त ट्रक में फंसे घायलों को निकालते लोग। अमृत विचार

संवाददाता, शुकुल बाजार (अमेठी)

अमृत विचार। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर आज तड़के एक भीषण सड़क हादसे में ट्रक चालक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना ट्रक चालक को नींद आने के कारण हुई, जिससे अनियंत्रित ट्रक ने आगे चल रहे एक अज्ञात ट्रक वाहन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की भोर लगभग 3:30 बजे, भैंस लादकर गाजीपुर से लखनऊ जा रहे एक ट्रक ने किलोमीटर संख्या 60:7 पूरे गनेशी पर आगे चल रहे एक ट्रक वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तेज गति में होने के कारण ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आशंका जताई जा रही है कि यह भीषण दुर्घटना चालक को नींद का झोंका आने के कारण हुई। इस हादसे में ट्रक चालक बृजेश कुमार निवासी नागला बदल, मैनपुरी, हेल्पर सुधीर निवासी सुवनपुर, मैनपुरी और व्यापारी जोगेंद्र यादव निवासी खावपुर, गाजीपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रक में सवार अन्य दो व्यापारी, दिनेश और पप्पू यादव, सुरक्षित बताए जा रहे हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही यूपीडा के कर्मचारी और पेट्रोल वाहन मौके पर पहुंचे। फंसे हुए चालक को कार्यदायी संस्था के हाइड्रा की मदद से लगभग 50 मिनट बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। सभी घायल व्यक्तियों को तुरंत ईगल और गायत्री की एंबुलेंस से सीएचसी शुकुल बाजार भेजा गया। वहां तीनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जहां जिला अस्पताल ने गंभीर स्थिति को देखते हुए एम्स रायबरेली रेफर कर दिया है

वहीं थाना अध्यक्ष अभिनेष कुमार ने बताया कि घायलों को रेफर कर दिया गया है। साथ ही क्षतिग्रस्त वाहन को कब्जे में ले लिया गया है। सीसीटीवी के फुटेज से अज्ञात वाहन की जांच की जा रही है, इसके अलावा अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

गड्ढे में गिरी अनियंत्रित बाइक, युवक गंभीर

संग्रामपुर (अमेठी) अमृत विचार। जिले के संग्रामपुर विकास खंड क्षेत्र में देर रात एक सड़क दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गूजीपुर निवासी रवि कुमार (पुत्र राम अंचल, उम्र करीब 25 वर्ष) रात करीब 12 बजे हथकौला गांव से बिल्डिंग का काम खत्म करके अपनी बाइक से घर वापस आ रहा था। घर लौटते समय उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक गड्ढे में जा गिरी, जिससे रवि गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने कराया अस्पताल में भर्ती दुर्घटना के बाद रवि किसी तरह घर पहुंचा और परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। रवि को गंभीर रूप से घायल देखकर परिजन तुरंत उसे अपने निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी संग्रामपुर ले आए और भर्ती कराया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर संतोष कुमार सिंह ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक का इलाज किया। प्राथमिक उपचार और आवश्यक इलाज के बाद घायल युवक को दवा देकर घर भेज दिया गया।

खेत में लापता युवक का लहूलुहान हालत में मिला शव

संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)

हत्या का आरोप

- गुरुवार को लापता हुआ था लालगंज कोतवाली क्षेत्र के कुम्हरौड़ा गांव का बिंदा प्रसाद

अमृत विचार। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के कुम्हरौड़ा गांव के बिंदा प्रसाद उर्फ आशु शुक्ला (22) पुत्र माता प्रसाद शुक्ला की लहूलुहान हालत में गांव से बाहर एक खेत में शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक के पिता माता प्रसाद के अनुसार उसका पुत्र गुरुवार से गायब चल रहा था। शुक्रवार की सुबह उसका शव गांव के बाहर एक खेत में पड़ा मिला। युवक के पिता का कहना है कि उसके पुत्र के सिर, गले व अन्य स्थान पर चोट के निशान हैं।

बिंदा प्रसाद की फाइल फोटो।

युवक के पिता का आरोप है कि उसके पुत्र को दो लोग बाइक में बैठा कर ले गए थे। जिसकी हत्या की गई है। अब देखना यह है कि पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक की मौत दुर्घटना साबित होती है या हत्या। फिलहाल इसकी गहनता पूर्ण तरीके से जांच कराए जाने की आवश्यकता है। मृतक अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी।

इस संबंध में वरिष्ठ उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि कुम्हरौड़ा गांव निवासी युवक बिंदा प्रसाद के शव का डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराए जाने का अनुरोध किया गया है। साथ ही पीएम की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। फिलहाल मृतक के पिता की सूचना पर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

जामो में हर्ष फायरिंग का वीडियो वायरल

संवाददाता, जामो (अमेठी)

दुस्साहस

- खुलेआम युवक ने की फायरिंग जांच में जुटी पुलिस

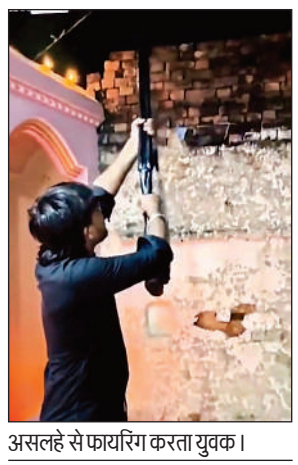

असलहे से फायरिंग करता युवक।

अमृत विचार। अमेठी जनपद में हर्ष फायरिंग और सार्वजनिक प्रदर्शन के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। एक बार फिर ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां अमेठी के जामो थाना क्षेत्र के दखिनवारा गांव निवासी आकाश रावण का हर्ष फायरिंग करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि अमृत विचार समाचार पत्र नहीं करता है।

जानकारी के मुताबिक वायरल हो रहा यह वीडियो 23 अक्टूबर, गुरुवार को दोपहर करीब 12 बजे जामो थाना क्षेत्र में सामने आया है। वीडियो में युवक खुलेआम असलहा लहराते और फायरिंग करते दिखाई दे रहा है। इस घटना से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है और यह क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले की जानकारी होने पर जामो कोतवाली प्रभारी विनोद सिंह ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए यह वायरल वीडियो संज्ञान में आया है। पुलिस टीम को मौके पर भेजकर जांच की जा रही है।

वहीं इस संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि वीडियो की सत्यता की पुष्टि होने के बाद आरोपी आकाश रावण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ उन्होंने ने लोगों से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी अवैध हर्ष फायरिंग या प्रदर्शन में शामिल न हों। साथ ही क्षेत्र में अगर ऐसी घटनाओं दिखें तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।

पंचायत सहायकों ने पोर्टल के माध्यम से उठाई मानदेय की मांग

सिंहपुर-अमेठी। विकास क्षेत्र के पंचायत सहायकों ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से कई माह से बाकी मानदेय की मांग की है। पंचायतीराज विभाग द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायत में विकास कार्य एवं जनहित की सुविधाओं को गति देने के लिए पंचायत सहायकों की नियुक्ति की गई थी। पंचायत सहायकों का मुख्य कार्य ग्राम पंचायत स्तर पर लोगो को आय,जाति, निवास प्रमाण-पत्र,परिवार रजिस्टर नकल आदि तमाम सुविधाओं को मुहैया कराना होता है। आदर्श पांडेय, बंदना सिंह,पुष्पाजली,मोहिनी, रीता, मो. मोजीब, अमरेश कुमार, शालिनी बाजपेयी, शांति यादव मानदेय दिलाये जाने की मांग की है।

दो पक्षों में चले लाठी-डंडे, 3 लोग गंभीर

संवाददाता, संग्रामपुर (अमेठी)

अमृत विचार। जनपद के संग्रामपुर थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत ठेंगहा में शुक्रवार को बच्चों के एक मामूली झगड़े ने विकराल रूप ले लिया। पुरानी रंजिश और कथित चुनावी अदावत के चलते दो पक्ष आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडों से जमकर मारपीट हुई। इस हिंसक झड़प में कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक मारपीट में पहले पक्ष से ध्रुव पाण्डेय (12 वर्ष) पुत्र महेश पाण्डेय और कांति तिवारी (55 वर्ष) पत्नी शेषधर तिवारी घायल हुए। वहीं, दूसरे पक्ष से संगम सिंह पुत्र शिव प्रताप सिंह भी गंभीर रूप से घायल हो गए। मारपीट के दौरान ध्रुव पाण्डेय और कांति तिवारी, दोनों के सिर पर गहरी चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही पीआरवी 112 की टीम तत्काल मौके पर पहुँची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए प्रथम पक्ष से कांती देवी और द्वितीय पक्ष से संगम सिंह को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी संग्रामपुर अखिलेश सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। उन्होंने तत्काल दोनों पक्षों को शांत कराया और गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी। घटना के बाद से गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है, हालांकि पुलिस बल की तैनाती के कारण स्थिति नियंत्रण में है।

दुकान से गिरकर घायल युवक की मौत

अमेठी। अमेठी कोतवाली क्षेत्र के ककवा रोड स्थित आयुष प्लाईवुड की दुकान है। इसी दुकान पर देवरी गांव का रहने वाला विनोद पुत्र छेदी काम करता है। बीते बुधवार की दोपहर विनोद अचानक काम करते समय दुकान की तीसरी मंजिल से गिर गया। हादसे के बाद दुकान मालिक उसे लेकर अमेठी सीएचसी पहुंचा, जहां से उसे गंभीर हालत में एम्स रेफर कर दिया गया। जहां गुरुवार की दोपहर इलाज के दौरान उसकी मौत गई। मौत के बाद उसके परिजनों को घटना की जानकारी हुई और परिजन अस्पताल पहुंचे और शव लेकर अमेठी वापस आये। शुक्रवार की सुबह परिजन और ग्रामीण शव लेकर कोतवाली पहुंच गए और दुकानदार पर कार्यवाही की मांग को लेकर तहरीर दी है।

अमेठी में धान खरीद की तैयारियां पूरी, 8 नए केंद्र बढ़े, 1.40 लाख एमटी खरीद का लक्ष्य

अमेठी, अमृत विचार। किसानों के लिए राहतभरी खबर है। इस बार अमेठी जिले में धान खरीद के लिए 8 नए क्रय केंद्र बढ़ाए गए हैं। अब कुल 99 केंद्रों पर किसानों से धान की खरीद की जाएगी। प्रशासन ने इस बार 1.40 लाख मीट्रिक टन एमटी धान खरीदने का लक्ष्य तय किया है। पिछले वर्ष 91 केंद्रों के माध्यम से 19,693 किसानों से लगभग 1.39 लाख एमटी धान की खरीद हुई थी। कई किसान सरकारी केंद्रों तक नहीं पहुंच पाए थे। इस समस्या को देखते हुए इस बार केंद्रों की संख्या बढ़ाकर किसानों की सुविधा पर खास ध्यान दिया गया है। धान खरीद प्रक्रिया में इस बार कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। किसानों के पंजीकरण के लिए ओटीपी प्रणाली अनिवार्य कर दी गई है। अब केंद्र प्रभारी स्वयं किसानों से संपर्क कर पंजीकरण कराने में मदद कर रहे हैं। सत्यापन प्रक्रिया को और मजबूत बनाया गया है। अब लेखपाल की रिपोर्ट भी जरूरी होगी, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी। भुगतान व्यवस्था में भी तकनीकी सुधार किए गए हैं। अब किसानों का बायोमेट्रिक सत्यापन आईरिस प्रणाली से होगा, जिससे भुगतान प्रक्रिया और अधिक सुरक्षित तथा सटीक बनेगी। वहीं जिला खाद एवं रसद अधिकारी प्रज्ञा ने बताया कि किसान चाहे तो स्वयं या साइबर कैफे के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। सभी केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पिछले वर्ष धान बेचने वाले किसानों से संपर्क कर उनका पंजीकरण सुनिश्चित करें।

दबंगों ने दो भाइयों को पीटा, केस दर्ज

महाराजगंज (रायबरेली)। थुलवासा चौकी क्षेत्र के पूरे गोसाई मजरे पिंडारी कला निवासी अनिल साहू ने पुलिस को तहरीर दी है। उसका कहना है कि 18 अक्टूबर को पाइप लगाकर खेतों की सिंचाई कर रहे थे। जब वह अपने भाई अमित के साथ खेत देखने पहुंचा तो उसे पाइप फटी मिली। तभी पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही दिनेश कुमार,राजू, फूलमती, आकाश, अंकित कुमार, नंदिनी, आदि ने लाठी डंडा व कुल्हाड़ी से उसे व उसके भाई अमित पर हमला कर दिया। चीखने चिल्लाने पर बीच-बचाव करने पहुंचे परिवार के लोगों को भी मारा-पीटा, जिससे उसके परिवारीजनों के शरीर में भी गंभीर चोटे आई हैं। पीड़ित अनिल साहू की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने दिनेश कुमार, राजू, फूलमती, आकाश, अंकित कुमार, नंदिनी समेत आधा दर्जन लोगों पर केस दर्ज कर कार्रवाही की है। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर छह लोगों पर केस दर्ज किया गया है।

एक्स पर महिला से रुपये छिनैती की पोस्ट से सलोन पुलिस की उड़ी नींद

संवाददाता, सलोन (रायबरेली)

सोशल साइट एक्स पर पोस्ट की गई महिला की फोटो। अमृत विचार

अमृत विचार। हिंदू नेता की वायरल वीडियो वाले पोस्ट ने सलोन पुलिस की दिन में नींद उड़ाकर रख दी है। वायरल वीडियो में महिला अपने साथ हुए 20 हजार रुपये छिनैती की घटना बयां कर रही है। वहीं पुलिस ने घटना से इनकार करते हुए महिला की तलाश शुरू कर दी है।

शुक्रवार की दोपहर हिंदू संगठन के नेता जितेंद्र सिंह योगी सेवक ने एक महिला के वायरल वीडियो वाले बयान को सोशल साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए लखनऊ और रायबरेली पुलिस को टैग किया था। जिसमें लिखा गया कि "सलोन बाजार में हिंदू महिला के साथ मुस्लिम युवक ने पैसों से भरे बैग की छिनैती की है, सलोन पुलिस पता नहीं कहां है, कृपया संज्ञान में लें। वायरल वीडियो में महिला कह रही है कि बैंक से बीस हजार रुपया निकाल कर बैग में रखा था। शमीम नाम का व्यक्ति पैसों से भरा बैग छीन कर ले गया है।

पोस्ट वायरल होते ही लखनऊ पुलिस ने त्वरित रायबरेली पुलिस को टैग कर घटना के संदर्भ में संज्ञान लेने की बात कही। वही रायबरेली पुलिस सलोन पुलिस से वायरल वीडियो में महिला के बारे में जानकारी जुटाने लगी। पुलिस ने पूरे प्रकरण से अनभिज्ञता जताते हुए वीडियो वाली महिला के तलाश में जुट गई। वहीं महिला की छिनैती वाले बयान के बाद पुलिस महकमें में हड़कम्प मचा हुआ है। वहीं कोतवाल राघवन कुमार सिंह का कहना है कि महिला कौन है ये तो ट्वीट करने वाले जाने। हालांकि घटना की जांच-पड़ताल की जा रही है।

सिटी डायरी

खजूर गांव की कलश यात्रा में शामिल महिलाएं।

धूमधाम से निकली कलश यात्रा

लालगंज, रायबरेली, अमृत विचार। विकासखंड के खजूर गांव में शनिवार से होने वाली श्रीमद् भागवत कथा से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में सैकड़ो पुरुष व महिलाओं ने बड़े ही श्रद्धा के साथ सहभागिता की। कलश यात्रा के दौरान भक्तों ने विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना की और मां गंगा का दर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम के संयोजक दीपक कुमार फौजी और अनूप शुक्ला ने बताया कि सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का समागम होने जा रहा है। मां गंगा के पावन तट पर स्थित खजूर गांव में भागवत कथा की रसधार बहेगी। कलश यात्रा में रामसेवक, रामकिसुन, सुरेंद्रनाथ मिश्रा, रविंद्र मिश्रा, राकेश शुक्ला, अनिल शुक्ला, लल्लन सिंह, राजू मिश्रा, अनिल कुमार, अमित कुमार, बिल्लू, बिमला, रुची, लकी, कल्लू तिवारी, संजय कुमार, बबलू सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

बदहाल हालत में गांधीनगर रोड।

वर्षों से संपर्क मार्ग बदहाल, लोगों ने की डामरीकरण की मांग

छतोह, रायबरेली। छतोह ब्लॉक का सनेहिया रोड से पूरे तिलक के पास गांधीनगर रोड को जोड़ने वाला लगभग 1.5 किमी लंबा संपर्क मार्ग लगभग जर्जर हो चुका है। जगह-जगह एक-एक फीट गहरे गड्ढे हो गए हैं। दोपहिया और चार पहिया वाहनों का चल पाना मुश्किल हो गया है। लगभग बीसो वर्षों से यहां के लोग इसके डामरीकरण की मांग करते चले आ रहे हैं किन्तु किसी भी पार्टी के विधायक, एमएलसी या सांसद ने इस पर ध्यान देने की जहमत नहीं उठाई। ग्राम पंचायत बेवल और बभनपुर तथा क्षेत्र पंचायत छतोह ने मिलकर लगभग 15 साल पहले खड़ंजा स्तर तक इसका निर्माण कराकर जनता को कुछ राहत देने की कोशिश की थी। किन्तु अब यह सड़क लगभग ध्वस्त हो चुकी है।

अतुल मिश्रा को रामायण भेंट करते चंदन त्रिवेदी।

वरिष्ठ शिक्षक को भेंट की रामचरित मानस

लालगंज, रायबरेली, अमृत विचार। शुक्रवार को इंटर कॉलेज में वरिष्ठ शिक्षक अतुल मिश्रा को चंदन त्रिवेदी ने रामचरित मानस भेंट की। इस अवसर पर नूप पांडेय, दीपू दीक्षित, रिंकू मिश्रा, रमेश शुक्ला, श्याम मनोहर शुक्ला, सधन त्रिवेदी, गोविंद अवस्थी, उत्तम मिश्रा, विकास मिश्रा, मृदुल त्रिपाठी, काजल त्रिवेदी सहित अन्य राम भक्त मौजूद रहे। सभी ने निरन्तर कई महीनों से चल रहे सनातन धर्म के प्रचार प्रसार की सराहना की।

आयोजन हरखूमऊ में सरस हाट बाजार का विधायक ने किया उद्घाटन, गुरुवार को लगेगा बाजार

अब स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों को मिलेगी सुविधा

शुकुल बाजार (अमेठी)

विधायक को सम्मानित करते प्रधान राकेश शर्मा। अमृत विचार

अमृत विचार। ग्राम पंचायत हरखूमऊ में पहलवान बाबा मंदिर के पास बने सरस हाट बाजार का शुक्रवार को विधायक एवं पूर्व राज्यमंत्री सुरेश पासी ने बीडीओ अंजली सरोज के साथ संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर इफ्को सचिव अशोक सिंह व ग्राम प्रधान राकेश शर्मा की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। उद्घाटन से पहले शास्त्री माता बदल तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना की।

कार्यक्रम के दौरान विधायक ने कहा कि अब ग्रामीणों को दैनिक जरूरत का सामान खरीदने-बेचने के लिए पड़ोस के कस्बे शुकुल बाजार तक 5 किलोमीटर दूर जाना नहीं पड़ेगा। क्षेत्र का सर्वांगीण विकास तेजी से हो रहा है। सड़क, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं में सुधार हो चुका है। हाट बाजार में अब सप्ताह में गुरुवार को नियमित हाट लगेगा। वहीं बीडीओ अंजली सरोज ने बताया कि बाजार का निर्माण 13 लाख 57 हजार रुपये की लागत से मनरेगा, 15वें वित्त आयोग और 5वें राज्य वित्त आयोग की योजना के तहत कराया गया है। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार और व्यापार दोनों में सुविधा मिलेगी। ग्राम प्रधान में आए हुए सभी अतिथियों का आभार जताया है।कार्यक्रम में सूर्यकांत दीक्षित, राजेश मिश्र, भाईलाल, समर बहादुर, मुन्नीलाल चौरसिया, संदीप शर्मा, मनोराज यादव,राजेंद्र लाल, रामजीत पाल समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

कृषि विज्ञान केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

आयोजित कार्यक्रम में शामिल अधिकारी व किसान।

अमावां, रायबरेली, अमृत विचार। शुक्रवार को कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर में किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए किसान क्रॉफ्ट लिमिटेड द्वारा जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांव के किसानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों व किसान क्रॉफ्ट से डॉक्टर सुमंत होल्ला द्वारा उन्नत खेती के गुर सिखाए गए। डॉ सुमंत होल्ला ने कहा कि धान की खेती भारत की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाती है। लेकिन घटते जलस्तर और बढ़ती लागत किसानों के सामने चुनौती बन रही है। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉ. केके सिंह ने कहा कि सूखे सीधे बीज वाले धान के उपयोग से किसान मिट्टी की उर्वरता के अनुसार बेहतर उपज प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा डॉ. किसंजीत सिन्हा, कृषि विशेषज्ञ डॉ. राणा प्रताप सिंह, जोनल मैनेजर दीपक सिंह ने किसानों को खेती में पैदावार बढ़ाने और उनकी आजीविका में सुधार के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर आलोक जैन, राजकुमार, अशोक त्रिपाठी, अनुज सिंह, हरि नाम वर्मा, संजय बाजपेई, अनूप कुमार, अभिषेक राय, काली शंकर शुक्ला, रामनारायण चौधरी आदि किसान मौजूद रहे।

नि:शुल्क वस्त्र वितरित करते प्रधान संघ के अध्यक्ष कैलाश चन्द्र दूबे। ● अमृत विचार

राम का जीवन मर्यादा व सदाचार का प्रतीक

लंभुआ (सुलतानपुर)। दूल्हापुर गांव में जय बजरंग रामलीला समिति के पदाधिकारियों को आद्या फाउंडेशन एवं सक्षम वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईजी सुभाष चन्द्र दूबे ने कहा कि भगवान राम ने न्याय, करुणा और दया का भाव रखते हुए रिश्तों के प्रति गहरा त्याग और समर्पण प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि भगवान राम का जीवन मर्यादा, धैर्य और सदाचार का प्रतीक है, इसी कारण उन्हें 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा गया।

न्यूज ब्रीफ

युवती के लापता होने पर पिता ने दी तहरीर

शाहाबाद, हरदोई। पिहानी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती के घर से लापता होने के मामले में पुलिस ने पिता की तहरीर पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित पिता के अनुसार उसकी 18 वर्षीय पुत्री 18 अक्तूबर की दोपहर 3 बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई। परिजनों ने सभी नाते रिश्तेदारी में भी पता किया लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन 30 को

हरदोई, अमृत विचार। एडीएम न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी ने सूचित किया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार उप्र विधान परिषद के खंड स्नातक एवं लखनऊ खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल छह दिसंबर 2026 को समाप्त होने के कारण अर्हता एक नवंबर 25 के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण कार्यक्रम निम्नवत है। फार्म 18 या 19 में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 06 नवम्बर 2025, पांडुलियों की तैयारी औरा आलेख्य निर्वाचन नामावलियों का मुद्रण 20 नवम्बर को कराया जायेगा और 25 नवम्बर को निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन किया जायेगा तथा दावे एवं आपत्तियां 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक दाखिल की जा सकेगी एवं 25 दिसम्बर को प्राप्त दावे व आपत्तियों का निस्तारण किया जायेगा और अनुपूरक सूची तैयार की जायेगी और 30 दिसम्बर को निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा।

पुलिस मुठभेड़ में दो इनामी बदमाशों को लगी गोली

शराब ठेके के सेल्समैन से नोटों से भरा बैग छीनकर हुए थे फरार

- सीतापुर रोड पर इटौली पुल के पास की गई घेराबंदी में फंसे

संवाददाता, हरदोई

मुठभेड़ में घायल बदमाश को ले जाती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार। सीतापुर रोड पर इटौली पुल के पास पुलिस से हुई मुठभेड़ में फायरिंग करते हुए भाग रहे 25-25 हज़ार के दो इनामी बदमाश पैर में गोली लगते ही गिर पड़े,जिन्हे पुलिस ने दबोच लिया। बताते चलें कि 17 अक्टूबर की रात शराब ठेके के सेल्समैन से नोंटों से भरा हुआ बैग छीन कर फरार हुए बदमाशों की तलाश में पुलिस ने पहरा और सख्त कर दिया था। एसपी अशोक कुमार मीणा ने बदमाशों पर 25 हज़ार का इनाम रखा था। गुरुवार देर रात चेंकिंग के दौरान पुलिस की बदमाशों के साथ मुठभेड़ हुई। बदमाशों के पास से पिकअप, 14 हज़ार कैश, चाबी का गुच्छा, दो तमंचे, दो कारतूस और चार खोखे बरामद हुए हैं।

एसएचओ कोतवाली देहात विनोद कुमार यादव गुरुवार की देर रात अपनी टीम के साथ सीतापुर रोड इटौली पुल पर गाड़ियों की चेकिंग कर रहे थे। उसी बीच पिकअप आती हुई दिखी। पुलिस ने पिकअप को रोका,लेकिन उस पर सवार फायरिंग करते हुए भागने लगे,पुलिस टीम ने घेराबंदी कर गोली चलाई जिसमें दो बदमाश पैर में गोली लगने से गिर पड़े। उन्हें पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस की पकड़ में आए मेवाराम पुत्र मिट्ठूलाल निवासी जनकपुर कोतवाली देहात और अभिषेक पुत्र अशोक निवासी हरिपुर ग्रंट कोतवाली देहात बताए गए है। बता दें कि इटौली निवासी राहुल सिंह 17 अक्टूबर को शराब ठेके से घर लौट रहा था उसी बीच आशा रोड पर ईंट-भट्ठे के पास पिकअप से रास्ता रोक कर उसके पास से रुपयों से भरा बैग छीना गया था। पुलिस अगले दिन दी गई तहरीर पर बीएनएस की धारा 304(2) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन में जुट गई थी।

डीएम ने की कर-करेत्तर राजस्व वसूली की समीक्षा

हरदोई, अमृत विचार। जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में स्वामी विवेकानन्द सभागार में कर-करेत्तर राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक आहूत की गयी। कर-करेत्तर की समीक्षा करते हुये उन्होंने खनन अधिकारी को कम राजस्व वसूली पर कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने आबकारी, स्टाम्प तथा नगरीय निकायों को निर्देश दिये कि सभी संबंधित विभाग के अधिकारी शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रतिमाह राजस्व वसूली करायें। जिलाधिकारी ने उपस्थित उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व वसूली पर ध्यान दिया जाये। कहा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली न करने वाले अधिकारियों के विरूद्व कार्यवाही की जायेगी। राजस्व कार्यों की समीक्षा में जिलाधिकारी ने उपस्थित उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एव नायब तहलदारों को निर्देश दिये कि नियमित रूप से न्यायालय में बैठकर लम्बित वादों का निस्तारण त्वरित गति से करें।

झाड़ी शाह बाबा के मेले में कव्वाली और दंगल बनेगा आकर्षण का केंद्र

संडीला, हरदोई। सूफी संत हज़रत रब्बानी शाह क़ादरी उर्फ़ झाड़ी शाह बाबा का वार्षिक उर्स एवं मेला इस वर्ष शुक्रवार से दो नवंबर तक मनाया जाएगा। मेला कमेटी के अध्यक्ष सूफ़ी शाहनवाज़ आलम ने बताया कार्यक्रमों की शुरुआत कल से शुरू मेले में दंगल मुख्य आकर्षण का केंद्र है। दोपहर दो बजे मेले का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। इस वर्ष मेले में आयोजित होने वाले दंगल का विशेष आकर्षण रहेगा। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवान इरफ़ान ईरानी व पंजाब केसरी बलवान सिंह सहित कई पहलवान कुशलता का प्रदर्शन करेंगे। कव्वाली की श्रृंखला भी रखी गई है। 29 अक्टूबर को मशहूर कव्वाल सुल्तान साबरी, 1 नवंबर को अज़मत आफ़ताब वारसी और बेबी ज़ारा वारसी, जबकि दो नवंबर को लोकप्रिय कव्वाल अनीस नवाब

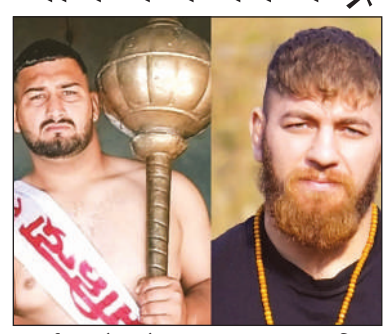
आकर्षक का केंद्र बने पहलवान। अमृत विचार

अपनी पेशकश से समां बांधेंगे। मेला कमेटी द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, सफाई और पार्किंग की विशेष तैयारियाँ की जा रही हैं। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भी मेले स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं।

राजघाट व बेरियाघाट पर स्थापित करें अस्थाई मेला चौकी

- वाहनों के आने-जाने का मार्ग निर्धारित करें: एसपी

संवाददाता, हरदोई

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम व एसपी। अमृत विचार

अमृत विचार। तहसील बिलग्राम क्षेत्र के राजघाट एवं बेरियाघाट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर एक नवम्बर से पांच नवम्बर तक आयोजित होने वाले मेले की व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में एक बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्वामी विवेकानन्द सभागार कलेक्टेट में आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने नोडल अधिकारी अधिशासी अभियंता शारदा नहर को निर्देश दिये कि राजघाट व बेरियाघाट पर अस्थाई मेला चौकी स्थापित करें तथा श्रद्वालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत जल पुलिस की तैनाती के साथ गंगा स्नान आदि के लिए सुरक्षित घाटों का निर्माण करायें तथा पीडब्लूडी मार्गो का गड्ढा मुक्त करायें।

बैठक में जिलाधिकारी अनुनय झा ने एसडीएम बिलग्राम को निर्देश दिये दोनों मेलों में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनायें रखने के लिए राजस्व कर्मचारियों की चरणबद्व डियुटी लगायें तथा मेलों का सफल आयोजन कराना सुनिश्चित करें तथा मेलों में अराजक तत्वों पर निगरानी रखने हेतु सीसी टीवी कैमरें लगवायें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि राजघाट एवं बेरियाघाट पर श्रद्वालुओं के स्वास्थ्य को देखते हुए एम्बुलेंस के साथ महिला चिकित्सक सहित डाक्टरों की टीम लगाये। बैठक में पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा ने क्षेत्राधिकारी बिलग्राम को निर्देश दिये कि एआरटीओ एवं यातायात निरीक्षक से समन्वय बनाकर मेलों में आने वाले ई-रिक्सा आदि वाहनों के आने-जाने का मार्ग निर्धारित करें तथा पार्किंग की व्यवस्था करायें। उन्होंने कहा कि मेलों में फायर सेफ्टी के साथ महिला सुरक्षा व खोया-पाया केन्द्र की स्थापना एवं नाविक व गोताखोरों की व्यवस्था रहेगी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी विरा प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी आदि मौजूद रहे।

चोरों ने लाखों के जेवर व कपड़े चुराए

सांडी, हरदोई, अमृत विचार। बंद मकान का ताला तोड़कर घुसे अज्ञात चोरों ने अलमारी से लाखों के जेवर और कपड़े चोरी कर लिए हैं। दीपावली मना कर लौटे पीड़ित ने घर की स्थिति देख सन्न रह गया। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। नवाबगंज मोहल्ला निवासी संजय अपने मकान में ताला डालकर दीपावली के अवसर पर अपने पैतृक गांव गए हुए थे। शुक्रवार की सुबह वह अपने घर आए तो दरवाजे पर ताले की जगह कुंडी लगी हुई थी। घर के अन्दर घुस कर देखा तो वह सन्न रह गए। घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने अलमारी में रखे लगभग 5 लख रुपए के जेवर और कपड़े चोरी कर लिए हैं बड़ी वारदात की खबर फैलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिस पर पुलिस ने अपनी जांच पड़ताल शुरू कर दी है। संजय ने बताया दीपावली के अवसर पर वह अपने परिवार के साथ घर गए हुए थे। वापस लौट कर देख उसके घर में ताला टूटा हुआ था और अलमारी में रखे जेवर और कपड़े चोरी हो गए हैं।

जयंती पर संबोधित करते सांसद अशोक रावत। अमृत विचार

मदारी पासी ने आंदोलन से दिया एकता का संदेश

संवाददाता, अतरौली, हरदोई, अमृत विचार। शुक्रवार को भरावन के ग्राम पहाड़पुर में क्रान्तिकारी मदारी पासी की जयंती मनाई गई। जयंती के अवसर पर मिश्रिख सांसद अशोक रावत, एमएलसी अशोक अग्रवाल ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मिश्रिख सांसद अशोक रावत ने कहा कि क्रान्तिकारी मदारी पासी ने गरीब मजदूरों को एकजुट करके जमींदारी और लगन को खत्म करने कर लिये आंदोलन किया जिसके संघर्ष ने कानून स्थापित हुआ और गरीब मजदूर स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिये कहीं भी जा सका। एमएलसी अशोक अग्रवाल ने बताया क्रान्तिकारी मदारी पासी ने जाति धर्म से उप्पर उठकर एकजुटता का सन्देश दिया, जिसमें हर वर्ग का व्यक्ति जुड़कर आंदोलन में सम्मिलित हुआ। कार्यक्रम में नरेंद्र बाजपेई,प्रमोद सिंह,आशीष अवस्थी, विकास रावत, जि.प. सदस्य ललित कुमार, आशीष दीक्षित,प्रमोद कुमार मनोज पाण्डेय, अशोक तिवारी, गुड्डू मिश्रा,महेश गौतम सदस्य मौजूद रहे।

हादसे में भाई की मौत, बहन-बहनोई और भांजा घायल

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। भैया दूज पर मायके आए बहन-बहनोई और भांजे को छोड़ने जा रहा था,उसी बीच रास्ते में बिलग्राम रोड पर सुरसा थाने के हुंसियापुर के पास पहुंचते ही उसकी बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई,जिसमें भाई की मौत हो गई,जबकि बहन-बहनोई और 6 साल का भांजा बुरी तरह ज़ख्मी हो गया,जिसे हायर सेंटर लखनऊ के लिए रिफर कर दिया गया है। बहन-बहनोई का मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा है।

बताया गया है कि सुरसा थाने के खुद्दीपुर निवासी 18 वर्षीय आकाश पुत्र मूलचन्द्र की बड़ी बहन रामदेवी साण्डी थाने के घुरईपुरवा में ब्याही है। भैया दूज पर आकाश उसे घर विदा करा लाया था,बहनोई बलराम और 6 साल का भांजा अनुराग भी साथ था। शुक्रवार की सुबह आकाश बाइक से बहन रामदेवी के साथ बहनोई व भांजे को छोड़ने जा रहा था। बताते है कि बिलग्राम रोड पर सुरसा थाने के हुंसियापुर गांव के पास पहुंचते ही सामने से आ रही बाइक की आकाश की बाइक से ज़ोरदार टक्कर हो गई। जिसमें सारे लोग बुरी तरह ज़ख्मी हो गए जिन्हें सीएचसी पहुंचाया गया वहां से आकाश, रामदेवी, बलराम व अनुराग को मेडिकल कालेज भेजा गया जहां पहुंचते ही आकाश की मौत हो गई जबकि अनुराग की हालत देख कर उसे हायर सेंटर लखनऊ के लिए रिफर कर दिया गया। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

खाई में गिरी बाइक, सवार की हालत गंभीर

बिलग्राम, हरदोई। थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में बाइक सवार अखिलेश गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना अतरछा बुजुर्ग गांव के पास हुई, जब उनकी बाइक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी, जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार अखिलेश अपनी बाइक से ससुराल गुलाब पुरवा जा रहे थे। रास्ते में अचानक एक जंगली सियार उनकी बाइक के सामने आ गया, जिससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया। सियार से टकराने के बाद बाइक सड़क किनारे खाई में जा घुसी। हादसे में अतरछा खुर्द निवासी अखिलेश पुत्र राज्यपाल को गंभीर चोटें आईं।

बाइक सवार ने मजदूर को मारी टक्कर: बिलग्राम, हरदोई। थाना क्षेत्र के दुर्गागंज गांव के पास एक शराबी बाइक सवार ने पैदल जा रहे मजदूर को टक्कर मार दी। इस हादसे में मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार अखिलेश (35) पुत्र शिव शंकर, निवासी ग्राम जमुरखा, जिला चंदौली, दुर्गागंज प्लांट पर मजदूरी का काम करता है। वह पैदल जा रहा था, तभी तेज गति से आ रही बाइक ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से अखिलेश गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने दौड़कर बाइक सवार को पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि बाइक चालक नशे की हालत में था।

बंदियों से जानकारी लेते अपर जिला जज भूपेंद्र प्रताप। अमृत विचार

बंदियों की समस्याओं का करें निस्तारण

संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में शुक्रवार को अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भूपेन्द्र प्रताप ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। अपर जिला जज द्वारा बताया गया कि ऐसे बंदी जो गरीब है और अपना प्राइवेट अधिवक्ता नहीं कर पा रहे है वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में कारागार अधीक्षक के माध्यम से प्रार्थना पत्र दे सकते है। प्राधिकरण द्वारा उनके मुकदमें की नि:शुल्क पैरवी हेतु आवश्यक कार्यवाही करेगा। बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी कर जेल प्रशासन को समस्याओं के निस्तारण के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधीक्षक अमन कुमार सिंह,जेलर योगेश कुमार, डिप्टी जेलर अनीश यादव, अमर कुमार सिंह,नरेश चन्द्र लीगल एड डिफेंस काउंसिल विनोद कुमार मिश्र, अजय त्रिपाठी व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक अभिषेक अवस्थी मौजूद रहे।

गनीपुर में तालाब में डूबने से अधेड़ की गई जान

संवाददाता, हरदोई

घटनास्थल पर लगी लोगों की भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार। शौच करने के लिए तालाब के किनारे गया अधेड़ एक-एक उसी तालाब में गिर पड़ा। जिससे उसकी डूब कर मौत हो गई। कुछ दूरी पर अधेड़ का भाई भी था। काफी देर बाद एब अधेड़ वापस नहीं लौटा। उसका भाई देखने गया जहां उसका शव पानी में औंधे मुंह पड़ा था। पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है। बताया गया है कि बिलग्राम कोतवाली के गनीपुर निवासी 50 वर्षीय वीरेंद्र पुत्र अर्जुन सिंह अपने तीन भाइयो में सबसे बड़ा था। वीरेंद्र की शादी नहीं हुई थी,वह अपनी बुज़ुर्ग मां रामप्यारी के साथ रहता था। भाई छोटेलाल ने बताया कि शुक्रवार की सुबह वीरेंद्र गांव के पूरब तालाब के किनारे शौच के लिए गया हुआ था,कुछ दूरी पर छोटे लाल भी था। काफी देर तक वीरेंद्र वापस नहीं लौटा छोटे लाल उसे देखने पहुंचा जहां अधेड़ पानी में औंधे मुंह पड़ा था। उसे बाहर निकाला गया लेकिन उससे पहले मौत हो चुकी थी। वहां पहुंची पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है।

दो दिन से लापता युवक का कुएं में मिला शव: शाहाबाद, हरदोई। ग्राम आगमपुर में दो दिन से लापता युवक का शव गाँव के बाहर बने एक कुएँ से बरामद हुआ। शव बरामद होने के बाद हड़कंप मच गया। मृतक की शिनाख्त अरविंद कुमार 35 वर्ष पुत्र रामकिशोर राजपूत निवासी आगमपुर के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताते चलें कि 22 अक्टूबर की शाम अरविंद घर से सब्जी लेने निकला था, लेकिन घर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने आसपास और नाते रिश्तेदारी में खोजबीन की, परंतु कोई सुराग नहीं लग सका। शुक्रवार दोपहर ग्रामीणों ने गाँव के बाहर स्थित कुएं में शव उतराता देखा। सूचना मिलते ही ग्रामीण एकत्रित हो गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को कुएँ से बाहर निकलवाया। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव मिलने की खबर फैलते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया । परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के दो पुत्र और दो पुत्रियाँ हैं। परिजन मौत को संदिग्ध परिस्थितियों में बताकर हत्या की आशंका जता रहे हैं।

नदी में डूबे युवक का 41 घंटे बाद मिला शव

भरखनी, हरदोई। पाली गर्रा पुल के पास मछली पकड़ने गया कस्बा निवासी एक युवक बुधवार दोपहर को डूब गया था, जिसका 41 घंटे बाद 10 किलोमीटर दूर लखमापुर के पास नदी से बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, घटना से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक कस्बा पाली के मोहल्ला पटियानीम निवासी सुरजीत कश्यप पुत्र केशव राम कश्यप अपने एक दोस्त के साथ बुधवार दोपहर करीब दो बजे पाली गर्रा पुल के पास मछली पकड़ने गया था, सुरजीत अपने दोस्त को नदी के किनारे पर बैठ कर पानी के अंदर मछली पकड़ने गया और काफी देर तक बाहर नहीं आया। सुरजीत के दोस्त ने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय गोताखोरों ने सुरजीत की तलाश शुरू की पर कुछ पता नहीं चला। क्षेत्रीय विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू भी मौके पर पहुंचे थे और उन्होंने वहां मौजूद अधिकारियों को एसडीआरएफ की टीम बुलाकर सर्च ऑपरेशन चलाने का निर्देश दिया था। जिसके बाद गुरुवार सुबह एसडीआरएफ की टीम पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। शाम तक एसडीआरएफ की टीम नदी में सुरजीत की तलाश करती रही पर उसका कोई पता नहीं चला। अंधेरा होने पर एसडीआरएफ की टीम ने सर्च ऑपरेशन रोक दिया था। शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे डूबने के 41 घंटे बाद सुरजीत का शव पाली से करीब 10 किलोमीटर दूर लखमापुर के पास नदी में उतराता हुआ ग्रामीणों को दिखाई दिया, इसके बाद सूचना पुलिस को दी गई।

घटनास्थल पर लगी ग्रामीणों की भीड़ व जांच करती पुलिस। अमृत विचार

दोहरीकरण व नई रेललाइन की मांग अब भी अधूरी

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। देश भर में यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों के सुचारु संचालन के लिए भारतीय रेल जहां तेज़ी से ट्रैकों के दोहरीकरण का कार्य करा रही है, वहीं हरदोई जनपद अब भी उपेक्षा का शिकार दिखाई देता है। जिन रूटों पर दोहरीकरण का कार्य पूरा हो चुका है या जारी है, वहां यात्रियों को राहत भी मिल रही है, लेकिन हरदोई और इसके आसपास के महत्वपूर्ण स्टेशन पर्याप्त ध्यान के अभाव में विकास से कोसों दूर नजर आते हैं। हरदोई में लंबे समय से रेल ढांचे में सुधार की मांग उठती रही है, मगर न तो रेल अधिकारियों ने इस दिशा में ठोस पहल की और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने आवश्यक सक्रियता दिखाई। लोकसभा चुनाव के दौरान हरदोई सदर सीट से सांसद जयप्रकाश रावत ने संडीला–हरदोई रेल लाइन को प्राथमिकता देने का वादा किया था, लेकिन चुनाव बीत जाने के बाद यह मुद्दा सिर्फ कागजों में दबकर रह गया। जमीनी स्तर पर कोई बड़ा कदम नहीं उठाया गया है।

दोहरीकरण के इंतजार में हैं रेल यात्री

हरदोई जनपद के महत्वपूर्ण बालामऊ जंक्शन से सीतापुर, मिश्रिख और कानपुर/उन्नाव दिशा की ब्रांच लाइनें वर्षों से सिंगल ट्रैक पर ही चल रही हैं। इस मार्ग पर पैसेंजर से लेकर एक्सप्रेस ट्रेनें संचालित होती हैं, जिसके चलते अक्सर ट्रेनों का संचालन प्रभावित होता है। यदि इन रूटों का दोहरीकरण हो जाए तो यात्रियों को न केवल समय पर ट्रेन मिलने की सुविधा होगी, बल्कि अधिक ट्रेनों के संचालन का मार्ग भी प्रशस्त होगा। रेल प्रशासन की उदासीनता के कारण इस क्षेत्र की अपेक्षाएं अब तक अधूरी बनी हुई हैं।रेलवे के दोहरीकरण से जहां आम यात्रियों को सीधे लाभ मिलेगा वहीं रेलवे राजस्व में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो सकती है। बालामऊ से कानपुर होते हुए उन्नाव और सीतापुर जनपद तक रेल आवागमन का महत्व किसी से छिपा नहीं है। रोजाना हजारों यात्री इस रूट का उपयोग करते हैं। इसके बावजूद विभागीय अधिकारियों की निष्क्रियता रेलवे के विकास के दावों की पोल खोलती नजर आती है।

मिश्रिख रेललाइन बिछे तो भक्तों को मिले लाभ

सवायजपुर विधानसभा के विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह ने फर्रुखाबाद, हरदोई, मिश्रिख रेल लाइन के निर्माण की मांग उठाई थी। इस परियोजना के लिए करीब 56 लाख रुपये का सर्वे बजट भी स्वीकृत हुआ था, मगर आज तक इस सर्वे की रिपोर्ट का न तो कोई उल्लेख मिला और न ही जमीन पर इसकी शुरुआत का कोई संकेत दिखा। विधायक द्वारा कई बार इस मुद्दे पर अधिकारियों से वार्ता की गई, लेकिन उनके पास भी स्पष्ट जवाब नहीं है। मिश्रिख स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु हरदोई से यात्रा करते हैं, लेकिन रेल संपर्क के अभाव में उन्हें निजी या रोडवेज बसों का सहारा लेना पड़ता है। यदि हरदोई से मिश्रिख तक रेल लाइन बिछाई जाती है तो श्रद्धालुओं की यात्रा आसान होगी और रेलवे को भी अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो सकेगी। मध्य प्रदेश, गुजरात, बंगाल समेत कई राज्यों से श्रद्धालु हरदोई पहुंचते हैं, लेकिन अंतिम पड़ाव तक ट्रेन न होने के कारण यात्रा का अनुभव कठिन बन जाता है।

सीने पर वार किए जाने से हुई थी सुरेंद्र की मौत

फालोअप

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। एक्स-रे के बाद सुरेंद्र यादव का शव पोस्टमार्टम के लिए पहुंचा,लेकिन सीतापुर के रेडियोलॉजिस्ट की रिपोर्ट डाक्टरों को भरोसे में नहीं ले सकी,लिहाज़ा 100 बेड हास्पिटल में शव का दोबारा एक्स-रे कराया गया,तब कहीं पोस्टमार्टम हुआ,उसकी रिपोर्ट में 'काज़ आफ डेथ' 'हार्ड रेपचर्ड' यानी दिल फटने से मौत होने की बात कही गई है। पूरी तरह से माना जा रहा है कि सुरेंद्र के सीने में कोई नुकीली मारी गई, जिससे 'हार्ड रेपचर्ड' हुआ। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की गहराई से जांच की जा रही है। बताते चलें कि बुधवार की सुबह हरपालपुर थाने के करता निवासी सुरेंद्र का शव उसके बिस्तर पर पड़ा हुआ था,उसके सीने में बाएं तरफ चोंट थी,जिससे तमाम तरह की बातें हो रहीं थीं,कहा गया था कि रात में भाइयों के बीच ज़मीन की हिस्सेदारी को ले कर झगड़ा हुआ था। शव मिलने का पता होते ही वहां पहुंची पुलिस ने उसे कब्ज़े में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। चूंकि सीने पर चोंट नहीं बल्कि छेद था, जो सुरेंद्र के सीने में गोली लगी या फिर किसी नुकीली चीज़ से वार किया गया था ? इस सवाल का जवाब ढूंढने के लिए गुरुवार को शव का सीतापुर में एक्स-रे हुआ,वहां से देर रात को उसका शव पोस्टमार्टम के लिए लाया गया। शुक्रवार को नोडल अधिकारी डा.पकंज मिश्रा के साथ डाक्टरो का पैनल पोस्टमार्टम करने पहुंचा,लेकिन डाक्टरों को सीतापुर से आई रेडियोलॉजिस्ट की रिपोर्ट भरोसे में नहीं ले सकी,उसके बाद 100 बेड हास्पिटल में शव का दोबारा एक्स-रे हुआ। फील्ड यूनिट की वीडियोग्राफी के बीच हुए पोस्टमार्टम में 'हार्ड रेपचर्ड' यानी दिल के फटने से मौत होने की बात कही गई है। इस तरह की रिपोर्ट से पता चलता है कि बिस्तर पर सो रहे सुरेंद्र के सीने के बाएं तरफ किसी नुकीले हथियार से हमला किया गया। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

हरदोई-उन्नाव

न्यूज ब्रीफ

परिजनों को सौंपी गई सहायता की चेक

हरदोई, अमृत विचार। बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार शुक्ला ने दिवंगत अधिवक्ताओं के परिजनों को पांच लाख रुपए की धनराशि के चेक देकर उनके आंसू पोछे। दिवंगत अधिवक्ता संजीव कुमार, अविनाश चंद्र गुप्ता, दिनेश चंद शुक्ला की पत्नी को पांच -पांच लाख रुपए के चेक दिए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह सहायता धनराशि पहले डेढ़ लाख की जो पांच लाख कर दी गई है । उन्होंने बताया कि इसके पूर्व स्वर्गीय गिरीश श्रीवास्तव, स्वर्गीय सुशील कुमार शुक्ला, स्वर्गीय सुनील कुमार दीक्षित के परिजनों को भी 5-5 लाख रुपए के चेक दिए जा चुके हैं। इस मौके पर श्री शुक्ल ने पूरी कचहरी में अधिवक्ताओं के सीट पर जाकर उनकी समस्या सुनी और उनके यथासंभव निराकरण के लिए आश्वासन दिया।

युवक व वृद्ध ने निगला जहरीला पदार्थ, रेफर

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार। पारिवारिक कलह के चलते दो अलग-अलग गावों में युवक व वृद्ध ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कोतवाली क्षेत्र के ककरौरा गांव निवासी जयप्रकाश (32) पुत्र राजनरायन व नैनीखेड़ा गांव के 65 वर्षीय राजेंद्र लोध ने परिजनों से विवाद के बाद जहरीला पदार्थ निगल लिया। हालत बिगड़ती देख परिजन उन्हें सीएचसी ले गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार होता न देख डाक्टर ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

दीपावली बाद रेलवे स्टेशन पर उमड़ी यात्रियों की भीड़

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। दीपावली और भाईदूज का त्योहार समाप्त होते ही एक बार फिर उत्तर भारत के बड़े शहरों की ओर लौटने वाली यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। हरदोई रेलवे स्टेशन पर सोमवार से ही दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा और गुरुग्राम दिशा में जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों के मुकाबले कई गुना अधिक देखने को मिल रही है। स्थिति इतनी भीड़भाड़ वाली हो गई कि जनरल डिब्बों में तो पांव टिकाना भी मुश्किल साबित हो रहा है। प्लेटफॉर्म पर ट्रेनों के रुकते ही यात्रियों की होड़ मच जाती है और अंदर घुसने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। त्योहारी सीजन में छुट्टी बिताकर वापस अपनी नौकरी, कारोबार या पढ़ाई पर लौटने वाले यात्रियों की भीड़ के कारण हरदोई स्टेशन पर सुबह और शाम के समय खासी अव्यवस्था देखने को मिल रही है। सबसे अधिक दबाव दिल्ली रूट की ट्रेनों पर देखने को मिला है।

टिकट खिड़की पर लगी यात्रियों की भीड़। अमृत विचार

लंबे सफर वाले यात्री सीट न मिलने के कारण फर्श, गेट और शौचालय के नजदीक तक बैठने को मजबूर हो रहे हैं।

दिल्ली की ओर पहले से ही दबाव में रहता है: रेल प्रशासन ने दावा किया था कि त्योहारों के समय विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा ताकि यात्रियों को राहत मिले, मगर व्यवहारिक स्तर पर इसका फायदा यात्रियों को पूरी तरह मिलता नहीं दिख रहा। कुछ स्पेशल ट्रेनें मार्ग से निकली भी, मगर भीड़ इतनी अधिक रही कि वे भी ओवरलोड हो गईं। जिन यात्रियों ने आरक्षण करवाने की कोशिश की, उन्हें भी वेटिंग के चलते कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कई लोग तत्काल टिकट की उम्मीद में रेलवे काउंटरों का चक्कर लगाते दिखे, लेकिन भारी संख्या की वजह से टिकट मिलना लगभग असंभव रहा। स्थानीय यात्रियों का कहना है कि हरदोई से दिल्ली की ओर रेल यातायात पहले से ही दबाव में रहता है। त्योहार के बाद यह दबाव और बढ़ जाता है, ऐसे में यदि अस्थायी की जगह तीन से पाँच दिनों तक अतिरिक्त कोच या अतिरिक्त ट्रेनों की व्यवस्था की जाए, तो यात्रियों को राहत मिल सकती है। मगर मैदान स्तर पर ऐसी कोई गंभीर तैयारी नजर नहीं आती।यात्रियों के अनुसार, भीड़ प्रबंधन के लिए रेल कर्मचारियों को प्लेटफॉर्म पर तैनात अवश्य देखा गया। अधिकांश यात्री यह कहते दिखाई दिए कि त्योहार के दौरान तो यात्रियों की संख्या बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन रेलवे को भी पहले से तैयारियां करनी चाहिए थीं ताकि आम यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न उठानी पड़े।

ट्रेन पर चढ़ने के लिए जद्दोजहद करते लोग। अमृत विचार

जहरीले कीड़े के काटने से हुई मौत

उन्नाव, अमृत विचार। असोहा थानाक्षेत्र के तेजीखेड़ा गांव निवासी होरीलाल रावत (48) पुत्र स्व. रामऔतार दिव्यांग था। बीती बुधवार रात वह खेत में खड़ी धान की फसल की रखवाली करने गया था। तभी उसे जहरीले कीड़े ने काट लिया। घर पहुंचने पर परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो उसे सीएचसी लाया गया। जहां से डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल भेज दिया। लेकिन उसकी हालत में सुधार न होने पर गुरुवार रात परिजन उसे लखनऊ के एक निजी अस्पताल ले जा रहे थे। तभी उसकी रास्ते में मौत हो गई। उसकी मौत से पत्नी निर्मला, बेटे विशाल, अनुराग व बेटी आरती रो-रोकर बेहाल हैं।

दादी को अकेला छोड़ पोते ने लगाई फांसी

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। बुजुर्ग दादी अपने पोते के साथ गांव में रह रही थी,जबकि उसका बेटा-बहू और बच्चे दिल्ली में थे। गुरुवार की शाम को दादी को अकेला छोड़ कर घर से बाहर निकले पोते ने दुपट्टे से फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। बताया गया है कि सुरसा थाने के पेंग निवासी सुदामा का 19 वर्षीय पुत्र दीपू अपनी बुजुर्ग दादी गुड्डी देवी के साथ गांव में रहता था,जबकि उसके पिता सुदामा अपनी पत्नी सुनीता के अलावा तीन बेटों शोभित,सनोज व आकाश और इकलौती बेटी के साथ दिल्ली में रहता था। गुरुवार की शाम को दीपू घर पहुंचा,कुछ देर बाद दादी को अकेला छोड़ कर फिर बाहर चला गया। काफी देर बाद देखा गया कि दीपू का शव घर से करीब 50 मीटर दूर दक्षिण की तरफ दुपट्टे से बंधा गूलर के पेड़ से लटक रहा था। दीपू ने ऐसा कदम क्यों उठाया ? इस बारे में कोई कुछ बता नहीं पा रहा है,वहीं पुलिस वजह तलाशने में जुटी है।

जयंती पर याद किए गए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मदारी पासी

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। भाजपा कार्यालय पर शुक्रवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मदारी पासी की जयंती पर भाजपाइयों ने पुष्प अर्पित कर उनके विचारों और संघर्षों को याद किया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने बताया कि मदारी पासी का जन्म लगभग सन 1860 में मोहनखेड़ा गांव, संडीला तहसील, हरदोई में हुआ था। वह दलित पासी समुदाय के साधारण किसान के पुत्र थे। ब्रिटिश साम्राज्य की बर्बरता के विरुद्ध किसानों के हित में आवाज उठाई और ब्रिटिश साम्राज्यवाद, जमींदारों व तालुकदारों के अत्याचारों के खिलाफ लड़े। उनका जीवन गरीब किसानों व मजदूरों की एकजुटता पर केंद्रित था, लेकिन मुख्यधारा के इतिहास में उनका योगदान कम ही उभारा गया। उनका सबसे बड़ा योगदान वर्ष 1920-1921 में शुरू किया एका आंदोलन था, जिसने जमीनी स्तर पर लोगों को जड़ अंग्रेजों की जड़े हिला दी। एका आंदोलन में मदारी पासी ने हरदोई, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली, खीरी आदि जिलों में लोगों को जोड़ना शुरू किया।

मदारी पासी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते भाजपाई। अमृत विचार

बैठक में उपस्थित रहे जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री, कर्मवीर सिंह, सिद्ध प्रताप मौर्य, संदीप सिंह, संजय सिंह, विनोद राठौर, महामंत्री अनुराग मिश्र, ओम वर्मा, मंत्री अविनाश पांडे, नगर पंचायत कछौना अध्यक्ष राधारमण शुक्ला मौजूद रहे।

आगामी कार्यक्रमों को लेकर पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक: जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने आगामी कार्यक्रमों पर कहा कि भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पूरे जनपद में भूमधाम से मनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके साथ सभी विद्यालयों में अलग अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। जनपद के सभी क्षेत्रों में पद यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें समाज के सभी धर्म और वर्गों का साथ होगा।

आज आएंगे जिले के प्रभारी मंत्री असीम अरुण: शनिवार को एक बजे भाजपा कार्यालय पर जिले के प्रभारी मंत्री असीम अरुण, जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन पत्रकारों के साथ वार्ता करेंगे।

मां ने बड़े बेटे को बाहर भेजा और छोटे को कमरे में बंद कर लगाई फांसी

संवाददाता, हरदोई

- शहर के कृष्ण नगरिया चौहान थोक का मामला

अमृत विचार। जोशीमठ में तैनात सैनिक की पत्नी ने बड़े बेटे को घर से बाहर भेज दिया और छोटे बेटे को कमरें में बंद कर दुपट्टे से फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। जैसा कि बताया गया है कि सैनिक की पहली पत्नी ने भी इसी तरह आत्महत्या की थी,करीब 10 साल पहले उसने दूसरी शादी की और दूसरी पत्नी ने भी आत्महत्या कर ली। पुलिस का कहना है कि फिलहाल ऐसी कोई तहरीर नहीं आई है,आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बताया गया है कि कोतवाली शहर के कृष्ण नगरिया (चौहान थोक) निवासी अरुण राठौर सैनिक है और जोशीमठ में तैनात है। अरुण राठौर दीपावली पर घर आया हुआ था,बुधवार को घर में 35 वर्षीय पत्नी विनीता के अलावा दो बेटों को छोड़ कर ड्यूटी पर चला गया। उसके अगले ही दिन गुरुवार की दोपहर विनीता ने बड़े बेटे को बाहर भेज दिया और छोटे बेटे को कमरें में बंद कर दूसरी मंज़िल पर पहुंची,वहां उसने कमरें के दरवाज़े के रोशनदान में दुपट्टे से फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। उधर कुछ देर बाद बड़ा बेटा वापस लौटा और कमरे. में अपने भाई के रोने की आवाज़ सुन कर उसे बाहर निकाला,उसके बाद दोनों भाई मां को ढूंढते हुए छत पर पहुंचे जहां उनकी मां का शव फांसी पर लटक रहा था। बताते है कि अरुण राठौर की पहली पत्नी से एक बेटी थी,जिसकी शादी हो चुकी है। पहली पत्नी ने भी इसी तरह से आत्महत्या की थी,विनीता दूसरी पत्नी थी,उससे दो बेटे है। जैसा कि आस-पड़ोसी कह रहें है कि विनीता पति के साथ रहना चाहती थी, लेकिन पति उसे साथ नहीं रखना चाहता था,उसी को ले कर वह तनाव में रहती थी। घर वालों ने आनन-फ़ानन में शुक्रवार को शव का अंतिम संस्कार कर दिया,पुलिस का कहना है कि उसे ऐसे मामले की जानकारी नहीं है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई होगी।

इकनौरा ईंट-भट्ठे के पास हुआ हादसा, बाइक सवार की गयी जान

हरदोई, अमृत विचार। बिल्हौर-कटरा हाई-वे पर इकनौरा ईंट-भट्ठे के पास बगज़ार से वापस लौट रहे बाइक सवार को तेज़ रफ्तार गाड़ी ने टक्कर मार दी,जिससे वह बुरी तरह ज़ख्मी हो गया,उसे सीएचसी पहुंचाया गया,लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि हरपालपुर कोतवाली के निकारी निवासी कमलेश का 19 वर्षीय पुत्र विकास शुक्रवार की शाम को हरपालपुर की बाज़ार गया हुआ था और वहीं से देर शाम घर लौट रहा था। उसी बीच बिल्हौर-कटरा हाई-वे पर इकनौरा ईंट-भट्ठे के पास सामने से आ रही तेज़ रफ्तार गाड़ी ने उसे ज़ोरदार टक्कर मार दी,जिससे विकास के सिर में गहरी चोंट पहुंची। उसे एंबुलेंस-108 से सीएचसी हरपालपुर पहुंचाया गया,लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेते हुए हादसे की जांच शुरू कर दी।

पीडब्ल्यूडी के श्रमिक पर्यवेक्षक की कार में मौत

संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। पीडब्लयूडी में तैनात श्रमिक पर्यवेक्षक अपनी पत्नी,ससुर व भाई के साथ दवाई लेने लखनऊ गया हुआ था,वहीं से वापस लौट रहा था। सण्डीला पहुंचते ही तबियत बिगड़ गई। उसे मेडिकल कालेज पहुंचाया जाता,लेकिन उससे पहले ही कार के अंदर ही मौत हो गई। बताया गया है कि टड़ियावां थाने के नयापुरवा निवासी 45 वर्षीय अनिल कुमार पुत्र राजेंद्र प्रसाद पीडब्लयूडी में बतौर श्रमिक पर्यवेक्षक के पद पर कोयल बाग़ कालोनी (जेल रोड) स्थित स्टोर में तैनात था। अनिल कुमार बीमार था,उसका लखनऊ से इलाज चल रहा था। शुक्रवार को पत्नी रिंकी,ससुर राकेश और छोटे भाई अमित के साथ दवाई लेने कार से लखनऊ गया हुआ था,वहीं से वापसी हो रही थी। ससुर राकेश ने बताया कि सण्डीला पहुंचते ही अनिल की तबियत बिगड़ गई। वहां से उसे ले कर सीधे मेडिकल कालेज के लिए दौड़ पड़े,लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उसकी कार के अंदर मौत हो गई। अनिल के परिवार में उसके तीन बेटे है। पुलिस का कहना है कि तहरीर आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टेंट व्यवसायी की हादसे में मौत पुलिस ने पहुंचाया था सीएचसी

रफ्तार की मार

संवाददाता, हरदोई

- पत्नी को ससुराल छोड़कर लौट रहा था, जांच-पड़ताल में जुटी पुलिस

अमृत विचार। भैया दूज वाले दिन पत्नी को ससुराल छोड़ कर बाइक से वापस लौट रहा टेंट व्यवसायी हादसे का शिकार हो गया,पुलिस ने उसे ज़ख्मी हालत में सीएचसी अहिरोरी पहुंचाया,वहां से मेडिकल कालेज के लिए रिफर कर दिया गया,लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई।

बताया गया है कि टड़ियावां थाने के हरसिंह पुर मजरा मनीपुर निवासी 50 वर्षीय शिवमंगल पुत्र लक्ष्मण खेती के अलावा टेंट का व्यवसाय करता था। गुरुवार को भैया दूज था,शिवमंगल पत्नी रामकांती को उसके मायके सोहासा थाना टड़ियावां गया,वहां से गांव जाने के लिए निकला था। गुरुवार की रात सीतापुर रोड पर गश्त कर रही पुलिस को बेनीगंज कोतवाली के शुक्लापुर पेट्रोल पंप के सामने तीन लोग ज़ख्मी हालत में पड़े देखे और उन्हे एम्बुलेंस-108 से सीएचसी अहिरोरी पहुंचाया। उन तीनों में शिवमंगल के अलावा टड़ियावां थाने के सेमरौली निवासी दुर्गेश और विपिन था।

शिवमंगल की हालत को देखते हुए उसे सीएचसी से मेडिकल कालेज रिफर कर दिया गया,लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। शिवमंगल के परिवार में दो बेटे विमलेश व लालू के अलावा दो बेटियां है,विमलेश की शादी हो चुकी है,जबकि एक बेटी की शादी तय हो चुकी थी।

सगे भाई ने बहन को चाकू से गोदकर उतारा था मौत के घाट

फालोअप

- पुलिस की जांच-पड़ताल व हिरासत में लिये गए लोगों से पूछताछ के बाद हुआ खुलासा
- पुलिस ने हत्या के आरोपी सगे भाई को गिरफ्तार कर आलाकत्ल किया बरामद

गंजमुरादाबाद उन्नाव

पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी।

अमृत विचार। कोतवाली बांगरमऊ क्षेत्र के गांव चिंगर पुरवा में हुए चर्चित किशोरी हत्याकांड में शुक्रवार को नया मोड़ आ गया। पुलिस की जांच में घटना आनर किलिंग की निकली। किशोरी की हत्या उसके सगे भाई ने ही की थी। जबकि मृतका की बुआ की रिपोर्ट में दर्ज कराए गए आरोपी बेगुनाह साबित हुए। पुलिस ने घटना का पर्दाफाश कर हत्यारे भाई को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर आलाकत्ल चाकू भी बरामद कर लिया है।

बता दें कि बीते गुरुवार बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव चिंगर पुरवा में 16 वर्षीय आरती पुत्री अमर सिंह की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। घटना की चश्मदीद मृतका की बुआ सोनी के बयान व दूसरी बुआ रेखा की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी राजेश पुत्र गुड्डू के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी राजेश की मां को हिरासत में लिया था। आरोपी की मां से पूछताछ के दौरान पुलिस के हाथ अहम सुराग लग गए। इसके आधार पर पुलिस ने मृतका के भाई अंकित को हिरासत में लेकर पूछताछ की। तब अंकित ने अपनी सगी बहन की हत्या का राज उगल दिया। उसने पुलिस को बताया कि आरती किसी लड़के से फोन पर बात करती थी। परिवार की बदनामी के डर से उसने बहन को एकांत में बुलाया और चाकू से कई वार कर मौत के घाट उतार दिया। सीओ संतोष सिंह ने बताया कि मृतका की बुआ द्वारा आरोपी बनाए गए राजेश का घटना से कोई संबंध नहीं मिला है। भाई ने गुनाह कबूल कर लिया है और उसकी निशानदेही पर आलाकत्ल चाकू भी बरामद कर लिया गया है। मृतका के भाई के विरुद्ध कार्यवाही कर उसे कोर्ट में पेश किया गया है।

फुटेज में भाई के साथ दिखी थी किशोरी

घटना के दिन गुरुवार सुबह अंकित ही पड़ोसियों से गाली-गलौज की शिकायत करने बहन आरती को पुलिस चौकी ले गया था। सीसीटीवी फुटेज में भाई को आरती के साथ देख पुलिस का शक गहरा गया। इसी आधार पर पुलिस ने मृतका के भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की और घटना का खुलासा हो गया।

भतीजे को बचाने के लिये किया था गुमराह

सगे भतीजे को बचाने के लिए बुआ सोनी ने झूठ बोलकर पुलिस को गुमराह किया था। बुआ लगातार बयान दे रही थी कि पड़ोसी राजेश ने ही आरती की हत्या की है।

अंकित चलाता था परिवार का खर्च

ग्रामीणों के अनुसार मृतका का पिता अमर सिंह गंभीर बीमारी से ग्रस्त है और वह कोई भी काम करने में असमर्थ है। ऐसे में बड़ा बेटा अंकित ही दिल्ली आदि शहरों में मजदूरी कर परिवार का खर्च उठाता है। अंकित के जेल जाने के बाद अब घर में मां सोमवती के अलावा 12 वर्षीय बहन पूर्णिमा व छोटा भाई 8 वर्षीय अभिषेक बचे हैं। इससे परिवार के भरण-पोषण हेतु अब कोई सदस्य नहीं रह गया है।

राजेश ने अंकित को बताई थी आरती की करतूत

गांव में चर्चा है कि अंकित दीपावली के एक दिन पूर्व ही दिल्ली से कमाकर घर लौटा था। तब पड़ोसी राजेश ने आरती के करतूत की जानकारी उसको दी थी और यह भी बताया था कि आरती का एक वीडियो भी उसके पास है। यह सुनकर उसे समाज में बदनामी का डर सताने लगा था।

कार की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को पीटकर घर से निकाला, रिपोर्ट दर्ज

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार। हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के अमोदया गांव निवासी मिथलेश कुमारी उर्फ रिंकी पुत्री रमेश चन्द्र शुक्ला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 26 अप्रैल 2016 को सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के बम्हना गांव निवासी आशीष पुत्र सर्वेश तिवारी से हुई थी। शादी में माता-पिता ने दहेज में 15 लाख रुपये खर्च किये थे। एक वर्ष तक सब ठीक रहा। इस बीच उसने एक बेटे को जन्म दिया। उसके बाद ससुरालियों का बर्ताव बदल गया। पति आशीष, ससुर सर्वेश, सास पूर्णिमा, चचिया ससुर राजू तिवारी, ननद निशू अवस्थी ने दहेज में कार की मांग शुरू कर दी। जब मांग पूरी होती नहीं दिखी तो ससुरालीजन उससे मारपीट करने के साथ खाने पर पाबंदी भी लगाने लगे। आरोप है कि पति आशीष ने दूसरी महिला से अवैध संबंध बना लिए। जब उसने मना किया तो वह उससे मारपीट कर जान से मार की देने धमकी देने लगा। इस पर उसने इसकी शिकायत थाना पुलिस व उच्चाधिकारियों से की। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद 6 अक्टूबर 2025 की शाम 6 बजे पति व ससुरालीजनों ने उसे व उसके बच्चों को चाकू व लात-घूसों से मारा पीटा और गहने व कपड़े छीनकर घर से निकाल दिया। एसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

मारपीट की तीन घटनाओं में नौ लोग घायल, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, सफीपुर, उन्नाव

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र में मारपीट की तीन अलग-अलग घटनाएं सामने आईं। जिनमें नौ लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी सफीपुर में भर्ती कराया गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। पहला मामला कस्बे के मोहल्ला किलाबाजार का है। जहां घायल सागर पुत्र सुरेश ने पुलिस को बताया कि सुबह साढ़े 10 बजे बच्चों के खेल को लेकर विवाद हो गया।

आरोप है कि मोहल्ले के रतन, सौरभ, राजा व क्रियांशू गालीगलौज करने लगे। बीच-बचाव करने पर आरोपियों ने उस पर कड़ियों व ईंटों से हमला कर उसे घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। दूसरी घटना सुब्बाखेड़ा गांव की है। जहां सुन्दारा ने बताया कि रात में वह अपनी बेटी अनीता के साथ घर पर थी। तभी अनीता का पति बलीराम निवासी फाजिलपुर साथी कल्लू के साथ वहां पहुंचा और शराब के लिए पैसे मांगने लगा। मना करने पर दोनों ने मिलकर मारपीट की। जिससे वह घायल हो गई।

तीसरी मारपीट गदनाखेड़ा गांव में हुई। इसमें सुशीला पत्नी रामजीवन ने दी तहरीर में बताया कि देररात पड़ोसी कपिल, मदन व रामभजन घर के बाहर गालीगलौज कर रहे थे। मना करने पर लोहे की राड व बाका से सुशीला की बेटी वंदना पर हमला कर दिया। बीचबचाव में सुशीला, उसका पुत्र रजनीश व पति रामजीवन भी घायल हो गए। एसओ ने बताया कि तीनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पैदल जा रही महिला को बाइक ने मारी टक्कर, दो महिलाओं समेत चार घायल

फतेहपुर चौरासी उन्नाव, अमृत विचार। थानाक्षेत्र के गांव कठिघरा निवासी 60 वर्षीय परमेश्वरी शुक्रवार सुबह घर से पैदल गेहूं का बीज लेने कस्बा फतेहपुर चौरासी आ रही थी। सुबह 11 बजे उन्नाव-हरदोई मार्ग पर गांव के सामने ही पहुंची थी कि तभी बांगरमऊ स्टेशन रोड निवासी रंजीत अपनी मां नन्ही व पड़ोसी आशू के साथ बाइक से दवा लेकर सफीपुर से वापस लौटते समय महिला को टक्कर मार दी। इसमें चारों लोग गंभीर घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी लाया गया। जहां डाक्टर ने दोनों महिलाओं को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। एसओ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नदी में कूदा युवक, लोगों ने बचाया

फतेहपुर चौरासी उन्नाव। कालीमिट्टी-शिवराजपुर मार्ग पर कल्याणी पुल से एक युवक ने छलांग लगा दी। आसपास मौजूद लोगों ने काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला। क्षेत्र के गांव तालिबपुर रहली निवासी 30 वर्षीय सुरेश शुक्रवार दोपहर कस्बा फतेहपुर चौरासी से घर जा रहा था। तभी उसने अचानक कल्याणी नदी पुल पर बाइक खड़ी की और नदी में कूद गया। आसपास मौजूद लोगों ने रस्सी के सहारे नदी से युवक को बाहर निकाला।

रुदौली विधायक के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी, केस दर्ज

मवई, अयोध्या, अमृत विचार। रुदौली विधायक रामचंद्र यादव के खिलाफ अमर्यादित और भड़काऊ टिप्पणी का मामला सामने आया है। इस संबंध में नगर पंचायत मां कामाख्या निवासी पंकज यादव ने थाना बाबा बाजार में तहरीर देकर इलियास अहमद, नदीम अहमद और अनिल यादव के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। बताया गया कि इलियास अहमद की फेसबुक आईडी पर नदीम अहमद द्वारा समय-समय पर भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट किए जाते हैं, जिन्हें बाद में हटा दिया जाता है। पंकज ने तहरीर में कहा है कि नदीम अहमद की फेसबुक आईडी से एक अन्य पोस्ट की गई, जिसमें रुदौली के एसडीएम के तबादले संबंधी जानकारी डालकर टिप्पणी की गई।

चोरों ने ग्राम प्रधान के मकान से जेवर व नकदी उड़ाई, जांच शुरू

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। बीती रात ग्राम प्रधान के घर को निशाना बनाकर चोर जेवर व नगदी उठा ले गए। जानकारी पर पहुंची पुलिस जांच कर चोरी के खुलासे में जुटी है। माखी थानाक्षेत्र के हमीरपुर गांव निवासी संगीता वर्मा पत्नी अरविंद वर्तमान में अहरा डड़िया गांव की प्रधान हैं। उनका एक मकान मुंशीगंज-अजगैन मार्ग पर खड़हरा गांव के पास कम आबादी वाली जगह पर बना है। प्रधान ने बताया कि भाईदूज पर वह मायके गई थी। घर पर उनके ससुर रामनारायण, देवर त्रिभुवन व सास माया देवी थी। गुरुवार रात खाना खाकर सभी सोने चले गए। तभी मेन गेट से घर में घुसे चोर कमरे बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर व 45 हजार उठा ले गए। सुबह जानकारी होने पर गृहस्वामी की सूचना पहुंची पुलिस ने जांच की। बताया जाता है कि मकान सुनसान जगह बना है। इसके बावजूद किसी भी कमरे में ताला नहीं लगा था। बता दें कि बीती 5 अक्टूबर की रात ग्राम प्रधान के मकान से करीब 100 मीटर आगे हमीरपुर गांव निवासी विनय द्विवेदी की किराने की दुकान को भी चोर निशाना बनाकर सामान व नगदी सहित करीब डेढ़ लाख का सामान ले गए थे। पीड़ित के तहरीर देने के बाद भी चोर अभी तक नहीं पकड़े गए। एसओ योगेश सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी पर जांच की गई है। शीघ्र खुलासे का प्रयास किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

आज जिले के भ्रमण पर रहेंगे प्रभारी मंत्री

उन्नाव, अमृत विचार। पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनीतिक पेंशन व जिले के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह 25 अक्टूबर को 11 बजे भाजपा कार्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह पर आयोजित अभियान बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद वह निरीक्षण भवन लोक निर्माण विभाग में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से वार्ता करेंगे। विकास भवन में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती समारोह के प्रबंधन के संबंध में जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। फिर प्रेस वार्ता करने के बाद नवाबगंज में अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक अरुण सिंह की माता जी के निधन पर शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना देने जाएंगे।

पंखे में आ रहे करंट से किशोर झुलसा, रेफर

नवाबगंज, उन्नाव, अमृत विचार। असोहा थानाक्षेत्र के मोहनी खेड़ा गांव निवासी सर्वेश परिवार के साथ शुक्रवार को धान काटने गया था। दोपहर को सभी घर वापस लौटे। तभी घर के बाहर लगा फर्राटा पंखा अचानक उसके 13 वर्षीय बेटे नरेंद्र ने छू लिया। पंखे में आ रहे करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। जिसे आनन फानन परिजन एंबुलेंस से नवाबगंज सीएचसी ले गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

दबंगों ने युवक को पीटा मामला दर्ज

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। सहजनी के बाबा खेड़ा गांव निवासी अंकित रावत ने बताया कि वह गुरुवार शाम छह बजे सब्जी खरीदकर घर लौट रहा था। आरोप है कि निर्मल नगर के पास उसे सहजनी निवासी राज, नीरज, नितेश व फत्तेपुर निवासी विवेक ने रोक लिया और पुरानी खुन्नस को लेकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर दोनों ने लाठी-डंडों से हमला कर उसे घायल कर दिया। शोर सुन आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपी भाग निकले। पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोजगार मेला 28 अक्टूबर को

उन्नाव। जिला सेवायोजन अधिकारी ने कहा कि डीएसएन महाविद्यालय में 28 अक्टूबर को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 5 से 7 कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी। इसमें 18 से 35 आयु वर्ग के कक्षा 10 से स्नातक तक के अभ्यार्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। साक्षात्कार के लिये अपने सभी शैक्षिक प्रमाणपत्र जरूर लाये और रोजगार संगम पोर्टल पर अपना पंजीयन कराना सुनिश्चित करें।

शिक्षकों के सुझाव से सुधारेंगे जिले की रैंकिंग

उन्नाव, अमृत विचार। प्रदेश में उन्नाव को अच्छी रैंकिंग मिले इसके लिए जिले के बीईओ के माध्यम से बेसिक स्कूलों के शिक्षकों, शिक्षामित्रों व अनुदेशकों से 2 से 5 तक सुझाव मांगे गए हैं। ताकि प्रदेश में जिले का नाम रोशन हो सके। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमिता सिंह ने कहा कि सुझाव विद्यान्जलि पोर्टल पर दिए जाने चाहिए ताकि शासन स्तर की समीक्षा बैठक में आपके द्वारा दिए गए सुझाव को समाहित किया जा सके।

युवा उत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम व विज्ञान मेला प्रदर्शनी 1 नवंबर को

उन्नाव, अमृत विचार। युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग के तत्वाधान में जिला स्तरीय एक दिवसीय युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन डीएसएन कॉलेज में 1 नवंबर को होगा। इसमें सांस्कृतिक कार्यकम व विज्ञान मेला प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। जानकारी देते हुए जिला युवा कल्याण अधिकारी ने कहा कि युवा उत्सव के अन्तर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम में समूह नृत्य, समूह गायन, कहानी लेखन, कविता लेखन, भाषण व पेंटिंग (चित्रकारी) आदि विधाओं की प्रतियोगिताएं करायी जायेंगी। इसमें प्रतिभाग करने वाले युवाओं की उम्र 1 सितम्बर 2025 को 15 से 29 वर्ष के मध्य होनी अनिवार्य है। विज्ञान मेले में युवा वैज्ञानिकों को अपने मॉडल, हुनर को दिखाने का अवसर मिलेगा। सर्वश्रेष्ठ 3 युवा वैज्ञानिकों को पुरस्कृत करते हुए जोन स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि जिले के इच्छुक कलाकार, प्रतिभागी, युवा वैज्ञानिक शिक्षण संस्थान, संगीत महाविद्यालय, विज्ञान व प्रौद्योगिक शिक्षण संस्थान आदि रजिस्ट्रेशन के लिये किसी भी कार्यदिवस में 31 अक्टूबर तक जिला कार्यालय विकास भवन प्रथम तल कक्ष संख्या-63, 64 में उपस्थित होकर आवेदन पत्र ले सकते हैं या फोन नं-7388055431 पर भी सम्पर्क कर सकते हैं। इसमें प्रतिभागियों को रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है।

सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की गई जान

लोडर की टक्कर से महिला की मौत, बेटी व भतीजा गंभीर, मायके से लौटते समय हुआ हादसा

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। भैयादूज पर मायके गई महिला की तेज रफ्तार लोडर की टक्कर से मौत हो गई। हादसे में उसकी बेटी व बाइक चला रहा भतीजा (बहन का बेटा) गंभीर घायल हो गए। जिनका अलग-अलग निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के गदनखेड़ा निवासी विमला (42) पत्नी मोतीलाल गुरुवार को भैयादूज पर बेटी संध्या के साथ अजगैन कोतवाली क्षेत्र के बिचपरी गांव अपने मायके गई थी। जहां से रात होने पर लखनऊ के स्कूटर इंडिया निवासी बहन शिवप्यारी पत्नी मटरू का बेटा दीपक मां-बेटी को छोड़ने जा रहा था। तभी दही थानाक्षेत्र के वर्कशॉप मोड़ पर तेज रफ्तार लोडर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। उछलकर सड़क पर गिरने से मां-बेटी व भतीजा गंभीर घायल हो गये। पुलिस ने तीनों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं संध्या व दीपक को जिला अस्पताल से रेफर किया गया। दीपक को परिजनों ने लखनऊ व संध्या को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव का पोस्टमार्टम कराया। पत्नी की मौत से पति बेहाल रहा। वहीं मां की मौत से उसके 7 बच्चों में बेटियां नेहा, नगीता, विनीता, सीमा, प्रियांशी व बेटा रूपेश बेहाल हैं। एसओ अवनीश सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मूक-बधिर की गई जान

उन्नाव। लखनऊ के बक्शी का तालाब थानाक्षेत्र के कठवारा गांव निवासी रामू सिंह (26) व पुत्र दिलीप मूकबधिर था। वह कई साल से कानपुर-लखनऊ हाईवे स्थित एक फैक्ट्री में श्रमिक था। गुरुवार देरशाम ड्यूटी के बाद दो साथियों के साथ वह बाइक से लौट रहे था। तभी सोहरामऊ थानाक्षेत्र के कानपुर-लखनऊ हाईवे स्थित बजेहरा मोड़ पर अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें उसे गंभीर चोटें आ गईं। वहीं उसके साथी भी घायल हो गए। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें नवाबगंज सीएचसी भेजा। जहां चिकित्सक ने रामू को मृत घोषित कर दिया। रामू तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। बड़े भाई शिवम ने बताया कि रामू की शादी अभी 6 माह पूर्व कानपुर निवासी अपूर्व से हुई थी। वह भी मूकबधिर है। इसकी खबर से वह व मां पूनम का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द किया है।

अनियंत्रित स्कूटी डिवाइडर से टकराई, एक की मौत

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस व खड़ी स्कूटी। अमृत विचार

नवाबगंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के रजवाखेड़ा गांव निवासी शिवम (45) पुत्र प्रेम सिंह थापा शुक्रवार को कानपुर के केडीए निवासी मित्र सोनू पुत्र भीम विश्वकर्मा के साथ स्कूटी से लखनऊ गया था। दोपहर में लौटते समय अजगैन कोतवाली अंतर्गत हाईवे पर चमरौली मोड के पास स्कूटी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इसमें स्कूटी सवार दोनों युवक गंभीर घायल हो गये। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को सीएचसी नवाबगंज पहुंचाया। चिकित्सक ने शिवम को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शिवम पेशे से चालक था। जिसकी 3 वर्ष पहले शांति से शादी हुई थी। उसके एक बेटा अनिरुद्ध है। अजगैन कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है।

अब सीसीटीवी से लैस होगा गंगाघाट रेलवे स्टेशन

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। कानपुर-लखनऊ रेल मार्ग स्थित गंगाघाट रेलवे स्टेशन को अब सुरक्षा के तहत सीसीटीवी कैमरों से लैस किया जा रहा है। स्टेशन परिसर व प्लेट फार्मों पर गतिविधियों की निगरानी के लिए यहां जल्द ही सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। शुक्रवार को कंपनी कर्मचारी स्टेशन पहुंचे और निरीक्षण कर तकनीकी सर्वेक्षण किया।

रेलटेल के माध्यम से स्टेशन पर कुल 8 हाई-रेजोल्यूशन कैमरे लगाए जाएंगे। इनकी मॉनिटरिंग उन्नाव से कंट्रोल रूम के जरिए की जाएगी। पूरे प्रोजेक्ट के तहत लगभग 1684 रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी स्थापना का कार्य चल रहा है, जिसके लिए लगभग 330 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया गया है। गंगाघाट से लेकर मानक नगर तक कुल दस स्टेशनों पर कैमरे लगाए जाने हैं, जिनमें कुल 118 कैमरों की स्थापना की जाएगी। इस कार्य का ठेका शुभम कुमार साव की कंपनी को दिया गया है और शनिवार से इंस्टॉलेशन कार्य शुरू हो जाएगा।

जानकारी के अनुसार गंगाघाट स्टेशन पर दो कैमरे कानपुर पुल बायां किनारा बोर्ड के पास, दो कैमरे ऋषि नगर केबिन क्षेत्र में तथा चार कैमरे प्लेटफार्म और मुख्य यात्री क्षेत्र में लगाए जाएंगे। इन कैमरों का मुख्य फोकस ट्रेनों की आवाजाही और प्लेटफार्म की सुरक्षा पर रहेगा। रेलवे की मानें तो कैमरे लगने से सुरक्षा व्यवस्था और भी मजबूत होगी, साथ ही इसके जरिए असामाजिक तत्वों पर भी प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी।

अलग-अलग स्थानों पर 3 लोगों ने दी जान

उन्नाव, अमृत विचार। अलग-अलग गावों में दो अधेड़ के शव पेड़ पर लटके मिलने से परिजनों में चीख पुकार मच गई। वहीं एक युवक ने पत्नी से विवाद के बाद कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। संबंधित क्षेत्रों की पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं। जिनमें सभी की मौत हैंगिंग से होने की पुष्टि हुई है।

- घटना के बाद से परिजनों में मचा कोहराम

फंदे से लटका मिला किसान का शव

माखी थानाक्षेत्र के बिरसिंहपुर गांव निवासी शिव भोला (55) पुत्र स्व. टीका खेती करता था। गुरुवार रात वह गांव के बाहर अपने खेत में खड़ी धान की फसल की रखवाली करने गया था। काफी समय बाद भी उसके न लौटने पर परिजन उसे तलाश करने खेत पहुंचे तो वह वहां नहीं मिला। शुक्रवार सुबह पड़ोसी राजबहादुर अपने खेत गया तो वहां शिव भोला का शव आम के पेड़ में गमछे से लटका देख उसके होश उड़ गए। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसे नीचे उतारकर पुलिस को सूचना दी। पति की मौत से पत्नी मंजू सहित बेटे बबलू, रवि करन, शशि करन व विवाहित बेटियां बेहाल हैं।

बकाएदारी से ऊबे अधेड़ ने फांसी लगाई

माखी के रुपऊ गांव निवासी प्रभु दयाल (55) पुत्र ठाकुर प्रसाद खेती करता था। वह जुएं का भी लती था। चर्चा है कि उस पर लोगों का काफी रुपया बकाया था। शुक्रवार सुबह घर से 50 मीटर आगे नीम के पेड़ पर उसका शव रस्सी के फंदे से लटका देख ग्रामीणों में सनसनी फैल गई। पति का शव देख पत्नी सुशीला बेहाल हो गई। प्रभु दयाल के तीन बेटों में मनोज, ब्रजेश व दिनेश में दिनेश की उसकी ससुराल में कई साल पूर्व संदिग्ध मौत हो गई थी। बेटे के मौत के मुकदमे की पैरवी प्रभु दयाल कर रहा था। बेटे मनोज ने बताया कि केस का निर्णय भी होने वाला है। लेकिन आत्महत्या करने की वजह परिजन नहीं बता सके। एसओ योगेश सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिये गए हैं।

पत्नी से मारपीट के बाद युवक ने की खुदकुशी

उन्नाव, अमृत विचार। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के चमियानी गांव निवासी अमर सिंह (48) पुत्र छोटेलाल दिहाड़ी मजदूर था। गुरुवार को उसके पड़ोसी के यहां जन्मदिन की पार्टी थी। सभी लोग वहां गए थे। खाना खाकर वह लौट आया लेकिन पत्नी पिंकी काफी देर बाद लौटी। इसे लेकर दोनों में कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर पत्नी छत पर चली गई। इसी बीच अमर कमरा बंद कर साड़ी के फंदे से लटक गया। नीचे आई पत्नी ने दरवाजा बंद देख शोर मचाया। इस पर खिड़की तोड़कर उसे नीचे उतारकर सीएचसी लाया गया। जहां जांच के बाद डॉ. आदर्श सचान ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के मेमो पर पुलिस ने शव मोर्चरी भेजा। अमर सिंह शराब का लती था। इससे उसकी पहली पत्नी रेखा उसे छोड़ गई थी। उससे एक बेटा आशीष था। जिसकी परवरिश दादी प्रभु देई ने की। दूसरी पत्नी पिंकी ने भी नशे अक्सर मारपीट करने की बात बताई। पिंकी के चार बच्चों में सोनम, रिंकी, लक्ष्मी व बेटा आयुष हैं। कोतवाली प्रभारी अमरनाथ यादव ने बताया कि अस्पताल के मेमो पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

आज नहाय-खाय से शुरू होगा छठ महापर्व

शुक्लागंज, अमृत विचार। आस्था व लोकपरंपरा का महान पर्व छठ आज नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। घाटों पर पूजा-अर्चना व सूर्योपासना की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। इस बार गंगा में आई बाढ़ के कारण नगर के अधिकांश घाट उबड़-खाबड़ और गंदगी से पटे हुए थे, जिसके मद्देनज़र पालिका प्रशासन ने पिछले दो दिनों से युद्ध स्तर पर सफाई और समतलीकरण का कार्य कराया।

मिश्रा कॉलोनी घाट से लेकर नमामि गंगे घाट तक फैली गंदगी को हटाकर सफाई कर्मियों ने लगातार झाड़ू लगाने के साथ मिट्टी समतल करने का काम किया। शुक्रवार को भी पालिका की टीम घाटों पर सक्रिय रही और चूना छिड़काव के साथ स्थान को स्वच्छ व सुरक्षित बनाया गया। ईओ ने बताया कि गंगा विशुन घाट से लेकर नमामि गंगे घाट तक रोशनी की विशेष व्यवस्था की गई है। मैथिल नव चेतना समिति के अध्यक्ष सुनील झां ने बताया कि पूर्वांचल के इस प्रमुख पर्व में पहले दिन गंगा स्नान के बाद सात्विक भोजन के रूप में लौकी-चना दाल और चावल का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा है।

छठ पर्व के अनुष्ठान

25 अक्टूबर	नहाय-खाय
26 अक्टूबर	खरना (छोटी छठ)
27 अक्टूबर	संध्या अर्घ्य (अस्त सूर्य को अर्घ्य)
28 अक्टूबर	उदयाचल सूर्य को अर्घ्य व पारण

छात्र संख्या कम मिलने पर नाराज हुई बीएसए मांगा स्पष्टीकरण

उन्नाव, अमृत विचार। बेसिक शिक्षा अधिकारी अमिता सिंह ने शुक्रवार को बिछिया ब्लाक के पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय टीकर गढ़ी व उच्च प्राथमिक विद्यालय टीकर गढ़ी का निरीक्षण किया तो उन्हें वहां छात्रों की संख्या बहुत कम मिली। साथ ही विद्यालय में साफ सफाई भी नहीं मिली। यहां तक उच्च प्राथमिक विद्यालय में केवल चार छात्र ही दिखे। शिक्षकों की उपस्थिति तो शत-प्रतिशत थी मगर छात्रों की संख्या न होने से नाराज बीएसए ने सभी शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा है। बता दें कि सांसद साक्षी महाराज द्वारा ग्राम पंचायत टीकर गढ़ी को गोद लिया गया था। जिससे ग्रामीणों ने उस समय खुशी जताई थी। उन्हें उम्मीद थी कि अब उनकी ग्राम पंचायत का विकास होगा। वहीं, पूर्व में उच्च प्राथमिक विद्यालय में विवाद के चलते तीन शिक्षक-शिक्षिकाओं को निलंबित कर अन्य विद्यालय से दो शिक्षकों को सम्बद्ध कर शिक्षण कार्य कराया जा रहा है।

महिला वार्ड में गंदी बेड शीट देख सीएमओ खफा

संवाददाता, नवाबगंज, उन्नाव

सीएचसी का निरीक्षण करते सीएमओ डॉ. सत्य प्रकाश। अमृत विचार

अमृत विचार। हाईवे स्थित सीएचसी पर अचानक सीएमओ के पहुंचने से कर्मियों में हड़कंप मच गया। सीएमओ ने ओपीडी, इमरजेंसी, महिला वार्ड आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई, रखरखाव, वार्ड की पुताई आदि के बारे में निर्देश दिये। उनके साथ एनएचएम के टेक्निकल पार्टनर कम्युनिटी एंपावरमेंट लैब प्रतिनिधि बीरल शाह, सत्य प्रकाश शुक्ला, कृष्णा सिंह भी मौजूद रहे।

कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार दोपहर अचानक सीएमओ डॉ. सत्य प्रकाश पहुंचे तो कर्मियों में हड़कंप मच गया। सीएमओ ने ओपीडी व इमर्जेंसी वार्ड का निरीक्षण कर मरीज को स्वास्थ्य सेवाएं देने के निर्देश दिये। इमरजेंसी में भर्ती मरीजों के तीमारदारों से इलाज संबंधी जानकारी ली। इसके बाद एसीएमओ डॉ. हरि नन्दन प्रसाद के साथ उन्होंने महिला वार्ड का निरीक्षण किया। जहां मौजूद स्टाफ नर्स से इस माह सीएचसी में प्रसव के लिए भर्ती हुई महिला मरीजों, प्रसव, डिस्चार्ज मरीजों आदि की जानकारी ली।

महिला वार्ड में गंदे बेडशीट देख नाराजगी जताई। मौजूद बीपीएम मलखान सिंह को वार्ड की दीवारों का रंग रोगन कराने व अन्य व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिये। इस दौरान डॉ. अखिलेश विक्रम, डॉ. शैलेन्द्र अस्थाना, डॉ. जितेंद्र सिंह, फार्मासिस्ट प्रदीप कुमार, विजय कुमार, स्टाफ नर्स दीपशिखा, कीर्ति आदि मौजूद रहे।

सपा और कांग्रेस ने एक्स पर किया पोस्ट

वायरल वीडियो पर सियासत गर्म

शुक्लागंज, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला श्रीनगर निवासी एक युवक द्वारा खुद पर पेट्रोल छिड़ककर वीडियो रिकॉर्ड करने का मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। गुरुवार को वायरल हुए वीडियो का समाजवादी पार्टी मीडिया सेल ने संज्ञान लेते हुए अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट किया है। साथ ही भाजपा नेतृत्व व प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए पोस्ट में किशोर की पीड़ा को शासन में पीड़ितों की अनदेखी का परिणाम बताया।

वीडियो में युवक ने भगवंतनगर विधानसभा क्षेत्र के एक जन प्रतिनिधि व उनके समर्थकों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। सपा मीडिया सेल की ओर से किए गए पोस्ट में कहा गया कि भाजपा नेता से परेशान होकर युवक ने आत्मदाह का प्रयास किया। आरोप यह भी लगाया गया कि भाजपा सरकार में पीड़ितों की कोई सुनवाई नहीं होती।

- जनप्रतिनिधि से परेशान युवक ने खुद पर छिड़का था ज्वलनशील पदार्थ

उल्टे उन्हें ही दबाव में रखा जाता है। सपा ने इसे उत्तर प्रदेश में पीड़ितों की बढ़ती संख्या का उदाहरण कहा है। मामले पर कांग्रेस ने भी प्रतिक्रिया देते हुए सरकार को घेरा। पार्टी ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि भगवंतनगर क्षेत्र के भाजपा नेता पर गंभीर आरोप लगे हैं और युवक व उसके परिवार को कथित रूप से लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। कांग्रेस ने कहा कि मानसिक व सामाजिक उत्पीड़न से त्रस्त होकर युवक ने आत्मदाह जैसा कदम उठाने की कोशिश की। जो सीधे सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण है। पोस्ट में यह भी कहा गया कि जनता जब खुद अपने जन प्रतिनिधियों से भयभीत होने लगे तो न्याय की आस कहां से करे। हालांकि, सोशल मीडिया पर वायरल राजनीतिक दलों के एक्स पोस्ट की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है।

सिटी डायरी

दीपावली के बाद बढ़ा प्रदूषण, आखों में जलन व संक्रमण से बढ़े मरीज

बच्चे की आंख की जांच करते नेत्र चिकित्सक।

शुक्लागंज। दीपावली के दौरान हुई आतिशबाजी का असर अब लोगों की सेहत पर दिखने लगा है। पटाखों से निकले धुएं व हवा में घुले बारीक कणों के कारण नगर की आवोहवा प्रदूषित हो गई है। इसके चलते बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक कई लोगों की आखों में जलन, लालिमा व पानी आने की शिकायतें बढ़ गई हैं। नगर के सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी नेत्र चिकित्सकों के पास इन दिनों आंखों से जुड़ी समस्याओं वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नेत्र चिकित्सक डॉ. मनीष सिंह ने कहा कि दीपावली के बाद धुएं व नमी भरे मौसम के कारण कंजक्टिवाइटिस (आखों का संक्रमण) तेजी से फैल रहा है। उन्होंने लोगों को सलाह दी है कि बाहर निकलते समय आंखों को धूल-धुएं से बचाने के लिए चश्मे का प्रयोग करें और जरूरत से ज्यादा आंखों को मलें नहीं।

फोरलेन जाम में फंसे वाहन सवार।

ई-रिक्शा व टेंपो चालकों की मनमानी से फोरलेन एक घंटे जाम

शुक्लागंज। पोनी रोड तिराहे के पास ई-रिक्शा व टेंपो चालकों की मनमानी शुक्रवार को जाम का कारण बनी। आड़े-तिरछे खड़े ई-रिक्शों व टेंपो के कारण दोपहर 12 बजे फोरलेन पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। बेमानक पार्किंग व सवारियां बैठाने की जल्दी ने हालात और बिगाड़ दिया। नतीजतन पोनी रोड से दुर्गा मंदिर के आगे तक छोटे-बड़े वाहनों की कतार लग गई। जिससे राहगीरों व वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बालूघाट पर टेंपो अड्डा बनाए जाने के बावजूद चालक पोनी रोड तिराहे पर ही सवारी भरने की पुरानी आदत से बाज नहीं आ रहे हैं। जाम के दौरान मौके पर पुलिस पिकेट पूरी तरह नदारद रही।

बम भोले के जयकारों के साथ रवाना होता जत्था।

शिवभक्तों का जत्था रवाना

शुक्लागंज। श्रीअमरनाथ सेवा मंडल द्वारा शुक्रवार शाम 7 ज्योतिर्लिंग यात्रा के लिए शिवभक्तों का जत्था श्रद्धा व उत्साह के बीच रवाना किया गया। राजधानी मार्ग स्थित डीएसएम पब्लिक स्कूल के पास मंडल पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर यात्रियों को शुभकामनाओं सहित विदा किया। यात्रा में शामिल करीब 65 शिवभक्त वावा के जयघोष के साथ बस में सवार हुए। यात्रा का शुभारंभ लाला मुरारी के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर मंडल के नितिन शर्मा, महेंद्र कुशवाहा, सचिन ओमर, रामबाबू, संतोष शर्मा, अवनीश शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

छठ को लेकर एडीएम व सिटी मजिस्ट्रेट ने घाटों का किया निरीक्षण

घाट का निरीक्षण करते एडीएम व सिटी मजिस्ट्रेट। अमृत विचार

शुक्लागंज। छठ पर्व का शुभारंभ शनिवार से नहाय-खाय के साथ हो रहा है। पर्व को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में शुक्रवार दोपहर एडीएम सुशील कुमार, एडीएम नमामि गंगे विद्येश, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, एसडीएम क्षितिज द्विवेदी व सिंचाई विभाग के एक्सईएन गगन ने मातहतों के साथ शुक्लागंज स्थित विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रीक्षण के दौरान एडीएम ने कहा कि छठ पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने घाटों पर जगह-जगह फोर्स की तैनाती करने व भीड़ नियंत्रण के लिए चौपहिया वाहनों को घाटों से दूर खड़ा कराने के निर्देश दिए।

अनदेखी | आस्था पर उठ रहे सवाल

त्योहार बाद कूड़े में फेंकी जा रहीं प्रतिमाएं

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

नवीन पुल की रेलिंग पर पड़ीं लक्ष्मी गणेश की मूर्तियां। अमृत विचार

अमृत विचार। दीपावली का पर्व हर वर्ष श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया जाता है। लोग विधिविधान से लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कर समृद्धि व सुख-शांति की कामना करते हैं। लेकिन त्योहार समाप्त होते ही प्रतिमाओं के प्रति आस्था का वही भाव कम होता दिखाई देता है। नगर में जगह-जगह कूड़े के ढेरों पर पड़ी देवी-देवताओं की मूर्तियां आस्था के अपमान का प्रतीक बनती जा रही हैं।

नवीन पुल, सड़क किनारों, गंगा रेती और पेड़ों के पास त्याग दी गई प्रतिमाएं यह संकेत देती हैं कि भक्ति भाव केवल त्योहारों तक ही सीमित हो गया है। यह स्थिति न केवल धार्मिक परंपराओं को ठेस पहुंचाती है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक सोच पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। नवरात्रि, दीपावली, कृष्ण जन्माष्टमी जैसे त्योहारों में घरों में सम्मान से स्थापित की जाने वाली प्रतिमाएं कुछ ही दिनों बाद कचरे में पड़ी मिलती हैं, जिन पर जानवरों का विचरण तक देखा जाता है। राहगीरों का कहना है कि यदि प्रतिमाएं पूजित हैं तो उनका त्याग भी मर्यादा के साथ होना चाहिए। इस कुप्रथा का एक बड़ा कारण हर साल नई प्रतिमाएं खरीदने की प्रवृत्ति है। पुराने को सम्मानजनक विसर्जन या पुनर्स्थापन के बजाय कचरे में फेंक देना धार्मिक आचार-विचार के विपरीत है।

पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे ने ऐसी प्रतिमाएं एकत्र कर पूजन वाहन के माध्यम से भू-विसर्जन कराने का आश्वासन दिया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वास्तविक बदलाव तभी संभव है, जब लोग स्वयं जागरूक होकर पूजा उपरांत प्रतिमाओं का सम्मानजनक विसर्जन सुनिश्चित करें।

अमृत विचार

शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

जिस दिन आपके सामने कोई समस्या न आए, आप यकीन कर सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर चल रहे हैं।
–**विवेकानंद**, विचारक

तेल की धार

भारत की तेल नीति एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीति के केंद्र में आ गई है। रूस से तेल खरीदारी के मामले ने देश की कूटनीति के क्षेत्र में स्वायत्तता बनाम वैश्विक दबाव को ले कर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रंप के इस दावे के जवाब में कि उनके कहने पर भारत, रूस से तेल खरीदना धीरे-धीरे बंद कर देगा, भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया थी कि भारत किसी भी दबाव में नहीं झुकेगा और उसकी ऊर्जा नीति का आधार सिर्फ राष्ट्रीय हित एवं उपभोक्ता सुरक्षा है, परंतु जमीनी हकीकत है कि निजी व सरकारी रिफाइनरियों द्वारा रूसी तेल आयात में भारी कटौती शुरू हो चुकी है, तो स्पष्ट है कि इस मामले में सरकार अमेरिकी प्रतिबंधों से तालमेल बैठाने की तैयारी में है।

आज सरकारी कंपनियां अपने दस्तावेजों की समीक्षा करने के साथ यह तय कर रहीं हैं कि रूसी तेल कंपनी रोजनेफ्ट या लुकोइल से कोई शिपमेंट सीधे न आए। यह आसानी से समझा जा सकता है, क्योंकि अमेरिका द्वारा रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों, रोजनेफ्ट और लुकोइल पर कड़े प्रतिबंध लगाने के चलते भारतीय निजी रिफाइनरी कंपनियां- रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी को कारोबारी संकट झेलना पड़ सकता है, क्योंकि इन कंपनियों को अब तक जो अरबों गैलन सस्ता रूसी कच्चा तेल मिलता था, वो अब खासा महंगा पड़ेगा। इसके अलावा रूसी तेल खरीद से जुड़े अमेरिकी द्वितीयक प्रतिबंधों का खतरा भारतीय बैंकों और बीमा कंपनियों तक पहुंच सकता है, भीषण टैरिफ थोपने से वैसे भी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो ही रहा है।

सच यह है कि रूसी तेल खरीद में बड़ी कटौती का सबसे बड़ा आर्थिक नुकसान रूस को होगा, क्योंकि भारत उसका सबसे बड़ा ग्राहक है। देश सीधे बहुत कम तेल खरीदता है, ज्यादातर तेल देश के रिलायंस, नायरा एनर्जी सरीखी निजी रिफाइनरियां ही खरीदती हैं। नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों का मुनाफा रूसी सस्ते तेल पर निर्भर था, महंगा तेल खरीदने से उनको भारी घाटा हो सकता है। भारतीय उपभोक्ताओं को इन सबके चलते महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है, क्योंकि रूसी तेल की भरपाई के लिए भारत को खाड़ी देशों, सऊदी अरब, ईराक, संयुक्त अरब अमीरात से तेल आयात बढ़ाना होगा। इन स्रोतों से कच्चा तेल औसतन 10 से 15 डॉलर प्रति बैरल महंगा होगा। सरकार का नुकसान इसमें बहुत ज्यादा नहीं है। हां, सस्ते तेल का लाभ न मिलने से उसका आयात बिल बढ़ सकता है, पर अमेरिका अगर संभावनाओं के मुताबिक अपना टैरिफ 50 प्रतिशत से घटा कर 15 फीसदी कर देता है, तो यह उसके लिए फायदेमंद रहेगा। अमेरिका को रणनीतिक लाभ मिलेगा तो वह कुछ और कारोबारी छूट दे सकता है। नये हालात में अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद करता है, तो संभव है कि भारत और रूस के संबंध पर इससे असर पड़े। रूस की क्या प्रतिक्रिया होगी, इसको संवाद के जरिए संतुलित बनाए रखना होगा। फिलहाल सरकार को पारदर्शिता के साथ जनता को समझाना चाहिए कि यह फैसला देश की स्वायत्तता और रणनीतिक स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं है। इसे देश की वैश्विक स्थिति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को ध्यान में रखकर लिया गया है।

प्रसंगवश

प्रकृति, पवित्रता व प्रार्थना का अनूठा लोकपर्व छठ

भारत की सांस्कृतिक चेतना में कुछ पर्व ऐसे हैं, जिनमें लोक, धर्म, प्रकृति और तपस्या का अद्भुत संगम दिखाई देता है। छठ महापर्व उन्हीं में से एक है। यह एक ऐसा पर्व है, जो अब किसी एक क्षेत्र की सीमाओं में नहीं बंधा बल्कि भारतीय आस्था के विशाल सागर में अपनी गहरी जड़ें जमा चुका है। वास्तव में यह आत्मशुद्धि, संयम और कृतज्ञता की वह साधना है, जिसमें मनुष्य सूर्य और प्रकृति के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट करता है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों से शुरू होकर अब यह पर्व देश-विदेश के असंख्य भारतीयों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से आरंभ होकर षष्ठी और सप्तमी को चरम पर पहुंचता है। 25

श्वेता गोयल
शिक्षिका

अक्तूबर से शुरू हो रहे इस वर्ष के छठ पर्व की शुरुआत 'नहाय-खाय' से हो रही है। इस दिन व्रती स्नान कर सात्विक भोजन बनाते हैं, जिससे शरीर और मन की शुद्धि होती है। यह भोजन केवल प्रसाद नहीं बल्कि एक प्रतीक है कि व्रती अब अपने जीवन के सारे विकारों को त्यागकर पूरी निष्ठा से साधना में प्रवृत्त होंगे। अगले दिन 'खरना' का विधान है। इस रोज दिनभर निराहार रहने के बाद व्रती संध्या के समय छठी मैया को खीर, रोटी और गुड़ का प्रसाद चढ़ाकर उसका सेवन करते हैं और प्रसाद बांटते हैं। माना जाता है कि खरना के बाद ही छठ की साधना की ऊर्जा जागृत होती है।

तीसरे दिन यानी 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। यह दृश्य पूरे भारत की लोकआस्था का सबसे अनुपम रूप होता है। घाटों पर उतरती हुई स्त्रियां, सिर पर बांस के सूप में ठेकुआ, केला, नारियल और अन्य प्रसाद रखे हुए, जल में कमर तक डूबी हुई, सूर्य की ओर हाथ जोड़े श्रद्धा के साथ झुकी हुई, यह दृश्य केवल श्रद्धा नहीं बल्कि प्रकृति के प्रति समर्पण का जीवंत प्रतीक है। चौथे दिन यानी 28 अक्तूबर की प्रातःकालीन बेला में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पर्व का समापन होगा। यह क्षण केवल सूर्योदय का नहीं बल्कि मनुष्य की आशा, नूतन ऊर्जा और नवजन्म का प्रतीक माना जाता है।

छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसका अत्यंत पवित्र और कठोर अनुशासन है। व्रती न केवल उपवास रखता है, बल्कि चारों दिनों तक अत्यंत सात्विकता, संयम और आत्मसंयम का पालन करता है। इस पर्व में किसी पुजारी की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि प्रत्येक व्रती स्वयं पूजा करता है। यह परंपरा दर्शाती है कि श्रद्धा का सबसे शुद्ध रूप वही है, जिसमें मनुष्य स्वयं को ही मंदिर, स्वयं को ही साधक और स्वयं को ही साध्य बना ले। छठ पर्व इसी आत्मानुशासन की साधना है, जहां आडंबरों की नहीं, आस्था की शक्ति बोलती है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया या षष्ठी देवी सूर्यदेव की बहन मानी जाती हैं, जो संतान की रक्षा करती हैं और परिवार में सुख, समृद्धि तथा स्वास्थ्य प्रदान करती हैं। छठ पर्व में सूर्य, उनकी पत्नी उषा और प्रत्यूषा, तथा छठी मैया, इन सभी की संयुक्त उपासना की जाती है। उषा और प्रत्यूषा क्रमशः सूर्य की प्रथम और अंतिम किरण का प्रतीक हैं, इसीलिए व्रती सूर्य को दोनों समय (अस्त और उदय) अर्घ्य अर्पित करते हैं। यह परंपरा जीवन के उस संतुलन का प्रतीक है, जिसमें आरंभ और अंत दोनों ही समान रूप से पवित्र हैं। छठ पर्व की उत्पत्ति को लेकर कई किंवदंतियां हैं। एक कथा के अनुसार, सूर्यपुत्र कर्ण ने सबसे पहले सूर्यदेव की उपासना प्रारंभ की थी। वे प्रतिदिन कमर तक जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे।

देश में बदलने वाला है उच्च शिक्षा का परिदृश्य

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

देश में जल्द ब्रिटेन के आठ नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। इसके साथ ही ब्रिटेन भारत में उच्च शिक्षा देने वाला सबसे बड़ा देश बन जाएगा। इससे ब्रिटेन को सालाना करीब पचास मिलियन पाउंड की आमदनी होगी।

अपने देश में जल्द ब्रिटेन के आठ नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथंपटन की स्थापना पहले ही गुड़गांव में हो चुकी है। हाल ही में भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात हुई थी, जिसमें यह फैसला लिया गया था। एलान अब किया गया है। इसी के साथ ब्रिटेन, भारत में उच्च शिक्षा देने वाला सबसे बड़ा देश बन गया है। इसका मतलब यह है कि किसी और देश के इतने अधिक विश्वविद्यालय भारत में अभी नहीं खुले हैं। कल को कोई और देश भी यह दावा कर सकता है। बताया जा रहा है कि इन उच्च शिक्षा परिसरों से ब्रिटेन को सालाना करीब पचास मिलियन पाउंड की आमदनी होगी। नए खुलने जा रहे विश्वविद्यालय हैं- बंगलुरू में यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल और लंकास्टर यूनिवर्सिटी, मुंबई में यूनिवर्सिटी ऑफ यार्क, यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, गांधीनगर (गुजरात) में क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, कोवेंट्री यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ सरे। इन्हें सरकार की अनुमति मिल चुकी है।

भारत सरकार का दावा है इससे हमारा देश शैक्षिक हब बन जाएगा, लेकिन ऐसा तो तब होता जब हमारे विश्वविद्यालयों की रैंकिंग दुनिया में अव्वल होती, यहां दाखिला पाने के लिए यूरोप न सही एशिया के ही छात्रों में होड़ लगी रहती और हमारे यहां की डिग्रियों की कुछ क्षेत्रों में रोजगार मिलने में खास अहमियत होती। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं है। ये विश्वविद्यालय मुख्यतः ब्रिटेन की नई प्रवासी नीति के तहत खोले जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य ब्रिटेन में तीसरी दुनिया खासतौर से भारत से आने वाले लोगों की भीड़ को कम करना है। पिछले कई सालों से ब्रिटेन में बाहर से आने वाले लोगों को लेकर भय और बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है और सरकार उनकी संख्या को हर संभव तरीके से नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है।

भारत से ब्रिटेन जाने वाले छात्रों की बड़ी संख्या है, जो वहां पढ़ाई करने के लिए जाती है, लेकिन रोजगार की तलाश में वहीं रह जाती है। वहां वर्क वीजा की मांग करने वाले भारतीयों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसका कारण सिर्फ रोजगार ही नहीं, यह भी है कि इन युवाओं को ब्रिटेन का जीवन स्तर और माहौल यहां से बेहतर लगता है। प्रवासियों की भीड़ रोकने के लिए एक तरफ तो वीजा नियमों को सख्त किया गया है और अब शिक्षा का ही निर्यात शुरू कर दिया गया है, जिसके बहाने से बड़ी संख्या में युवा वहां पहुंचते थे।

भारत के संपन्न और नवधनिक तबके में अभी भी विदेशी विश्वविद्यालयों की डिग्रियों का क्रेज है। पूरी संभावना है कि ये परिसर ऐसे ही युवाओं के हब बनेंगे। उन्हें ध्यान में रखते हुए इन ब्रिटिश विश्वविद्यालयों में ऐसे पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए हैं, जिनकी फीस काफी है, लेकिन अकादमिक वैल्यू बहुत कम है। इन विश्वविद्यालयों के संचालन में कामयाबी मिलना तय है, क्योंकि यहां शिक्षक और बाकी स्टॉफ को ब्रिटेन की तुलना में बहुत कम सैलरी पर रखा जा सकेगा और संचालन का कुल खर्च भी कम आएगा। फिर भी इसके भारतीय रोजगार बाजार या जॉब मार्केट के प्रचलित मानदंडों से बेहतर रहने के आसार हैं।

इतनी बड़ी संख्या में विदेशी विश्वविद्यालयों के खुलने से एक चीज यह होने जा रही है कि भारतीय विश्वविद्यालयों को भी अपनी गुणवत्ता में सुधार करना पड़ेगा, क्योंकि उनकी तुलना अब इन संस्थानों से की जाएगी। इस मामले में जो करार हुआ है, उसके मुताबिक भारत सरकार ने वादा किया है कि स्थानीय कानूनों के तहत हर तरह की स्वायत्तता इन विश्विद्यालयों को मिलेगी। ऐसी स्वायत्तता कुछ हद तक अभी निजी ईलीट किस्म के शैक्षिक संस्थानों को हासिल है, जो अपने पाठ्यक्रम खुद बना सकते हैं और फैकल्टी का चयन कर सकते हैं। ऐसी स्वायत्तता निजी संस्थानों को तो हासिल है, लेकिन केंद्रीय विश्वविद्यालयों को नहीं है।

जल्दी ही विदेशी, प्राइवेट और सरकारी तीन तरह के विश्वविद्यालय और उनके बीच का प्रतिस्पर्धात्मक माहौल देखने को मिलेगा। यहां एक प्रश्न उठता है कि हमारे यहां के विश्वविद्यालयों के हर विभाग में भारतीय ज्ञान परंपरा लागू करने का सरकार की ओर से आग्रह और दबाव रहता है, क्या इन शैक्षिक परिसरों में भी इस तरह की परंपरा के पालन का आग्रह किया जाएगा या उन्हें इससे मुक्त रखा जाएगा। अभी तक इन विश्वविद्यालयों ने शायद जानबूझ कर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी और ऐसे अन्य तकनीकी पाठ्यक्रम घोषित किए हैं, जिनमें भारतीय परंपरा की खोज करना संभव नहीं है। जब वे इतिहास, मानविकी, समाज विज्ञान के पाठ्यक्रमों को सामने रखेंगे तब पता चलेगा कि वे सरकारी दबाव से कितना मुक्त हैं। एक बात तय है कि ये विश्वविद्यालय अपनी स्वायत्तता पर देशी संस्थानों जितनी आसानी से समझौता नहीं करेंगे।

पिछले दस सालों में उच्चशिक्षा परिसरों में शिक्षकों की नियुक्तियों में योग्यता और अनुभव के बजाय एक खास विचारधारा से जुड़े होने को तरजीह देने के आरोप सामने आते रहे हैं। इस आरोप के जवाब में कहा जाता है कि पहले की सरकारें भी अपनी विचारधारा वालों को नियुक्त करती थीं, तो अब दूसरों की बारी आने पर किसी को एतराज नहीं होना चाहिए। शिक्षा जगत में आशा जताई जा रही है कि जिन लोगों को भिन्न विचारधारा का होने के कारण बीते वर्षों में अवसर नहीं मिले, इतनी बड़ी संख्या में विदेशी परिसरों के खुलने से उनकी लाटरी लग सकती है। नतीजा चाहे जो निकले, ईलीट शिक्षा के नए टापू बनने जा रहे हैं।

आमने

सामान खरीदते समय एक चीज जरूर देखिए- क्या उसमें हलाल सर्टिफिकेशन तो नहीं लिखा हुआ है? यानी हर वस्तु में हलाल सर्टिफिकेशन। हमने यूपी में इसे बैन किया है। मुझे लगता है कि यूपी में कोई उसे खरीदने या बेचने का दुस्साहस नहीं करेगा।

–**योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

सामने

भारत एकता में विविधता पर विश्वास रखता है और जब तक यह विविधता बनी रहेगी, भारत मजबूत रहेगा। कोई भी हमेशा सत्ता में नहीं रहता। एक समय आएगा जब उन्हें सत्ता से हटा दिया जाएगा।

–**फारूख अब्दुल्ला**
अध्यक्ष, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस

नवाचार की राह से ही बनेगा विकसित भारत

शिवालिक अवस्थी
लेखक

विकास के लिए जरूरी है कि इसमें नई योजनाओं की संलिप्तता को बढ़ाया जाए। नवाचार के समावेश से विकास में तेजी लाई जा सकती है।

किसी भी देश का यही सपना होता है कि जितना संभव हो, उतना विकासात्मक कार्यों की प्रगति की जाए, ताकि देश का नाम शीर्ष पर रहे। इसके लिए उक्त देश हर क्षेत्र में विकास को गति प्रदान करने के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं। आजकल वैसे भी ज्यादातर देशों में एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ लगी हुई है। कोई देश आर्थिक रूप से सशक्त है, तो कोई विकास के क्षेत्र में अपनी पहचान वैश्विक स्तर पर बनाए हुए है। भारत देश भी समूचे विश्व में अपनी छवि विश्व गुरु के तौर पर सम्मिलित करने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए भारत हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित करके आगे बढ़ने का प्रयत्न कर रहा है। विकसित भारत के निर्माण की नींव बहुत पहले ही रखी जा चुकी है। अब समय है तो विकसित भारत के सपने को साकार करने का। फिर चाहे बात स्वास्थ्य की हो, शिक्षा की हो, कृषि की हो या नई तकनीक के समावेश की हो। भारत को हर क्षेत्र में अब आगे बढ़ना है, जिसके लिए सरकार व समाज दोनों की महत्वपूर्ण भागीदारी सामने निकल कर आती है।

विकास दर तभी आगे बढ़ पाएगी, यदि विकास में नई योजनाओं की संलिप्तता बढ़ाई जाएगी। नई योजनाएं एवं नए विचारों के समावेश से विकास गति में तेजी लाई जा सकती है। आधुनिक निर्माण के लिए आधुनिक विचारों का प्रयोग अति आवश्यक है। उद्यमिता के क्षेत्र को गति प्रदान करना, आधुनिक निर्माण में एक बेहतर विकल्प के रूप में देखा जा सकता है। न केवल व्यावसायिक अपितु सामाजिक उद्यमिता का बढ़ता दायरा, विकास को बढ़ावा देने में कार्य कर सकता है। आजकल हर मंच से सिर्फ विकास की ही बात होती है। समय के साथ विकासात्मक आंकड़ों में सुधार भी हुआ है, लेकिन अभी भी कई पहलू हैं, जहां विकास मात खा रहा है।

केवल विकास-विकास कहने से विकास को गति नहीं मिलेगी, यह सभी को मालूम होना चाहिए। इसके लिए कई सुधारों की आवश्यकता है। नई योजनाओं का प्रयोग हर क्षेत्र में करना चाहिए, जिससे आधुनिक निर्माण को बल मिल सके। आज क्यों हम नई योजनाओं, नए प्रयोगों की बात कर रहे हैं? दरअसल, वीपो यानी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा हाल ही में वैश्विक नवाचार सूचकांक 2025 की रिपोर्ट विश्व भर में जारी की गई है, जिसमें विश्व भर की 139 अर्थव्यवस्थाओं की रिपोर्ट साझा की गई है। यह रिपोर्ट वीपो द्वारा हर वर्ष जारी की जाती है। किस देश की अर्थव्यवस्था किस दिशा जा रही है, यह सब इसमें दर्शाया जाता है। वैश्विक नवाचार सूचकांक से किसी भी देश की निर्भरता का पता चलता है कि कौन सा देश अन्य देशों पर अभी कितना निर्भर है। किस क्षेत्र में किस देश को सुधार करने की जरूरत है और कौन सा देश प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता नजर आने लगा है।

भारत की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों से भारत ने निरंतर बढ़त बनाई हुई है। इस वर्ष भारत ने 38.2 स्कोर के साथ 38वां रैंक हासिल किया है। जो बीते वर्ष की तुलना में एक रैंक का उछाल है। बीते वर्ष भारत की रैंकिंग 39 आंकी गई थी। इस बार जीआईआई रैंकिंग में 66.0 स्कोर के साथ प्रथम स्थान पर स्विट्जरलैंड, 62.6 स्कोर के साथ दूसरे पर स्वीडन और 61.7 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर अमरीका रहा है, जबकि 56.6 स्कोर के साथ चीन ने 10वां रैंक हासिल करके पहली दफा टॉप 10 में अपनी जगह बनाई है। आय समूह के आधार पर निम्न मध्य आय वाली अर्थव्यवस्थाओं की बात करें, तो भारत ने इसमें पहला स्थान प्राप्त किया है। एक ओर जहां 2020 में भारत का रैंक 48वां था, वहीं दूसरी ओर पिछले पांच वर्षों में भारत की रैंकिंग में 10 पायदान का भारी उछाल देखा गया है। इतना तो तय है कि नवाचार के क्षेत्र में भारत निरंतर आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है।

अब बात करते हैं विभिन्न क्षेत्रों में भारत के प्रदर्शन की। बात करें उद्यमिता नीतियां और संस्कृति के क्षेत्र की, तो इसमें 12वां रैंक हासिल कर भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है। वैश्विक कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास निवेशक में 16वां रैंक, सकल पूंजी निर्माण में 14वां रैंक, स्टार्टअप और स्केलअप के लिए वित्त में 9वां रैंक, अंतिम चरण वेंचर कैपिटल सौदों की संख्या में चौथा रैंक, घरेलू बाजार पैमाने में तीसरा रैंक, आईसीटी सेवाओं का निर्यात में पहला रैंक, ज्ञान के प्रभाव में और यूनिकॉर्न मूल्यांकन में 11वां रैंक प्राप्त कर अपनी बेहतरीन शक्ति का प्रदर्शन किया है। यह कुछ वही क्षेत्र हैं जिनके आधार पर सभी देशों की गतिविधियां आंकी जाती हैं। मूलतः जीआईआई रिपोर्ट का मुख्य पहलू निवेश, तकनीकी और उसे अपनाने के स्तर के कार्य को दर्शाती है। यह किसी देश के सामाजिक व आर्थिक प्रभाव को भी दर्शाता है।

इस रिपोर्ट से किसी देश की निर्भरता का आंकलन किया जा सकता है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी देश को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वाहन किया गया। जो इसी दिशा की ओर इशारा करता है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। यदि कोई दुश्मन है तो वह है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। इसी निर्भरता को खत्म करके हमें आत्मनिर्भर बनना है और जीआईआई की रिपोर्ट एक हिसाब से आत्मनिर्भरता के प्रदर्शन को ही दर्शाती है, कहना गलत नहीं होगा।

सोशल फोरम

फ्रेंच लेखक विक्टर ह्यूगो की बेटी की खामोशी

1850 में एक बरसात के दिन, न्यूयॉर्क पुलिस को एक युवती मिली जो खोई हुई और अस्त-व्यस्त लग रही थी। वह एक ऐसी भाषा बोल रही थी, जो उन्हें समझ नहीं आ रही थी। उसे अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने कहा कि वह अपनी याददाश्त खो चुकी है। कुछ वक्त बाद में, उन्हें पता चला कि वह लड़की कौन थी! वह लड़की थी एडेल ह्यूगो, प्रसिद्ध फ्रेंच लेखक विक्टर ह्यूगो की बेटी।

नॉलेज अड्डा
फेसबुक

एडेल की कहानी ने कई लोगों के दिलों को छू लिया। उसे अल्बर्ट पिंसन नाम के एक अंग्रेज सैनिक से प्यार हो गया था, लेकिन वह उससे प्यार नहीं करता था। फिर भी, वह उसके पीछे नोवा स्कोटिया तक गई। वहां, उस सैनिक ने उसका इस्तेमाल किया और उसे कुछ भी नहीं दिया। वह उन्हें छोड़कर चला गया। वह न्यूयॉर्क में अकेली और बिना किसी मदद के रह गईं।

जब उसे वापस फ्रांस भेजा गया, तो एडेल का दिल टूट गया और वह शर्म से भर गईं। अलबत्ता उनका कोई दोष नहीं था। उसने खुद से वादा किया कि वह फिर कभी नहीं बोलेगी। उसके पिता, विक्टर ह्यूगो ने उसके बोलने के लिए 35 साल तक लगातार कोशिश की। ह्यूगो के लिए यह बड़ा सदमा था, लेकिन वह कभी नहीं बोली।

1850 से लेकर 1915 में अपनी मृत्यु तक, 65 वर्षों तक एडेल लगातार चुप रहीं, ताकि वह स्वयं को याद दिलाती रहें कि उन्हें फिर कभी किसी से भी प्यार नहीं करना है।

सामयिकी

नकली दवा कारोबार को चाहिए 'सख्ती की दवाई'

दवा जीवन बचाती है, लेकिन देश में अब इसका जानलेवा कारोबार हो रहा है। जो बेहद घातक है। इससे लोगों के जीवन पर ही नहीं समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी गंभीर खतरा मंडराने लगा है। नकली और अवैध दवाओं का धंधा संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और आतंकवाद को भी बढ़ावा देता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया में नकली दवाओं के कारोबार में चौथे नंबर पर है। देश में बिकने वाली लगभग 25 फीसदी दवाएं नकली या घटिया हैं। कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में बनी तीन मिलावटी दवाओं की पहचान की है। डब्ल्यूएचओ की जांच में पाया गया कि कोल्ड्रिफ सिरप में

विवेक सक्सेना
अयोध्या

एक जहरीला रसायन डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) बहुत अधिक मात्रा में मिला है।

डीईजी एक ऐसा केमिकल है, जो शरीर के लिए बेहद नुकसानदेह होता है। यह किडनी और लिवर को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है और बच्चों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकता है। कोल्ड्रिफ सिरप में इस रसायन की मात्रा 48 प्रतिशत से भी ज्यादा पाई गई, जबकि सुरक्षित मात्रा केवल 0.1 प्रतिशत तक होनी चाहिए। इसके अलावा दो और सिरप रेडनेक्स फार्मास्युटिकल्स की रेस्पिफ्रेश टीआर और फार्मा की रीलाइफ भी डब्ल्यूएचओ की चेतावनी में शामिल हैं।

ऐसे मामले 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में पहचान बनाने वाले भारत की प्रतिष्ठा भी धूमिल करते हैं। करीब 200 से अधिक देशों को किफायती दवाएं उपलब्ध कराकर भारत वैश्विक जेनेरिक दवा बाजार का अग्रणी खिलाड़ी है। पीएम जन औषधि योजना की सफलता में जेनेरिक दवाओं की अहम भूमिका है, लेकिन गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना ऐसी किफायती दवाएं राहत देने की जगह ऑफत बन जाती हैं। कफ सीरप से बच्चों की मौतें इस कड़वी सच्चाई को ही उजागर करती हैं कि भारत में सस्ती दवाएं तो उपलब्ध हुई हैं, पर उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

चंडीगढ़ स्थित पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के डॉक्टरों ने 2024 के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया है कि असमान निर्माण मानक और कमजोर निगरानी परिणामों को कैसे प्रभावित करती है। दवा निर्माण के लिए भारत का केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ही व्यापक रूप से नियम निर्धारित करता है, पर कारखानों को लाइसेंस देना, इकाइयों का निरीक्षण करना, नमूनों के परीक्षण जैसी अधिकांश शक्तियां राज्य औषधि नियामक प्राधिकरणों (एसडीआरए) के पास हैं। निगरानी के लिए कुछ राज्यों के पास सुदृढ़ प्रयोगशालाएं और प्रशिक्षित निरीक्षक हैं, जबकि कई राज्यों में अत्यंत सीमित संसाधन हैं। निर्माता इसी का फायदा उठाते हैं।

भाटिया समिति (1954) से लेकर माशेलकर समिति (2003) ने यही सुझाया कि लाइसेंसिंग और गुणवत्ता नियंत्रण को एक राष्ट्रीय ढांचे के तहत लाया जाए, पर देश में आज तक इस पर पूरी तरह अमल नहीं हो पाया है। देश में कानूनों की कमी नहीं है। कमी है तो उन्हें ढंग से लागू करने की और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह बनाने की। समय आ गया है कि भारत में सीडीएससीओ के तहत एक केंद्रीकृत लाइसेंसिंग और निरीक्षण प्रणाली बनाई जाए, जो प्रत्येक उत्पाद, परीक्षण और रिकाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय डिजिटल ड्रग रजिस्ट्रार द्वारा संचालित हो। सभी नई-पुरानी दवाओं के लिए सालाना परीक्षण भी अनिवार्य करना होगा। मानकों के अनुपालन और सजा के प्रविधान पूरे देश में एकसमान हों।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

हम इस समय एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां जीवन का बड़ा हिस्सा स्क्रीन पर घट रहा है। बातें, रिश्ते, राय, विरोध और यहां तक कि हंसी और दुख भी अब एक डिजिटल फॉर्मेट में फिट होकर चल रहे हैं। यह बदलाव अचानक नहीं आया, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी रफ्तार कुछ ऐसी रही कि अब यह नया सामान्य बन चुका है। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने लोगों को अभिव्यक्ति के नए माध्यम दिए हैं, लेकिन उन माध्यमों की प्रकृति ने सोचने के तरीके को भी बदल दिया है। खासकर युवाओं के लिए आज दुनिया को देखने और समझने का जरिया अब ज्यादातर वही है, जो मोबाइल स्क्रीन पर दिखता है।

मीम-रील के कैदी लाइक्स-कमेंट्स के गुलाम

डॉ. शिवम भारद्वाज
मथुरा

रील्स-शॉर्ट्स ने इस पूरे दृश्य को और तेज कर दिया है। पहले जहां कोई बात कहने के लिए एक लेख, एक भाषण या एक लंबा वीडियो चाहिए होता था, अब 15-30 सेकेंड्स की छोटी सी वीडियो में सब कुछ समा सकता है-भाव, शैली, संगीत और संदर्भ। यह टुकड़ों में बंटा मनोरंजन अब विचार की जगह लेता जा रहा है, जो जितना छोटा है, उतना ही आकर्षक है। गहराई अब ध्यान खींचने में बाधा बन गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोग वही देखते हैं, जो उनके हिसाब से 'रिलेटेबल' हो यानी जो पहले से ही सोचा हुआ हो या जो देखकर सोचने की जरूरत न पड़े। यही वजह है कि रील्स अब विचार नहीं बनाते, बल्कि पुष्टि करते हैं। वही दिखाते हैं, जो पहले से लोकप्रिय है।

इसके साथ ही एक नया और चुपचाप बढ़ता हुआ असर यह है कि अब लोगों का आत्मसम्मान भी स्क्रीन से जुड़ गया है। पहले किसी बात पर गर्व या आत्मविश्वास निजी अनुभवों से आता था। अब वह लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स की संख्या पर टिका हुआ दिखता है। कितनी बार किसी ने तारीफ की, कितने कमेंट्स आए, किस क्लिप को कितने लोगों ने शेयर किया। ये सब अब सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि व्यक्ति की डिजिटल पहचान का हिस्सा बन चुके हैं। इसमें जो नहीं है, वह कमजोर समझा जाता है, जो दिख नहीं रहा, उसका कोई मूल्य नहीं रह गया है। यह मानसिकता नजरअंदाज नहीं की जा सकती, क्योंकि धीरे-धीरे यह व्यक्तिगत पहचान और आत्ममूल्य के केंद्र में आ गई है।

इस पूरे बदलाव की दिशा में जो सबसे खास बात है, वह यह कि अब सोचने का तरीका अनुभव पर नहीं, बल्कि प्रस्तुति पर आधारित हो गया है, जो बेहतर तरीके से पेश किया गया, वही ज्यादा असर करता है। भले उसमें कितनी भी सतही बात क्यों न हो। पहले तर्क, प्रमाण और अनुभव से बात बनती थी, अब 'फॉर्मेट' ज्यादा असरदार हो गया है। मीम हो या रील, ओटीटी हो या इंस्टाग्राम पोस्ट सभी में यह साझा बात है कि 'क्या कहा गया' से ज्यादा जरूरी हो गया है 'कैसे कहा गया'।

मीम संस्कृति

मीम संस्कृति इसी बदलाव का एक स्पष्ट उदाहरण है। अब विचारों को लंबे वाक्यों में समझाना जरूरी नहीं रहा। एक तस्वीर, उस पर एक व्यंग्यात्मक लाइन और कुछ रंग-बिरंगे इमोजी, यही आज की बातचीत का नया फॉर्मेट है। यह शैली तेज है, सरल है और तुरंत असर करती है, लेकिन जिस रफ्तार से यह शैली पॉपुलर हुई है, उसी रफ्तार से गंभीरता और संदर्भ भी हाशिए पर चले गए हैं, जो बात पहले बहस का विषय होती थी, वो अब चुटकुला बनकर वायरल होती है। यही 'वायरल होना' अब किसी बात के प्रासंगिक होने की पहचान बन चुका है। युवाओं की सोच में यह बदलाव साफ देखा जा सकता है। मीम सिर्फ हंसी की चीज नहीं रह गया है, वह एक नजरिया बन चुका है। कुछ भी कहना हो, विरोध करना हो, समर्थन करना हो, सब कुछ अब मीम की शक्ल में आसानी से समझाया जाता है। यह सहजता कई बार उपयोगी भी होती है, लेकिन अक्सर बातों की जटिलता इस प्रक्रिया में गुम हो जाती है। समस्या यह नहीं कि हंसी आ रही है, असल बात यह है कि हंसी में जो कहना है, वो कितना सही समझा जा रहा है। बहुत बार यह हंसी कुछ नहीं कहती, सिर्फ अगला मीम देखने की इच्छा पैदा करती है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स

इन सभी अनुभवों के बीच, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का उभार एक नई दिशा में असर डाल रहा है। फिल्मों और वेब सीरीज के जरिए अब दुनियाभर की कहानियां हर किसी की पहुंच में हैं। यह एक जबरदस्त सांस्कृतिक अवसर है। समाज के अलग-अलग हिस्सों, भाषाओं और सोच को समझने का मौका, लेकिन यह समझ तभी पनपती है, जब देखी गई चीजों पर ठहरकर सोचा जाए। अक्सर होता यह है कि वेब सीरीज की बिंज-वाचिंग करते हैं, किरदारों से प्रभावित होते हैं, लेकिन उनके विचारों की परतों में नहीं जाते। हम सिर्फ कहानी के प्रवाह में बहते हैं और फिर अगली कहानी पर शिफ्ट कर जाते हैं। इस तरह से जो कुछ देखा गया, वह भीतर कहीं ठहरता नहीं, बस गुजर जाता है।

सोचने का ढंग, समझने का तरीका

हमारे सोचने का ढंग, समझने का तरीका और संवेदनाओं की परतें धीरे-धीरे उसी रूप में ढल रही हैं, जिसे स्क्रीन पर दिखाया जा रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं है, लेकिन अब इतना स्थिर हो चुका है कि हमें असुविधा महसूस नहीं होती। हम उसमें सहज हो चुके हैं। हंसी, नाराजगी, दुख, सहमति हर भाव अब डिजिटल फार्मेट में ढल चुका है। कोई बात मीम में आई तो मजेदार है, रील में आई तो आकर्षक है और ट्रेंडिंग में आई तो 'जरूरी' है। जो बात इन फॉर्मेट्स में फिट नहीं बैठती, वो नजर से भी फिसल जाती है।

भाषा शब्द कम और संकेत ज्यादा

हर पीढ़ी का एक अपना टेम्पो होता है, एक अपनी भाषा और अपना भ्रम। इस समय की भाषा में शब्द कम और संकेत ज्यादा हैं, जो कहा नहीं गया, वो अक्सर ज्यादा सुना जाता है और जो सचमुच कहा जाना चाहिए, वो अक्सर लोगों को रोचक नहीं लगता। इसलिए धीरे-धीरे किनारे हो जाता है। लोगों की प्रतिक्रियाएं पहले से ज्यादा तेज और तुरंत हो गई हैं, जो तेज है, वह प्रभावी है। यह धारणा बन चुकी है। इसी वजह से विचारों की लंबाई, अनुभव की गहराई और संवाद की प्रक्रिया अब बाधा जैसी लगती है। बहुत कुछ कहा जा रहा है, लेकिन कितनी देर के लिए सुना जा रहा है। इसका हिसाब रखना अब पुराना तरीका माना जाता है। यह सब बातें न अच्छी हैं, न बुरी-बस आज के समय की प्रकृति का हिस्सा हैं।

संस्मरण

चाय

एक दिन एक कार्यक्रम से लौट रहा था। दोपहर के दो बज गए थे। सूरज मानो आग उगल रहा था। गर्मी के मारे बुरा हाल था। मैं जल्दी से घर पहुंच जाना चाहता था। तभी मोटर साइकिल का पिछला पहिया हल्का-हल्का हिलने सा लगा। मैंने मोटर साइकिल खड़ी की। देखा मोटर साइकिल का पिछला पहिया पंक्चर हो गया था। मैंने चारों तरफ नजर दौड़ाई। दूर-दूर तक पंक्चर जोड़ने की कोई दुकान नहीं थी।

घर अभी दो किलोमीटर दूर रह गया था। मरता क्या न करता, मैं मोटर साइकिल को घसीटते हुए घर की ओर चल दिया। कुछ दूर चलने पर ही मेरा सारा शरीर पसीने से तर-बतर हो गया। अभी मैं आधा किलोमीटर दूर ही पहुंचा था कि मुझे सड़क के किनारे एक बड़े से छाते के नीचे एक पंक्चर जोड़ने वाला दिखाई दिया। मैंने राहत की सांस ली। उसके पास जाकर मैंने मोटर साइकिल खड़ी कर दी और उससे पंक्चर जोड़ने को कहा। उस समय उसके छाते के नीचे पड़े स्टूल पर एक लेडी बैठी हुई थी और वह तपती धूप में बैठा हुआ, उसकी स्कूटी का पंक्चर जोड़ रहा था। जब वह लेडी चली गई तो उसने मुझे छाते के नीचे बैठने के लिए कहा। मैं बैठ गया और वह अपने काम में लग गया। मैंने देखा कि उसकी उम्र साठ वर्ष के आसपास रही होगी। धूप के मारे उसके माथे से पसीना टपक रहा था।

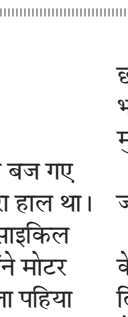

सुरेश बाबू मिश्रा
बरेली

मैंने उससे पूछा, "तुमने इतना बड़ा छाता लगा रखा है, मगर तुम्हें तो पूरे दिन धूप में ही काम करना पड़ता है।" "अगर मैं छाते के नीचे बैठा रहूंगा, तो मेरा और मेरे बच्चों का पेट कैसे भरेगा साहब। वह मेरी ओर देखते हुए बोला, उसके प्रश्न ने मुझे निरुत्तर कर दिया था।

वह अपने काम में लगा रहा और कुछ ही देर में उसने पंक्चर जोड़ दिया।

मैंने उसकी मजदूरी के पैसे देने के बाद उसे दस रुपये चाय के लिए देने चाहे, मगर उसने रुपये लेने से साफ इंकार कर दिया। वह बोला-"साहब! मैं केवल अपनी मेहनत के ही पैसे लेता हूं।" मैंने दस का नोट जेब में रख लिया और मोटर साइकिल स्टार्ट करने लगा। तभी वह मेरे पास आया और बोला-"साहब! मैं एक शर्त पर आपके रुपयों की चाय पी सकता हूं।"

"वह क्या?" मैंने उसकी ओर देखते हुए पूछा। "आपको भी मेरे साथ चाय पीनी पड़ेगी।" वह बोला। मैं मोटर साइकिल से नीचे उतर आया और उसे दस-दस के दो नोट देते हुए कहा-"ठीक है, जाओ दो चाय ले आओ।"

"नहीं साहब, एक की ही दो हो जाएंगी।" यह कहकर वह उनमें से एक नोट लेकर तीर की तरह चाय के खोखे की ओर दौड़ पड़ा।

थोड़ी देर में ही वह दो कपों में चाय ले आया। मैं स्टूल पर बैठकर उसके साथ चाय पीने लगा।

"एक बात कहूं साहब?" उसने मेरी ओर देखते हुए पूछा। "हां-हां कहो।" मैंने स्वीकृति में सिर हिला दिया। वह बोला-"आज मुद्दतों बाद आप जैसे किसी साहब ने मेरे साथ बैठकर चाय पी है। आपकी इस छोटी-सी बात ने मेरे दिल को कितनी बड़ी खुशी दी है, मैं बता नहीं सकता।" मैं हैरानी से उसके चेहरे की ओर देख रहा था।

एहसास

व्हील चेयर

एक लड़की थी। उसके मन में जीवन को मेरु शिखर तक ऊंचा उठा लेने का साहस और सामर्थ्य था। सीमित संसाधनों में उसने उपलब्धियों की छोटी सी चमकती मोती माला बना ली थी। इतना कि जितने में एक छोटी सी उम्र को मूल्यवान कहा जा सकता था। धरती पर जीवन इतना सरल होता तो दुःख और पीड़ा का कहीं कोई निशान न होता। मन में बस लक्ष्यों का ढेर होता और इंसान उन्हें चुटकियों में पा भी लेता। पर नहीं, जीवन इतना भी सहज और स्वाभाविक नहीं है। संघर्षों की लंबी श्रृंखलाओं का कंठहार है जिंदगी।

अंजलि ओझा
प्रतापगढ़

उस लड़की के जीवन ने उसे गर्त में ला पटका था। उसके स्वसिद्धि के सभी आयाम शून्य पर जा रुके थे। एक गहरा सूखा कुंआ था, उसके सामने अब। उसकी तमाम शैक्षिक प्राप्तियां धरी की धरी रह गईं थीं। कोई भी परीक्षा शरीर के बल पर ही पास की जा सकती है। शरीर के स्वास्थ्य से मस्तिष्क की चेतना में बढ़ोतरी होती है। उस लड़की के सारे सपने उसे उसी क्षण टूटे नजर आए, जब उसे पता चला कि उसकी बैकबोन ने उसका साथ छोड़ दिया है। उसकी स्पाइनल डिस्क में दबाव हो गया था।

अब किसके भरोसे वह बैठकर घंटों किताबों के अक्षर-अक्षर पर मनन करती? कैसे वह हाथ में कलम और कागज लेकर बैठती? कैसे वह अपने सपनों को उड़ान देती? कैसे अपने जकड़े हुए कदमों को चलना बताती? कैसे वह जमी हुई रक्तशिराओं को तरलता देती? कैसे अपनी अक्षमता को उपयोगी बनाती? अंधकार ही अंधकार था... स्वस्थ हो पाने की कोई आशा भी नहीं। बिस्तर पर पड़े-पड़े अब तो उसे इस भयंकर पीड़ा से जूझना था। बिना उफ किए, किंतु सहने की भी एक सीमा होती है, जिसके बाद शरीर और धैर्य दोनों मौन धर लेते हैं और कहते हैं "अब नहीं!" इतना ही चल सकते थे हम तुम्हारे साथ। अब तुम खुद चल सको तो चलो। वर्षों के मर्मांतक कष्ट से वह हार रही थी। उसकी धैर्य परिधि खत्म हो रही थी। वह कर सकती थी, पर नहीं कर पा रही थी। वह असहाय अनुभव करने लगी थी। निराशा, हताशा, दुःख और अवसाद की ओर खिसकती जा रही थी उसकी जिंदगी।

उसकी पूर्व चिकित्सक की दवाएं उसके दर्द का तृणमात्र भी इलाज नहीं कर पा रही थी। फिर किसी के सुझाव पर वह दूसरे नामी चिकित्सक के पास गई। वहां के प्रतीक्षालय में वह अपनी बारी का इंतजार कर रही थी। तभी उसने अपने सामने व्हील चेयर पर बैठी एक हमउम्र लड़की को देखा। उस व्हील चेयर वाली लड़की को देखकर उसके मन रोना हो आया। उसकी बगल की सीट पर उस व्हील चेयर वाली लड़की की मां बैठी हुई थी। उसने आदतन उनसे बात करनी शुरू कर दी। जब उसने पूछा, "आपकी बेटी को क्या हुआ है?" तो उत्तर मिला, " बैकबोन में दबाव है।" वह सन्न रह गई।

उसकी भी तो बैकबोन ही डैमेज थी। फिर उसने जानना चाहा, "क्या वह अपने पैर उठा पाती है?" उत्तर नहीं में मिला। उसकी मां ने बताया कि उसके पांव हिलते तक नहीं। वह शौच तक बिस्तर पर ही करती है। अब वह लड़की कुछ क्षण के लिए निःरक्त सी हो गई, जिसे काटो तो खून नहीं। उसने उस व्हील चेयर वाली लड़की को देखा फिर खुद को देखा। कितना अंतर था दोनों में। एक जैसा रोग, एक जैसी समस्या और वह अभी भी अपने कदमों से चल सकती है। उसकी दैनिक आवश्यकताओं के लिए किसी के सहारे की जरूरत नहीं है। वह अपने दर्द से लड़कर जिंदगी के कुछ कदम रख तो पा रही है। अभी वह व्हील चेयर से बहुत दूर है।

डॉक्टर ने कहा कि अगर ठीक होना चाहती हो तो पैदल चलो। रोओ, तड़पो, दर्द को चबाओ, पर चलो! नहीं तो ऐसे ही जकड़ जाओगी। घर आने के बाद उसे बार-बार व्हील चेयर पर बैठी निस्सहाय लड़की का चेहरा याद आ रहा था। उसने निश्चय किया कि वह इतनी अशक्त अभी नहीं होगी। व्हील चेयर उसका भाग्य नहीं है। उसे चलना है, दौड़ना है, उड़ना है। उसने साष्टांग हो ईश्वर को धन्यवाद किया कि कम से कम अभी उस पर इतनी तो कृपा उन्होंने बनाई हुई है कि संघर्ष करके ही सही वह कुछ कदम नाप सकती है।

अब उसके मन में आशा की एक घनी किरण आ बसी है कि वह एक दिन सबसे आगे होगी। उसका जीवन मेरु शिखर सा श्लाघ्य होगा। उसके हिस्से सफलताएं आएंगी। उसकी रुकी हुई जिंदगी एक दिन दौड़ पड़ेगी मिल्खा सिंह की तरह, फिर कभी न रुकने के लिए।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,211.88	25,795.15
गिरावट	344.52	96.25
प्रतिशत में	0.41	0.37

सोना 1,25,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,52,600 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कर्नाटक : 27,600 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्ताव मंजूर

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई राज्य उच्चस्तरीय मंजूरी समिति की बैठक में 27,607.26 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन स्वीकृत परियोजनाओं से लगभग 8,704 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। राज्य के विशाल एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने कहा कि इनमें 11 नए और दो अतिरिक्त निवेश के प्रस्ताव हैं। प्रस्तावों में 27,228.51 करोड़ के नए निवेश शामिल हैं, जबकि विस्तार परियोजनाओं के लिए 378.75 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

टोल प्लाजा पर मासिक और वार्षिक पास की जानकारी होगी प्रदर्शित

नई दिल्ली। एनएचएआई ने कहा कि मासिक और वार्षिक टोल पास के बारे में राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को जानकारी देने के लिए टोल प्लाजा पर सूचना प्रदर्शित की जाएगी। एनएचएआई ने कहा कि उसने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित सभी टोल प्लाजा पर इन 'टोल पास' के बारे में विस्तृत जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित करें। उद्देश्य यह है कि उपयोगकर्ताओं को स्थानीय मासिक और वार्षिक 'पास' सुविधा की उपलब्धता, दरों और प्रक्रियाओं के बारे में उचित जानकारी हो।

अतिरिक्त एजीआर मांग रद्द करने की याचिका पर सुनवाई 27 को

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें 2016-17 तक के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा मांगे गए एजीआर को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। एजीआर वह आय है, जिसका उपयोग लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम शुल्क की गणना के लिए किया जाता है। इसे दूरसंचार कंपनियों की ओर से देय होता है। वेबसाइट के मुताबिक सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी।

ब्रिटेन-जर्मनी को छूट तो भारत पर निशाना क्यों

गोयल ने अमेरिकी प्रतिबंधों पर उठाया सवाल, कहा- दबाव में आकर व्यापार समझौता नहीं करेगा भारत

बर्लिन/नई दिल्ली, एजेंसी

रूस से तेल खरीद बंद करने के लिए बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को जर्मनी में आयोजित एक कार्यक्रम में सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों से ब्रिटेन को छूट मिल गई है, अब जर्मनी भी छूट मांग रहा है तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है। गोयल ने साफ किया कि भारत जल्दबाजी या किसी तरह के दबाव में आकर व्यापार समझौते नहीं करता है।

गोयल ने जर्मनी में आयोजित 'बर्लिन संवाद' में कहा, भारत की यूरोपीय संघ सहित विभिन्न देशों एवं समूहों के साथ व्यापार समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत जारी है। हम अमेरिका से भी बात कर रहे हैं लेकिन हम जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करते और न ही कोई समयसीमा तय करके या फिर किसी तरह के दबाव में आकर कोई समझौता करते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री इस संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए बर्लिन में हैं। यह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और जर्मन व्यवसायों की एक बैठक है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापार समझौते को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को बर्लिन संवाद में भारत का पक्ष रखा।

गोयल ने कहा कि भारत कभी भी जल्दबाजी या उकसावे में आकर कोई निर्णय नहीं लेता है। इसके साथ उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका में लगाए गए उच्च सीमा शुल्क से निपटने के लिए नए बाजारों की तलाश कर रहा है।

भारत के साथ दीर्घकालिक निष्पक्ष व्यापार समझौता शर्तों पर किए जाने के सवाल पर गोयल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत ने कभी भी राष्ट्रीय हित के अलावा किसी अन्य आधार पर यह निर्णय लिया है कि उसके मित्र कौन होंगे। यदि कोई मुझसे कहता है कि आप यूरोपीय संघ के मित्र नहीं हो सकते, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा या कोई कल मुझसे कहता है कि मैं केन्या के साथ काम नहीं कर सकता, तो यह भी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी देश से कोई भी विशेष उत्पाद खरीदने का निर्णय पूरी दुनिया का होगा। गोयल ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, मैं आज के अखबार में पढ़ रहा था कि जर्मनी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट मांग रहा है, ब्रिटेन ने पहले ही अमेरिका से तेल खरीदने के लिए छूट हासिल करने का तरीका तलाश लिया है या शायद उसे छूट मिल भी गई है तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है।

अधिकारियों ने किया दावा- कोई नया मुद्दा बाधा नहीं व्यापार समझौते के बेहद करीब हैं भारत-अमेरिकी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के 'बेहद करीब' हैं, क्योंकि दोनों पक्ष अधिकांश मुद्दों पर सहमति की तरफ बढ़ रहे हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के प्रावधानों और शर्तों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, जहां तक अमेरिका के साथ समझौते की बात है तो हम इसे अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं। अधिकारी ने कहा, समाधान के लिए अब अधिक मसले नहीं बचे हैं। समझौते पर बातचीत प्रगति पर है और अब कोई नया मुद्दा वार्ताओं में बाधा नहीं बन रहा है। उन्होंने कहा, हम अधिकांश मुद्दों पर सहमति की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। अमेरिका और भारत के बीच इस द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए अब तक पांच दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है।

छह दिन बाद गिरा शेयर बाजार सेंसेक्स 344 अंक फिसला

मुंबई, एजेंसी

विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों एवं एफएमसीजी शेयरों में मुनाफावसूली के बीच घरेलू शेयर बाजार लगातार छह कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 344.52 अंक यानी 0.41 प्रतिशत गिरकर 84,211.88 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 599.25 अंक की गिरावट के साथ 83,957.15 अंक पर आ गया था। एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 96.25 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,795.15 अंक पर बंद हुआ। इसके 50 में से 34 शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में सर्वाधिक 3.20 प्रतिशत की गिरावट आई। अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

● विदेशी पूंजी निकासी और मुनाफा वसूली बनी गिरावट का कारण

आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सन फार्मा के शेयर लाभ में रहे। घरेलू शेयर बाजार लगातार छह सत्रों की तेजी के बाद नुकसान में रहे। इसके पीछे ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली हावी होने के अलावा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की टिप्पणी का भी हाथ रहा। गोयल ने जर्मनी में कहा कि भारत जल्दबाजी में सौदे नहीं करता है और न ही दबाव में आकर समझौते करता है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, स्वर्ण भंडार 6.18 अरब डॉलर उछला

मुंबई। स्वर्ण भंडार में बड़े उछाल के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 4.496 अरब डॉलर बढ़कर 702.28 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़े के अनुसार, इस सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का दूसरा सबसे बड़ा घटक स्वर्ण भंडार 6.181 अरब डॉलर की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 108.546 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। स्वर्ण भंडार लगातार आठवें सप्ताह बढ़ा है। कुछ समय से सोने की कीमतों में जारी तेजी और केंद्रीय बैंक के सोना खरीदने से भंडार लगातार बढ़ रहा है। वहीं, 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.692 अरब डॉलर घटकर 570.411 अरब डॉलर रह गई। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन और यूरो शामिल हैं।

● विदेशी मुद्रा भंडार में सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा भारत

डॉलर को छोड़कर अन्य मुद्राओं का मूल्य डॉलर के मुकाबले उनके विनिमय दर से तय होता है। अन्य घटकों में विशेष आहरण अधिकार 3.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.722 अरब डॉलर और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि तीन करोड़ डॉलर घटकर 4.602 अरब डॉलर पर रही। विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में भारत की स्थिति इस समय काफी मजबूत है।

जीएसटी अधिकारी ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें

गाजियाबाद, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के अवसर पर सीतारमण ने कर अधिकारियों से तेजी से पंजीकरण मंजूरी एवं शिकायत निवारण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और क्षेत्रीय इकाइयों से सक्रिय रूप से व्यापार करने में सुगमता लाने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि ऐसा करने से केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) स्पष्ट संदेश देगा कि कदाचार, कर्तव्य की उपेक्षा या अनैतिक व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा, आपके और व्यापारी के बीच कोई लोहे की दीवार नहीं है, बस हवा का एक झोंका है। आप समझ सकते हैं कि समस्या कहां है, बजाय इसके कि उसे और उलझाएं। उन्होंने कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय अधिक सहानुभूति एवं शिष्टाचार दिखाना चाहिए और उन्हें यह एहसास दिलाना चाहिए कि अगली पीढ़ी के जीएसटी के तहत उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जा रहा है।

● गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के बाद बोलीं वित्तमंत्री

मंत्री ने कहा, अगर करदाताओं में कुछ लोग बुरे लोग हैं तो उन्हें पकड़ने के लिए नियमों का पालन करें लेकिन हर किसी को संदेह की नजर से न देखें। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि आप विनम्र बने रहें। अगली पीढ़ी का जीएसटी केवल दरों, श्रेणियों, सरलीकरण के बारे में नहीं है। इससे करदाता को बेहतर महसूस होना चाहिए।

दूसरी तिमाही में रियल्टी क्षेत्र को पूंजी बाजार से मिला 1.15 अरब डॉलर का वित्तपोषण

नई दिल्ली। इस साल जुलाई-सितंबर के दौरान भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में पूंजी बाजार के जरिए वित्तपोषण पिछली तिमाही के मुकाबले दोगुने से अधिक होकर 1.15 अरब डॉलर हो गया। ग्रांट थॉर्नटन भारत की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रियल एस्टेट क्षेत्र में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान तीन श्रेणियों- विलय एवं अधिग्रहण, निजी इक्विटी और पूंजी बाजार में 42 सौदे हुए, जिनका मूल्य 2.85 अरब डॉलर था। रिपोर्ट कहती है कि दूसरी तिमाही में 84.3 करोड़ डॉलर के 21 विलय एवं अधिग्रहण सौदे हुए, इससे पिछली तिमाही में 19.5 करोड़ डॉलर के छह सौदे हुए थे। सितंबर तिमाही में निजी इक्विटी गतिविधियों में जोरदार उछाल आया और 85.9 करोड़ डॉलर के 12 सौदे हुए, जबकि इससे पिछली तिमाही में कुल 58 करोड़ डॉलर मूल्य के सात सौदे हुए थे।

हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाकर किया 58 प्रतिशत

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को देय महंगाई भत्ते (डीए) एवं महंगाई राहत (डीआर) को मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत करने की शुक्रवार को घोषणा की। सातवें वेतन आयोग की संरचना के अनुसार वेतन और पेंशन या पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने वालों को अब एक जुलाई 2025 से मूल वेतन एवं पेंशन के मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत की दर से डीए और डीआर मिलेगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी पत्र के अनुसार, डीए एवं डीआर की बढ़ी हुई दर का भुगतान अक्टूबर माह के वेतन और पेंशन के साथ किया जाएगा। जुलाई से सितंबर माह के 'एरियर' (बकाया) का भुगतान नवंबर में किया जाएगा।

राष्ट्रीय

नीतीश कुमार के नेतृत्व में इस चुनाव में सभी रिकॉर्ड तोड़ेगा राजग: मोदी

प्रधानमंत्री ने तीखे हमले के साथ की बिहार में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत

समस्तीपुर/बेगूसराय, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में अपने चुनावी अभियान का आगाज करते हुए महागठबंधन पर तीखा हमला बोला और इसे 'महालठबंधन' करार दिया। यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पिछले सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ देगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने के बाद शुक्रवार को अपनी पहली जनसभा समस्तीपुर में की। इसके बाद उन्होंने बेगूसराय में भी एक जनसभा को संबोधित किया। बिहार में महागठबंधन के नाम से जाने जाने वाले विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे महालठबंधन करार दिया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि 'इंडिया' गठबंधन के दो सबसे बड़े घटक दल राजद और कांग्रेस के नेता सबसे भ्रष्ट और जमानत पर छूटे हुए लोग हैं और दशकों से सत्ता से बाहर रहने के बावजूद वे इतने अहंकारी हैं कि वे झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे गठबंधन सहयोगियों को नजरअंदाज कर रहे हैं और विकासशील इंसान पार्टी को धोखा दे रहे हैं।

बेगूसराय की चुनावी सभा में मोदी।

मोदी ने कहा कि वीआईपी को सीटों में उचित हिस्सा नहीं मिला, लेकिन उसके संस्थापक मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का पद देने का वादा किया गया है। महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव पर परोक्ष तौर पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बिहार के लोग उन लोगों पर भरोसा नहीं कर सकते जो जमानत पर छूटे हुए लोग हैं। तेजस्वी यादव का नाम उनके पिता एवं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के साथ नौकरी के लिए जमीन घोटाले में आया है। मोदी ने दोनों जनसभाओं में मौजूद लोगों से अपने मोबाइल फोन की लाइट जलाने को कहा और फिर राजद पर कटाक्ष करते हुए कहा, जब सभी लोगों के पास ऐसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं तो लालटेन की कोई जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राजग सरकार का जोर बिहार में निवेश बढ़ाने पर है।

राजद की हार के बाद मनाएंगे असली दिवाली: शाह

सीवान। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिहार में असली दिवाली 14 नवंबर को तब मनाई जाएगी, जब राजद और उसके सहयोगी दल विधानसभा चुनावों में करारी हार का सामना करेंगे। सीवान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने लालू यादव नीत पार्टी पर जमकर निशाना साधा। कहा, राजद ने माफिया से नेता बने मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को रघुनाथपुर सीट से उम्मीदवार बनाकर साबित कर दिया है कि वह फिर से 'जंगलराज' लौटाना चाहता है। शाह ने कहा, सीवान की जनता को सुनिश्चित करना चाहिए कि शहाबुद्दीन के बेटे की चुनाव में करारी हार हो। लालू-राबड़ी के जंगलराज को जनता ने 20 साल तक भुगता है। मुझे विश्वास है कि 14 नवंबर को जब चुनाव परिणाम आएंगे, तब बिहार की जनता असली दिवाली मनाएगी।

तमिलनाडु में अगले सप्ताह से शुरू होगा एसआईआर: आयोग

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा के वर्ष 2026 में होने वाले चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अगले सप्ताह से आरंभ होगी। भारत चुनाव आयोग ने यह जानकारी गुरुवार को मद्रास हाईकोर्ट को दी।

आयोग ने बताया कि यह प्रक्रिया चुनावों से पूर्व मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए पूरे देश में वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है। यह जानकारी हाईकोर्ट में उस याचिका की सुनवाई के दौरान दी गई, जिसे अन्नाद्रमुक के पूर्व विधायक सत्यनारायणन ने दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि चेन्नई के टी. नगर में द्रमुक के लगभग 13,000 अन्नाद्रमुक समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

पति और उसकी मां के लिए अपशब्द लिखने वाली रेलवे अफसर की तलाक के खिलाफ अपील खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने तलाक मंजूर करने के परिवार न्यायालय के निर्णय के खिलाफ रेलवे की उस ए क्लास महिला अफसर की अपील खारिज कर दी जिसने पति को कमीना और कुतिया का बेटा जैसे संदेश भेजे गए थे। कोर्ट ने कहा है कि पति के अधिकार पर सवाल उठाना और उसकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता है, जो तलाक का आधार है।

हाईकोर्ट ने परिवार अदालत के तलाक आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि अपमानजनक भाषा का प्रयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव समेत महिला का क्रूरतापूर्ण कृत्य अपने आप में विवाह विच्छेद के लिए पर्याप्त आधार हैं। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने 17 अक्टूबर को पारित अपने फैसले में कहा, महिला ने पुरुष को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उसके अधिकार पर सवाल उठाना और उसकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना शामिल था। अदालत ने कहा, ऐसे संदेश जिनमें कमीना, कुतिया का बेटा जैसे शब्द इस्तेमाल किए गए और कहा गया कि उसकी मां को वेश्यावृत्ति करके कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता है।

● हाईकोर्ट ने कहा- पति के अधिकार पर सवाल उठाना, उसकी मां पर निंदनीय आरोप लगाना क्रूरता

बोली- मेरे साथ हुई क्रूरता

हाईकोर्ट ने यह आदेश महिला द्वारा दायर अपील पर पारित किया, जिसमें दावा किया गया था कि परिवार अदालत ने उसके साथ हुई क्रूरता पर विचार नहीं किया तथा पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। महिला भारतीय रेलवे यातायात सेवा की ग्रुप ए अधिकारी है और पुरुष पेशे से वकील है। दोनों ने जनवरी 2010 में विवाह किया था और मार्च 2011 में वे अलग हो गए। यह दोनों की दूसरी शादी थी। परिवार अदालत ने पति के पक्ष में उसकी अलग रह रही पत्नी द्वारा की गई क्रूरता के आधार पर 2023 में तलाक का आदेश दे दिया।

पनामा में रोबोटिक्स ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र सम्मानित

बेंगलुरु। दिव्याश्री ने स्टेम एजुकेशन ट्रस्ट और द इनोवेशन स्टोरी के सहयोग से रेवा विश्वविद्यालय के साथ बेंगलुरु स्थित एक सरकारी स्कूल के पांच उन छात्रों को सम्मानित किया जो पनामा में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित फर्स्ट ग्लोबल चैलेंज 'रोबोटिक्स ओलंपिक 2025' में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत के नवप्रवर्तन पारिस्थितिकी तंत्र के लिए इसे एक गौरवपूर्ण क्षण बताया गया।

सम्मान समारोह रेवा विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया जहां सरकारी हाई स्कूल मल्लेश्वरम के छात्र अर्जुन के राज (रोबोट सीएडी डिजाइनर), जीएन चंदन राज (इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख), गौरेश के (रोबोट प्रोग्रामर), निंगराज (मैकेनिकल प्रमुख) और परशुराम एम (रोबोट चालक) ने अपने रोबोट का प्रदर्शन किया। रेवा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. पी श्यामा राजू ने युवा नवप्रवर्तकों की सराहना की। इंडिया कोटिएंट के जनरल पार्टनर गगन गोयल ने नवाचार के तीन पी - प्रेरणा, धैर्य और दृढ़ता पर विचार साझा किए। द इनोवेशन स्टोरी की संस्थापक मीनल मजूमदार ने छात्रों को जिज्ञासा और रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

● रेवा विश्वविद्यालय दिव्याश्री और रेवा विश्वविद्यालय ने किया सम्मान

छात्रों ने अपने रोबोट का भी प्रदर्शन किया, जो इको इक्विलिब्रियम चुनौती में प्रतिस्पर्धा करेगा। यह वैश्विक कार्यक्रम 190 से अधिक देशों के युवा नवप्रवर्तकों को एक साथ लाता है, जो समस्या-समाधानकर्ताओं और परिवर्तनकर्ताओं की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाता है। कार्यक्रम में एफसीजी टीम इंडिया के संरक्षक अखिल अरुण मेनन और संकाय सदस्यों तथा रेवा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

लेह हिंसा की न्यायिक जांच आज से शुरू होगी

लेह/जम्मू। लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसक झड़पों की न्यायिक जांच शनिवार से शुरू होगी और इस दौरान पीड़ितों को जांच पैनल के सदस्यों के समक्ष अपनी गवाही दर्ज कराने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। केंद्र ने लेह में हुई हिंसक झड़पों की उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच कराए जाने की 17 अक्टूबर को घोषणा की थी। यह लद्दाख के प्रदर्शनकारी समूहों की एक प्रमुख मांग थी। लेह में हुई इस झड़प में 1999 के करगिल युद्ध में हिस्सा लेने वाले एक पूर्व सैनिक सहित चार लोगों की जान चली गई थी। विधि एवं न्याय विभाग के सलाहकार कुरैशी तारिक महमूद द्वारा शुक्रवार को जारी एक आदेश में कहा गया, लेह शहर में हुई 24 सितंबर की घटना की न्यायिक जांच 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक लेह के मेलोंगथांग स्थित वैकल्पिक विवाद निवारण केंद्र में होगी।

पुलिसकर्मी ने किया बलात्कार, हाथ पर सुसाइड नोट लिख सरकारी डॉक्टर ने की आत्महत्या

सतारा। महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत महिला चिकित्सक ने फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि महिला चिकित्सक ने अपनी हथेली पर एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा है, जिसमें उसने एक पुलिसकर्मी पर बलात्कार और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना का संज्ञान लेते हुए सतारा के एसपी तुषार दोशी से फोन पर बात की और आरोपी पुलिस उपनिरीक्षक को तत्काल बर्खास्त करने का आदेश दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीड जिले से ताल्लुक रखने वाली 28 वर्षीय महिला चिकित्सक फलटण तहसील के एक सरकारी अस्पताल में काम करती थीं। महिला चिकित्सक का शव बृहस्पतिवार देर रात फलटण में एक होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटकता हुआ मिला। पुलिस के अनुसार, महिला चिकित्सक ने अपनी हथेली पर लिखे 'सुसाइड नोट' में आरोप लगाया है कि पिछले पांच महीनों में सतारा के एक पुलिस उपनिरीक्षक ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया, जबकि एक अन्य व्यक्ति उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। पुलिस ने बताया कि सुसाइड नोट में महिला चिकित्सक ने लिखा है कि उपनिरीक्षक गोपाल बदाने ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया, जबकि पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर ने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

मोदी बताएं, 65% आरक्षण का प्रावधान नौवीं अनुसूची में क्यों नहीं डाला: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे से पहले शुक्रवार को कहा कि उन्हें यह बताना चाहिए कि पिछड़ों, अति पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान को संविधान की नौवीं अनुसूची में क्यों नहीं डाला गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री आज कर्पूरी ठाकुर जी के गांव जा रहे हैं। उनके लिए तीन सीधे सवाल हैं। उन्होंने कहा, कर्पूरी ठाकुर जी ने 1978 में पिछड़ों को 26 प्रतिशत आरक्षण देकर सामाजिक न्याय की ऐतिहासिक नींव रखी थी। क्या यह सही नहीं है कि आपकी पार्टी के वैचारिक पूर्वज जनसंघ और आरएसएस ने उनकी आरक्षण नीति का खुलकर विरोध किया था। क्या उस समय जनसंघ-आरएसएस ने सड़कों पर कर्पूरी ठाकुर जी के खिलाफ अपमानजनक और घृणा से भरे नारे नहीं लगाए थे क्या उस दौर में जनसंघ-आरएसएस खेमे के प्रमुख नेताओं ने कर्पूरी ठाकुर सरकार को अस्थिर करने और गिराने में अहम भूमिका नहीं निभाई थी। कांग्रेस नेता ने सवाल किया, क्या प्रधानमंत्री आज उस ऐतिहासिक गलती के लिए अपने वैचारिक पूर्वजों - जनसंघ और आरएसएस की ओर से माफ़ी मांगेंगे।

भाजपा ने नीतीश को हाईजैक किया, राजग जीती तो नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री: तेजस्वी

पटना। राजद के नेता और महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को भाजपा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाईजैक कर लेने का आरोप लगाया और दावा किया कि अगर बिहार में एक बार फिर राजग की सरकार बनी, तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा।

सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन की सरकार बनने पर मुकेश सहनी के अलावा अन्य समाज और धर्म के लोगों को भी उप मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा जाएगा तथा इस बारे में जल्द घोषणा की जाएगी। राजद नेता ने दावा किया, अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि चुनाव के बाद विधायक तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। स्पष्ट हो गया है कि अगर राजग को सत्ता मिली तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार को भाजपा ने हाइजैक कर लिया है और गुजरात के दो लोग संकेत रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बिहार चला रहे हैं।

भारत की गर्जना...

अहमदाबाद। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी) शुक्रवार को गुजरात के मेहसाणा में हवाई अड्डे के ऊपर युद्धाभ्यास करती हुई।

अमेरिका-रूस के बीच विवाद

अमेरिका और रूस के बीच तनाव एक पुरानी समस्या है, जो हाल के वर्षों में और भी बढ़ गई है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। जिनमें रूस के तेल और गैस क्षेत्र को निशाना बनाना शामिल है। हाल ही में, अमेरिका ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत भी रूस से तेल खरीदना बंद कर दे और उसके साथ व्यापारिक संबंधों को सीमित करे।

भारत का यह कहना है : भारत सरकार ने कहा है कि उसकी ऊर्जा नीति बाजार की जरूरतों और राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। भारत ने अमेरिका को आश्वस्त किया है कि उसके साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हितों को भी ध्यान में रखेगा।

भारत के लिए चुनौतियां

अमेरिका को क्या फायदा होगा?

अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देता है, तो अमेरिका को कई फायदे होंगे। रूस की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा, जिससे वह यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान को जारी रखने में मुश्किलों का सामना करेगा। अमेरिका को अपने ऊर्जा बाजार को मजबूत करने में मदद मिलेगी, जिससे उसकी ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी। भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार होगा, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार और सुरक्षा सहयोग बढ़ेगा।

रूस की सख्त प्रतिक्रिया

प्रतिबंधों को लेकर रूस की प्रतिक्रिया बहुत ही सख्त और आत्मविश्वास से भरी हुई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी प्रतिबंधों को अनफ्रेंडली एक्ट बताया है और कहा है कि इससे रूस और अमेरिका के बीच संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पुतिन ने कहा है कि इन प्रतिबंधों का रूस पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। पुतिन ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर रूस पर अमेरिकी टोमहॉक मिसाइलों से हमला किया गया, तो जवाब बहुत मजबूत होगा। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रतिबंध रूस-यूक्रेन संघर्ष की समाप्ति को बातचीत की संभावनाओं को कम करेंगे।

अमेरिका रूस से यह चाहता है

अमेरिका रूस से चाहता है कि वह यूक्रेन पर हमला बंद करे और अपने सैनिकों को वापस बुलाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन मुद्दे पर रूस के साथ समझौता करने की इच्छा जताई है, लेकिन यूक्रेन की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने पर जोर दिया है। ट्रंप ने कहा है कि वह यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौते के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन दोनों पक्षों को अपनी सहमति देनी होगी।

भारत के समक्ष मुश्किलें

ट्रंप प्रशासन ने भारत को चेतावनी दी है कि वह रूस से तेल खरीदना जारी रखता है, तो उसे आर्थिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। भारत के लिए यह एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से तेल खरीदता है। भारत ने रूस से तेल खरीदने का फैसला अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हित में लिया है, लेकिन अमेरिका के दबाव का सामना करना उसके लिए मुश्किल हो रहा है।

जटिल मुद्दा, कई पक्षों के हित शामिल

अमेरिका-रूस विवाद और भारत के लिए चुनौतियां एक जटिल मुद्दा है, जिसमें कई पक्षों के हित शामिल हैं। भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हितों को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के दबाव का सामना करना होगा और अपनी द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए काम करना होगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

लंदन में ईयू नेताओं से मिलेंगे जेलेंस्की

लंदन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की शुक्रवार को 20 से अधिक यूरोपीय नेताओं के साथ वार्ता के लिए लंदन में होंगे। इन नेताओं ने तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को रोकने के लिए संघर्षविराम होने पर यूक्रेन को भविष्य में रूस की आक्रामकता से बचाने के लिए सैन्य सहायता देने का वादा किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर द्वारा आयोजित इस बैठक में सर्दियों के आगमन के साथ रूस द्वारा लगभग हर दिन किए जाने वाले ड्रोन और मिसाइल हमलों से यूक्रेन की विद्युत ग्रिड की सुरक्षा करने में मदद के तरीकों पर भी चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही यूक्रेनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने और कीव को रूस के अंदर तक हमला करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति करने पर भी चर्चा की जाएगी।

कनाडा : दिवाली पर जारी किया डाक टिकट

ओटावा। कनाडा पोस्ट ने देश के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने का जश्न मनाने के लिए दिवाली की थीम पर आधारित एक नया डाक टिकट जारी किया है। ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दिवाली के उपलक्ष्य में पारंपरिक रंगोली वाला डाक टिकट जारी करने के लिए 'कनाडा पोस्ट' का आभार जताया। 'कनाडा' पोस्ट ने कहा कि दीपावली न सिर्फ कनाडा, बल्कि दुनियाभर में हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैनियों और अन्य समुदायों द्वारा मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है तथा इस अवसर पर देश की सांस्कृतिक विविधता को मान्यता देते हुए एक डाक टिकट जारी कर हमें गर्व महसूस हो रहा है।

पाकिस्तान में आठ आतंकवादी मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को खुफिया सूचना पर आधारित एक अभियान के दौरान टीटीपी के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह अभियान लक्की मारवात जिले के वांडा शेख अल्लाह इलाके में चलाया गया। जिसमें प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। एक अन्य घटना में, शुक्रवार को दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे टैंक जिले में अज्ञात हमलावरों ने विस्फोट कर एक नवनिर्मित सरकारी बालिका प्राथमिक विद्यालय भवन को उड़ा दिया। घटना सियाल गुल कोरोना के गारा बुड्ढा गांव में हुई। इस विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ।

अमेरिका का दावा, भारत ने रूस से तेल आयात कम करना शुरू किया

व्हाइट हाउस ने कहा-राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध के बाद ही भारत ने ऐसा किया

वाशिंगटन, एजेंसी

व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुरोध पर रूस से तेल आयात को कम करना शुरू कर दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर आप रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को देखें, तो वे काफी सख्त हैं। वह यह बात रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर बुधवार को लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के संदर्भ में कह रही थीं। ये प्रतिबंध रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच मॉस्को के प्रमुख राजस्व स्रोतों को सीमित करने के प्रयास का हिस्सा हैं। लेविट ने कहा, मैंने कुछ अंतर्राष्ट्रीय खबरें देखी हैं जिनमें कहा गया है कि चीन रूस से तेल की खरीद घटा रहा है; हमें पता है कि भारत ने भी राष्ट्रपति के अनुरोध पर ऐसा किया है।

उन्होंने बताया कि वाशिंगटन ने अपने यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात घटाने का आग्रह किया है, जिसे उन्होंने मॉस्को के युद्ध-वित्तपोषण चैनलों के खिलाफ एक पूर्ण दबाव अभियान बताया। अमेरिकी प्रशासन पिछले कुछ दिनों से दावा कर रहा है कि भारत ने रूस से तेल आयात में उल्लेखनीय कमी लाने का आश्वासन दिया है।

- वाशिंगटन का यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात घटाने का आग्रह

भारत हालांकि लगातार यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति उसके राष्ट्रीय हितों द्वारा निर्देशित होती है विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए कि उसके उपभोक्ताओं को सस्ती और सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति मिले। अमेरिका का कहना है कि रूस से कच्चा तेल खरीदकर भारत, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन युद्ध के लिए आर्थिक सहायता दे रहा है। भारत और अमेरिका के बीच बीच संबंध हाल के दिनों में तनावपूर्ण हो गए हैं, खासकर तब जब ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर शुल्क दोगुना, 50 प्रतिशत तक कर दिया, जिसमें रूस से तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। भारत ने इस अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अविवेकी बताया है।

लेविट ने कहा कि ट्रंप ने पहले ही संकेत दिया था कि वह रूस के खिलाफ उचित और आवश्यक समय आने पर कार्रवाई करेंगे और कल वही दिन था। उन्होंने कहा कि ट्रंप काफी समय से पुतिन के प्रति नाराज़गी व्यक्त करते रहे हैं क्योंकि पुतिन शांति समझौते की दिशा में पर्याप्त रुचि या पहल नहीं दिखा रहे थे। ट्रंप और पुतिन की इस वर्ष के अंत में हंगरी में बैठक प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। लेविट ने कहा कि बैठक पूरी तरह से टली नहीं है।

भारतीय रिफाइनरी पश्चिम एशिया से अधिक तेल खरीदेंगी, अमेरिका ले सकता है रूस की जगह

नई दिल्ली। दो रूसी तेल उत्पादक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रूस से कच्चे तेल आयात में होने वाली कमी की भरपाई के लिए पश्चिम एशिया, लातिन अमेरिका और अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा सकती हैं। सूत्रों और विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। अमेरिकी सरकार ने 22 अक्टूबर को रूस के दो सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर प्रतिबंध लगा दिए। सभी अमेरिकी संस्थाओं और व्यक्तियों को इन कंपनियों के साथ व्यापार करने से रोक दिया गया है। इस समय भारत के कच्चे तेल आयात में लगभग एक तिहाई हिस्सा रूस का है। रूस ने भारत को वर्ष 2025 में औसतन लगभग 17 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का निर्यात किया। इसमें से लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन तेल सीधे रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से आया। इनमें से ज्यादातर तेल निजी रिफाइनरी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी ने खरीदा था। सरकारी रिफाइनरी कंपनियों की इसमें कम हिस्सेदारी ही रही है। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा कि 21 नवंबर तक रूसी कच्चे तेल की आवक 16-18 लाख बैरल प्रतिदिन के दायरे में रहने की उम्मीद है, लेकिन उसके बाद रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से सीधे आयात में गिरावट आ सकती है। जाहिर है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों के किसी भी जोखिम से बचना चाहती हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों की तत्काल आवश्यकता : जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि वैश्विक निकाय का कामकाज अवरुद्ध हो गया है। भारत ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकवादी संगठन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बचाने संबंधी पाकिस्तान के प्रयासों का हवाला देते हुए यह टिप्पणी की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वैश्विक रणनीति के नाम पर आतंकवाद के पीड़ितों और गुनाहगारों की तुलना करने वालों की भी आलोचना की। उन्होंने यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तौलने की प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हुए की, खासकर हाल में हुए आतंकवादी हमले के संदर्भ में। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र में होने वाली बहसें अब बहुत ज्यादा बंटी हुई हैं और उसका कामकाज साफ तौर पर रुका हुआ दिख रहा है।

जयशंकर ने कहा कि किसी भी सार्थक सुधार को उसकी अपनी प्रक्रिया के जरिए ही रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को बनाए रखना तथा इसके पुनर्निर्माण की मांग करना स्पष्ट रूप से विश्व के समक्ष एक बड़ी चुनौती है।

संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्ष पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए विदेश मंत्री।

- विदेशमंत्री बोले-अवरुद्ध हो गया है वैश्विक निकाय का काम
- यूएन की 80वीं वर्षगांठ पर कहा-संयुक्त राष्ट्र में सब ठीक नहीं

पीड़ितों-अपराधियों को एक श्रेणी में रखना निंदनीय

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को एक ही श्रेणी में रखना दुनिया को और अधिक निंदनीय बना देता है। जब खुद को आतंकवादी कहने वालों को प्रतिबंधों से बचाया जाता है, तो इसमें शामिल लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठता है। पाकिस्तान वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य है। जुलाई में वह इस शीर्ष वैश्विक संस्था का अध्यक्ष था।

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के प्रति संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया से ज्यादा, कुछ उदाहरण संयुक्त राष्ट्र के सामने मौजूद चुनौतियों को दर्शाते हैं। जब सुरक्षा परिषद का एक वर्तमान सदस्य उसी संगठन का खुलेआम बचाव करता है जिसने पहलगाम जैसे बर्बर आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली है, तो इससे बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर क्या असर पड़ता है? जयशंकर ने हालांकि सीधे तौर पर पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी से यह स्पष्ट था कि वह उसी देश का उल्लेख कर रहे थे।

लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी समूह से जुड़े 'द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली थी। जुलाई में यूएनएससी की रिपोर्ट में पहलगाम हमले में टीआरएफ की भूमिका का उल्लेख किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान ने पहलगाम हमले की निंदा करने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रेस वक्तव्य में टीआरएफ का उल्लेख हटाने का प्रयास किया था। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ज्वलंत मुद्दों का समाधान करने में विफल रहा है।

दक्षिण कोरिया में ट्रंप और जिनपिंग की होगी मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी

- टैरिफ वार को देखते हुए दोनों की मुलाकात मानी जा रही महत्वपूर्ण

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते एशिया यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि ट्रंप गुरुवार को एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन (एपेक) में भाग लेने के लिए दक्षिण कोरिया रवाना होंगे, जहां वह इस सम्मेलन से इतर शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे।

उल्लेखनीय है कि यह मुलाकात ऐसे समय में होने वाली है जब दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले हफ्ते ही नवंबर से चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी थी। इधर चीन ने भी दुर्लभ मृदा खनिजों के निर्यात पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप ने हालांकि कुछ हफ़्ते पहले कहा था कि वह एपेक शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग से मिलेंगे, लेकिन उन्होंने सटीक तारीख के बारे में नहीं बताया था।

दुर्लभ-पृथ्वी खनिजों पर चीन के प्रतिबंधों को लेकर उनके मुलाकात के रद्द होने की संभावना भी जताई जा रही थी।

गाजा शांति समझौता स्थिरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने हाल ही में हस्ताक्षरित गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया में स्थिरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया और पुनः दोहराया कि दो-राष्ट्र समाधान ही इजराइल और फलस्तीन के बीच स्थायी शांति स्थापित करने का एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गुरुवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर आयोजित त्रैमासिक खुली बहस में, विश्व निकाय में भारत के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत पार्वतनेनी हरीश ने कहा कि भारत की हार्दिक इच्छा है कि एक स्थिर और शांतिपूर्ण पश्चिम एशिया का सपना साकार हो... वंचना और अपमान किसी के दैनिक जीवन का हिस्सा नहीं होना चाहिए; संघर्ष के कारण निर्दोष नागरिकों की जान नहीं जानी चाहिए।

- दो राष्ट्र समाधान से ही इजराइल-फलस्तीन में स्थायी शांति : भारत

उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में अपने योगदान के लिए पूरी तरह तैयार है। हरीश ने आशा व्यक्त की कि इस महीने की शुरुआत में शर्म अल-शेख में आयोजित शांति सम्मेलन से उत्पन्न सकारात्मक कूटनीतिक गति क्षेत्र में स्थायी शांति की ओर अग्रसर होगी। उन्होंने इस ऐतिहासिक शांति समझौते का स्वागत करते हुए अमेरिका, विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की और मिस्र तथा कतर के योगदान की भी प्रशंसा की। भारत की पुरानी नीति दोहराते हुए उन्होंने कहा कि दो-राष्ट्र समाधान ही एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है। अब समय है कि सभी पक्ष चल रही शांति प्रक्रिया का समर्थन करें, न कि उसे बाधित करें। भारत लंबे समय से एक स्वतंत्र, संप्रभु और सक्षम फलस्तीनी राष्ट्र का समर्थन करता आया है, जो सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर इजराइल के साथ शांति के साथ रहे और सुरक्षित रहे। हरीश ने कहा कि संवाद और कूटनीति ही शांति का रास्ता हैं। अमेरिका की यह ऐतिहासिक पहल शांति की दिशा में कूटनीतिक गति लेकर आई है और सभी पक्षों को अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए। भारत किसी भी एकतरफा कदम का दृढ़ता से विरोध करता है।

फलस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन

फलस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करते हुए हरीश ने पिछले महीने दो-राष्ट्र समाधान के क्रियान्वयन पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र उच्चस्तरीय सम्मेलन का हवाला दिया, जिसमें आगे की राह पर बल दिया गया था। मानवीय मोर्चे पर उन्होंने कहा कि भारत ने अब तक 17 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सहायता फलस्तीन को दी है, जिसमें चार करोड़ डॉलर के चल रहे प्रोजेक्ट और पिछले दो वर्षों में 135 मीट्रिक टन दवाएं एवं राहत सामग्री शामिल हैं। हरीश ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सहयोग के बिना फलस्तीनी लोग अपना जीवन नए सिरे से शुरू नहीं कर सकते हैं। उन्होंने निवेश और रोजगार के अनुकूल आर्थिक ढांचे के निर्माण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फलस्तीनी मोर्चे पर शांति और स्थिरता का प्रभाव व्यापक क्षेत्र पर पड़ता है... वार्ता जारी रहनी चाहिए और संवाद एवं कूटनीति की प्रभावशीलता पर अटूट विश्वास बनाए रखना आवश्यक है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 अक्टूबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 26 अक्टूबर 03 .48 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

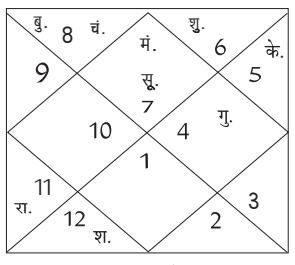

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अनुराधा 07 .51 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज सोच-समझकर ही धन संबंधी निर्णय लें। खानपान में शुद्धता का ध्यान रखना आवश्यक होगा। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधान रहना चाहिए। अनैतिक कृत्यों की ओर प्रेरित हो सकते हैं। अपने शुभचिंतकों की सलाह को अन्यथा न लें।

वृष — आज आपकी योजना सफल होगी। विवादों को सुलझा सकते हैं। घर में कुछ मेहमानों का आगमन हो सकता है। कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिणाम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। दिनचर्या थोड़ी असामान्य हो सकती है।

मिथुन — आज नकारात्मक आदतों को छोड़ने का प्रयास करें। अपनी योजनाओं को लोगों के सामने साझा न करें। लोग आपके भोलेपन का लाभ उठा सकते हैं। आप दूसरों की सहायता करने की पूरी कोशिश करेंगे। घर का वातावरण अनुशासित रहेगा।

कर्क — आज कारोबार को लेकर अधिक तनाव न लें। उधार लेन-देन को लेकर थोड़ी समस्या होगी। अपनी क्षमता और योग्यता पर संदेह न करें। आलस्य में अपना समय बर्बाद न करें। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़े गंभीर रहें।

सिंह — आज यदि घर बेचना चाह रहे हैं, तो आपको शुभ परिणाम मिलने की संभावना है। विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं। कुछ लोग आपका मूड खराब करने का प्रयास करेंगे। उच्च शिक्षा को लेकर काफी मेहनत करेंगे।

कन्या — आज काम के प्रति एकाग्रता में वृद्धि होगी। आपकी समस्याओं का समाधान आपको मिल सकता है। आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा कर सकते हैं। रिश्तेदारों से शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

तुला — आज आपको अनावश्यक खर्च करने से बचना चाहिए। लोग आपकी बातों का गलत मतलब न निकालें इसका ध्यान रखें। कला जगत से जुड़े लोगों को बड़े मौके मिल सकते हैं। यदि सर्दी-खांसी से पीड़ित हैं, तो तुरंत उसका इलाज करवाएं।

वृश्चिक — आज साझेदारी वाले व्यापार में अच्छा लाभ हो सकता है। फिलहाल वर्तमान के कार्यों में ही ध्यान दें। भविष्य की योजना न बनाएं। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। आप रोमांचक कार्यों में रुचि ले सकते हैं। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

धनु — आज नौकरी में अचानक स्थान परिवर्तन से परेशान हो सकते हैं। भूमि संबंधित मामलों में अड़चन आने की संभावना है। आदर्शवादी होने से आपको बचना चाहिए। लोग आपको धोखा दे सकते हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध प्रभावित हो सकते हैं।

मकर — आज पुराने रोग से मुक्ति मिलने के अच्छे योग हैं। अपना खानपान अत्यंत संतुलित रखें। सभी काम सही समय पर पूर्ण हो जाएंगे। आपकी सलाह से लोगों को बहुत लाभ होगा। प्रेम संबंधों को परिवार से स्वीकृति मिल सकती है।

कुंभ — आज लोग आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा नरम सा हो सकता है। लंबित योजनाओं को क्रियान्वित करने में सरलता होगी। परिवार में थोड़ा काम की अधिकता रहेगी। पिताजी अथवा गुरुजनों के साथ किसी गंभीर मुद्दे पर चर्चा हो सकती है।

मीन — आज बनते हुए कार्यों में विघ्न आने की आशंका है। अध्यात्मिक चिंतन को आप समय देंगे। बुजुर्गों के व्यवहार से आप आहत हो सकते हैं। व्यापारिक यात्रा के लिए जाना पड़ सकता है। अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित कर लें।

सुडोकू-140

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	4	6						
		7	5					4
		9		2		8		
4						7		8
			3		7			
5		8						2
		4		6		3		
8		3			9	4		6
	1					9	8	

सुडोकू - 139 का हल

8	7	9	2	4	6	1	3	5
6	5	3	7	9	1	4	8	2
1	2	4	3	8	5	6	9	7
4	8	2	5	7	9	3	6	1
5	3	1	6	2	8	7	4	9
7	9	6	1	3	4	2	5	8
9	1	7	4	5	3	8	2	6
3	6	5	8	1	2	9	7	4
2	4	8	9	6	7	5	1	3

एक्सपीरियंस सेंटर शतरंज को अधिक आकर्षक, इंटरैक्टिव और ग्लोबल बनाने की दिशा में अगला कदम है। मुझे यह देखकर गर्व है कि टेक महिंद्रा खेल के विस्तार और अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए टेक्नोलॉजी का कैसे प्रयोग कर रहा है।

विश्वनाथन आनंद

स्टेडियम

लखनऊ, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पंजाब एफसी ने पाब्लो से किया अनुबंध

मोहाली : पंजाब एफसी ने इस सप्ताहांत गोवा में शुरू होने वाले सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट से पहले शुक्रवार को ब्राजील के अनुभवी सेंटर बैक पाब्लो रेनन डॉस सैंटोस को एक साल के अनुबंध पर टीम में शामिल किया। इस 33 वर्षीय खिलाड़ी को विश्व भर की कई फुटबॉल लीग में खेलने का व्यापक अनुभव है और उनकी मौजूदगी से पंजाब एफसी की टीम की रक्षा पंक्ति को मजबूती मिलेगी। पंजाब की टीम से जुड़ने के बारे में पाब्लो ने कहा कि पंजाब एफसी की टीम का इस सत्र में काफी व्यस्त कार्यक्रम है और मैं यहां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार हूं। मैं चुनौती के लिए तैयार हूं।

अली तरीन ने पीसीबी का कानूनी नोटिस फाड़ा

कराची : पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) की फ्रेंचाइजी मुल्तान सुल्तांस के मालिक अली तरीन ने रिकॉर्डेड वीडियो में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा उन्हें भेजे कानूनी नोटिस को फाड़ दिया, जिसमें उनकी टीम का अनुबंध समाप्त करने की धमकी दी गई थी। अली तरीन और पीसीबी के बीच विवाद अब सार्वजनिक रूप से सामने आ गया है। गुरुवार को इसका खुलासा हुआ कि पीसीबी ने इस फ्रेंचाइजी को कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें कहा गया है कि वह पीएसएल के संचालन के तरीके की आलोचना करने पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे तथा ऐसा नहीं करने पर उनका फ्रेंचाइजी अनुबंध रद्द कर दिया जाएगा।

जडेजा की मौजूदगी से मध्य प्रदेश के खिलाफ सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में

रणजी ट्रॉफी

राजकोट, एजेंसी

सौराष्ट्र की टीम रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी के दूसरे दौर के मैच में शनिवार को जब मध्य प्रदेश के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो शानदार लय में चल रहे अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा की मौजूदगी से टीम का मनोबल काफी ऊंचा होगा। जडेजा की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी निरंजन शाह स्टेडियम की पिच पर सौराष्ट्र की गेंदबाजी को मजबूती देगी, जहां पिछले सप्ताह कर्नाटक के खिलाफ पहले दौर के मैच में स्पिनरों ने 31 विकेट चटकाए थे।

चेतेश्वर पुजारा के संन्यास के बाद सौराष्ट्र का मध्यक्रम पिछले मैच में कमजोर नजर आया, लेकिन जडेजा की मौजूदगी से टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। जडेजा शानदार लय में चल रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड में पांच मैचों की श्रृंखला में बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नाबाद 104 रन की पारी खेली। मध्य प्रदेश को उम्मीद होगी कि पंजाब के खिलाफ नाबाद 205 रन की पारी खेलने वाले कप्तान रजत पाटीदार के साथ वेंकटेश अय्यर और यश दुबे बल्ले से योगदान देना जारी रखेंगे। सौराष्ट्र चाहेगा कि हार्विक देसाई, प्रेरक मांकड़ और अनुभवी अर्पित वासवडा जैसे खिलाड़ी मध्य प्रदेश की गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करें। मध्यप्रदेश की उम्मीदें स्पिनर कुमार कार्तिकेय, शुभम शर्मा और सारांश जैन पर टिकी होंगी जिसने पंजाब के बल्लेबाजों को परेशान किया था।

रविंद्र जडेजा

ग्रुप के अन्य मैचों में कर्नाटक की टीम गोवा के खिलाफ जीत का खाता खोलने को जोर लगाएगी। कर्नाटक अपने पहले मैच में सौराष्ट्र के खिलाफ मामूली अंतर से बढ़त लेने से चूक गया था। कप्तान मयंक अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, करुण नायर और आर स्मरण की मौजूदगी से कर्नाटक की टीम कागजों पर मजबूत दिख रही है लेकिन गोवा के पास भी ललित यादव, दर्शन मिसल और सुयश प्रभुदेसाई जैसे खिलाड़ी है जो इस टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। ग्रुप बी के अन्य मैचों में पिछले साल के उपविजेता केरल के सामने पंजाब की चुनौती होगी जबकि चंडीगढ़ का समाना महाराष्ट्र से होगा।

हिमाचल के खिलाफ पूरे अंक हासिल करना चाहेगी दिल्ली

नई दिल्ली। आत्मविश्वास से लबरेज दिल्ली की टीम हिमाचल प्रदेश के खिलाफ पूरे अंक हासिल करने की कोशिश करेगी, लेकिन इस बात पर बहस जारी है कि मुख्य कोच सरनदीप सिंह शनिवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच के लिए प्रतिभाशाली प्रियांश आर्य को अंतिम एकादश में चुनेंगे या नहीं। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में अजीबोगरीब चीजें होती रही हैं और भारत ए के मौजूदा क्रिकेटर को बेंच पर बैठाना उनकी शर्मनाक स्थिति में एक कड़ी हो सकती है क्योंकि इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपने अंतिम प्रतिस्पर्धी मैच में शतक जड़ा था। दिल्ली और हिमाचल दोनों ने अपने शुरुआती मुकाबले में तीन-तीन अंक हासिल किए थे। कोटला अक्टूबर में रणजी मैचों की मेजबानी कम ही करता है इसलिए पिच सपाट और धीमी रहने की उम्मीद है। उसी तरह रन बनने की उम्मीद है जैसे हैदराबाद में मेजबान टीम के मैच में सनत सांगवान और पदार्पण कर रहे आयुष दोसेजा ने दोहरे शतक लगाए थे। दिल्ली इस मैच में दावेदार के रूप में उतरेगी क्योंकि हिमाचल प्रदेश मजबूत प्रतिद्वंद्वी नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए सरफराज को भारत ए की जरूरत नहीं: शार्दुल

मुंबई। मुंबई के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने कहा कि सरफराज खान को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के दौरे या श्रृंखला की जरूरत नहीं है, क्योंकि मध्यक्रम का यह बल्लेबाज घरेलू क्रिकेट में रन बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी कर सकता है। भारत के लिए 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट में पदार्पण करने वाले सरफराज ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन उसके बाद से उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के लिए छह टेस्ट खेल चुके 28 वर्षीय सरफराज को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की श्रृंखला के लिए नजरअंदाज किया गया है। सरफराज ने अपना पिछला टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में खेला था। शारदुल ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ घरेलू मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि भारत ए टीम में ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें वे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार करना चाहते हैं। सरफराज को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के मैच की जरूरत नहीं है। अगर वह फिर से रन बनाने लगे, तो वह सीधे टेस्ट टीम में शामिल हो सकते हैं। मुंबई के रणजी सत्र के मैच में जम्मू कश्मीर के खिलाफ अच्छी शुरुआत को भुनाने में नाकाम रहे सरफराज़ का शारदुल ने बचाव करते हुए कहा कि वह चोट के बाद वापसी कर रहे हैं, लेकिन इससे पहले, उन्होंने बुची बाबू ट्रॉफी में चोटिल होने से पहले दो-तीन शतक लगाए थे।

सरफराज खान

शाहबाज की वापसी, बारिश के खतरे के बीच बंगाल की नजरें दूसरी जीत पर

कोलकाता। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाहबाज अहमद की वापसी से उत्साहित बंगाल शनिवार को रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच में गुजरात के खिलाफ दूसरी जीत दर्ज करने की कोशिश करेगा। हालांकि चौथे दिन बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने निम्न दबाव मंगलवार तक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और कोलकाता में भारी बारिश का अनुमान है। स्पोर्ट्स हर्निया और बंगाल प्रो टी20 लीग के दौरान लगी कंधे की चोट से उबरने के बाद शाहबाज नवंबर 2024 के बाद पहली बार मैदान पर उतरेंगे। वह पिछली बार इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेले थे। उनके शामिल होने से टीम को संतुलन प्रदान करने की उम्मीद है जिससे बंगाल की बल्लेबाजी को जरूरी गहराई मिलेगी। शाहबाज ने मैच से पहले नेट्स पर लंबे समय तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी की। गुजरात के खिलाफ मैच में युवा स्पिन ऑलराउंडर विशाल भाटी की जगह उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किए जाने की संभावना है। मुख्य कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने कहा कि शाहबाज की वापसी से टीम का संतुलन निश्चित रूप से मजबूत होगा। वह गुजरात के खिलाफ अच्छी भूमिका निभा पाएंगे। शाहबाज के आने से बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी जिसकी अगुवाई भारत के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी मोहम्मद शमी और आकाश दीप कर रहे हैं। शमी ने पिछले मैच में बंगाल को उत्तराखंड पर आठ विकेट से जीत दिलाई थी। उन्होंने मैच में सात विकेट लिए और आकाश, ईशान पोरेल और सूरज जायसवाल के साथ मिलकर एक मजबूत तेज गेंदबाजी चौकड़ी बनाई। हालांकि पहली पारी में शमी लय में नहीं थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने वापसी की और गेंद को स्विंग और रिवर्स स्विंग कराया जिससे बंगाल को छह अंक मिले।

ऑस्ट्रेलिया में संभवत: रोहित-कोहली का अंतिम मैच

गेंदबाजी की पहेली सुलझाकर वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप से बचना चाहेगा भारत, लेकिन आंकड़े पक्ष में नहीं

- गंभीर को कप्तान शुभमन गिल और कोहली से बड़ी पारियों की दरकार

सिडनी, एजेंसी

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और उनके साथी रोहित शर्मा शनिवार को यहां जब तीसरे और अंतिम वनडे मैच में खेलने के लिए उतरेंगे तो भावनाओं का ज्वार चरम पर हो सकता है क्योंकि यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर इन दोनों का संभवतः अंतिम मैच होगा। रोहित ने दूसरे वनडे में 97 गेंदों पर 73 रन बनाकर कुछ राहत की सांस ली है, लेकिन कोहली दोनों मैच में खाता खोलने में असफल रहे।

यह वनडे क्रिकेट में पहला अवसर है जबकि वह लगातार जो मैच में खाता नहीं खोल पाए। इसने उनके प्रशंसकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या यह अंत की शुरुआत है। रोहित पहली बार 2007-08 में वन डे श्रृंखला के लिए यहां आए थे जबकि कोहली का सीनियर टीम के साथ पहला दौरा 2011-12 में था जब उन्होंने एडिलेड में टेस्ट शतक लगाकर अपना प्रभाव छोड़ा था। अगले दो वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में कोई वनडे श्रृंखला नहीं होने से यह सोचना असंभव है कि यह जोड़ी फिर भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलिया में खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने वर्तमान श्रृंखला के पहले दोनों मैच जीत कर सीरीज अपने नाम कर दी है, लेकिन कोहली और रोहित की मौजूदगी से तीसरा वनडे मैच क्रिकेट प्रेमियों के लिए महत्वपूर्ण बन गया है।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर मौजूद दर्शक इन दोनों से अच्छी पारी की उम्मीद करेंगे। यह मैच इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि गौतम गंभीर की कोचिंग वाली भारतीय टीम 0-3 से क्लीन स्वीप से बचना चाहती है, लेकिन आंकड़े भारतीय टीम के पक्ष में नहीं हैं। उसने यहां जो पिछले पांच वनडे मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में जीत मिली है।

कप्तान शुभमन गिल और कोहली दोनों से बड़ी पारी दरकार है और गंभीर को अंतिम मैच में दोनों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दो मैचों में पराजित होने वाली भारतीय टीम गेंदबाजी के अपने संसाधनों के साथ समझौता करने की कीमत पर बल्लेबाजी को मजबूत करने की रणनीति पर फिर से विचार करना चाहेगी क्योंकि कुलदीप यादव जैसे मैच विजेता खिलाड़ी को नजरअंदाज करना टीम के लिए अभी तक अच्छा साबित नहीं हुआ है। भारत ने अब तक स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर पर डाली है जो अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, लेकिन यह दोनों गेंदबाजी में प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को उन्हें खेलने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई है। भारत का वर्तमान टीम प्रबंधन ऑलराउंडर को प्राथमिकता देता रहा है लेकिन नीतीश रेड्डी जैसे बल्लेबाज को आठवें नंबर पर उतारना सही रणनीति नहीं लगती है। गेंदबाजी में भी वह प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। हर्षित राणा के मामले में, दूसरे और तीसरे स्पैल में उनकी गति में आई उल्लेखनीय गिरावट इस बात का प्रमाण है कि वह अभी अंतरार्ष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। उनकी जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में शामिल किया जाना चाहिए। जहां तक ऑस्ट्रेलियाई टीम का सवाल है, तो उसने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए तैयारी शुरू कर दी है। मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल ओवेन और कूपर कोनोली जैसे खिलाड़ियों ने दबाव वाली परिस्थितियों में सही रणनीति तैयार करने और उस पर अमल करने के अपने कौशल का परिचय दिया है। ऑस्ट्रेलिया इस मैच के लिए मैट कुहनेमैन को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है जिन्होंने पहले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी।

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी (विकेट कीपर), जोस इंग्लिस (विकेट कीपर), कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जैक एडवर्ड्स, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा, मैट कुहनेमैन।

-मैच पूर्वाह्न 9 बजे।

कुलदीप यादव की वापसी पर रहेंगी नजरें

सिडनी। पर्थ और एडिलेड में हार झेलने के बाद भारत जब सिडनी में सम्मान बचाने उतरेगा तो बड़ा सवाल ये है कि भारत एकदाश में कोई बदलाव करता है या नहीं। हालांकि पर्थ में मिली हार के बाद भी एडिलेड में भारत ने बदलाव नहीं किया था, लेकिन संभव है कि तीसरे मैच में भारत की प्लेइंग इलेवन में बदलाव दिखे। वहीं, भारत ने दोनों मैचों में कुलदीप यादव का रुख नहीं किया है। इस बात को लेकर चर्चा है कि भारत को कुलदीप के रूप में आक्रामक विकल्प के साथ जाना चाहिए या फिर ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को देखते हुए बल्लेबाजी में गहराई सुनिश्चित करना ही बेहतर है। क्या भारत अपने तेज गेंदबाज़ी आक्रमण को भी धार देने की योजना बनाएगा और प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम वनडे के एकादश मे जगह मिलेगी।

भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से हटा पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान ने नवंबर-दिसंबर में भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से नाम वापस ले लिया है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने इसकी पुष्टि की। एफआईएच ने कहा कि 28 नवंबर से 28 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

एफआईएच ने कहा कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने एफआईएच को सूचित किया कि उनकी टीम भारत के तमिलनाडु में होने वाले हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था। इस प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द होगी। पाकिस्तान को ग्रुप बी में भारत, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया है और यह देखना बाकी है कि कौन सी टीम उनकी जगह लेती है। यह भारत में होने वाला दूसरा टूर्नामेंट है, जिसमें पाकिस्तान ने भाग नहीं लेने का फैसला किया है। इससे पहले वह इस वर्ष 29 अगस्त से सात सितम्बर तक बिहार के राजगीर में खेले गए पुरुष एशिया कप से भी हट गया था। पहलगाम हमले और भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के रूप में की कार्रवाई से दोनों देशों के बीच खेल संबंध प्रभावित हैं। भारत ने हाल ही में नई नीति की घोषणा की, जिसके तहत वह पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेगा, लेकिन बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उसके साथ प्रतिस्पर्धा करना जारी रखेगा। एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से मना कर दिया था।

- एफआईएच बोला- चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए नई टीम की घोषणा जल्द

हॉकी इंडिया को घटना की जानकारी नहीं

हॉकी इंडिया ने कहा कि उसे पाकिस्तान के हटने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, हमें एफआईएच से कोई सूचना नहीं मिली कि पाकिस्तान ने नाम वापस ले लिया है। मैंने डेढ़ महीने पहले पाकिस्तान हॉकी महासंघ के अधिकारियों से बात की थी और उन्होंने भागीदारी की पुष्टि की थी। इसके बाद क्या हुआ, मुझे जानकारी नहीं है। हमारा कर्तव्य मेज़बान होने के नाते सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट आयोजित करना है और उम्मीद है कि भारत ख़िताब जीतेगा। पाकिस्तान के स्थान पर किसी टीम की घोषणा करना एफ़आईएच पर निर्भर है।

बारिश से श्रीलंका-पाकिस्तान मैच रद्द

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को आईसीसी महिला विश्व कप मैच बारिश से रद्द कर दिया गया। इस मैदान पर 11 में यह पांचवां मैच है जो बारिश से बिना किसी नतीजे के समाप्त हुआ है, जिससे टूर्नामेंट की योजना पर सवाल उठ रहे हैं।

बारिश रुकने के बाद टॉस हुआ और पाकिस्तान ने 4.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए 18 रन बनाए थे। इसके बाद फिर बारिश आ गई। इससे पहले बारिश से टॉस में तीन घंटे से ज्यादा की देरी के बाद मैच 34-34 ओवर का हुआ था। इस समय पूर्वोत्तर मानसून इस क्षेत्र में दस्तक देता है, फिर भी आयोजक तय कार्यक्रम के अनुसार चले। रद्द हुए मैचों ने श्रीलंका की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को प्रभावित किया क्योंकि मेजबान टीम एक जीत, तीन हार और बारिश से तीन रद्द मैचों से पांच अंक लेकर आठ टीमों की तालिका में पांचवें स्थान पर रही। पाकिस्तान ने सात मैचों में बिना किसी जीत के अभियान का अंत किया। उसं चार मैच में हार और तीन बेनतीजा रहे। टॉस में तीन घंटे से ज्यादा की देरी हुई क्योंकि तेज हवाओं और बार-बार पिच के निरीक्षण के बीच मैदानकर्मी कवर्स लेकर इधर-उधर भागते रहे। लेकिन अंपायरों को संतुष्ट करने में नाकाम रहे। खिलाड़ी बारिश रुकने की उम्मीद करते रहे लेकिन अधिकारियों को रात 8.10 बजे मैच रद्द करना पड़ा। इस ग्रुप मैच में सभी की निगाहें श्रीलंकाई कप्तान चामरी अटापट्टू पर थीं। यह इस खिलाड़ी का आखिरी वनडे विश्व कप माना जा रहा था। हालांकि अगर यह अंत था तो यह श्रीलंकाई खिलाड़ी भारी मन से मैदान से विदा होंगी। भारत से चल रहे तनाव से पाकिस्तान के सभी मैच यहां खेले जा रहे हैं। मैच रद्द करने से पहले दोनों मैदानी अंपायरों ने क्यूरेटर और चौथे अंपायर से बात की और फिर मैदान से चले गए।

लक्ष्य, दीक्षा, शाइना एशिया अंडर-17-15 के क्वार्टर फाइनल में

चेंगदू (चीन)। भारत की लक्ष्य राजेश, दीक्षा सुधाकर और शाइना मणिमुथु ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और 15 चैंपियनशिप के लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। दीक्षा ने चीनी ताइपे की पिन हुआन चियांग को हराकर अंडर-17 के अंतिम आठ में प्रवेश किया। लक्ष्य ने कोरिया की ली युन सेओ को हराकर अंडर-17 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शाइना ने अंडर-15 प्री-क्वार्टर फाइनल में दबदबा कायम करते हुए चीन की ली मान लिन को हराया। अदिति दीपक राज और बीवी पोन्नम्मा वृद्धि ने लड़कियों के युगल वर्ग में शुरुआती गेम गंवाने के बाद कोरिया की ली युन सेओ और पार्क यू जियोंग की जोड़ी को मात दी। चरण राम थिप्पाना और हरि कृष्ण वीरमरेड्डी ने लड़कों के युगल वर्ग में जापान के कोसुके शिनोहारा और हिरोतो नाकात्सुका पर प्रभावशाली जीत दर्ज की।

उत्साह | मंधाना और रावल की जोड़ी ने 23 पारियों में 1,799 रन बनाए

मंधाना गणना में माहिर, हमारे बीच सहज बातचीत : रावल

नवी मुंबई, एजेंसी

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल को एक साथ आए हुए एक साल भी नहीं हुआ है, लेकिन उन्होंने शीर्ष क्रम में बेहद सफल जोड़ी बनाई है। इन दोनों ने गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़कर पहले विकेट के लिए 212 रन की रिकार्ड साझेदारी की जिससे भारत ने मैच डकवर्थ लुईस पद्धति से 53 रन से जीत कर महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पिछले वर्ष दिसंबर में जोड़ी बनाने के बाद से यह उनकी सातवीं तथा 2025 में पांचवीं शतकीय साझेदारी थी। मंधाना के 95 गेंदों में 105 रन और रावल के 134 गेंदों में 122 रन की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 340 रन का स्कोर बनाया जो इस विश्व कप में किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है।

इस जोड़ी ने 23 पारियों में 1,799 रन जोड़े हैं। रावल ने कहा कि उन दोनों के बीच अच्छी समझ है जिससे वह बड़ी साझेदारी निभाने में सफल रही हैं। रावल ने कहा कि हमारे बीच सहज बातचीत होती है। वह मुझे वह करने देती हैं जो मेरा मजबूत पक्ष है और मैं उसमें हस्तक्षेप नहीं करती जिसमें वह सर्वश्रेष्ठ हैं। जब हम बल्लेबाजी करते हैं तो पूरी बातचीत गणना पर आधारित होती है। हमें बड़ा स्कोर बनाने के लिए कितने रन बनाने होंगे। अगर हम लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो हमारी बातचीत इस पर आधारित होती है ताकि हम आसानी से लक्ष्य का पीछा कर सकें। वह गणना करने में बहुत अच्छी है और वह जो भी मुझसे कहती है, मैं उसमें शामिल होना पसंद करती हूं। हम दोनों को सहजता के साथ आगे बढ़ना पसंद है। रावल ने जेमिमा रोड्रिग्स की अपने घरेलू मैदान पर 55 गेंदों पर नाबाद 76 रन की पारी पर कहा कि उसने वो रन बनाए जिनकी हमें ज़रूरत थी। तीन मैच हारने के बावजूद टीम के प्रयास में कमी नहीं थी। रावल ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष की उंगली की चोट गंभीर नहीं है।

क्रिकेट में अग्रणी बन सकता है भारत : डिवाइन

नवी मुंबई। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने भारत से मिली हार के बाद कहा कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) को कैलेंडर में जगह मिलने से भविष्य में भारत महिला क्रिकेट में अग्रणी देश बन सकता है। अपने पांचवें विश्व कप में न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाली डिवाइन रविवार को वनडे से संन्यास ले लेंगी, क्योंकि उनकी टीम गुरुवार को भारत से हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में सुधार पर उन्होंने कहा कि हमें यथार्थवादी होना होगा कि ये चीजें रातोंरात नहीं होतीं। हम भारत की तरह नहीं हैं। हम सबसे निचले पायदान पर स्थित छोटा सा देश हैं, जिसकी आबादी पांच करोड़ है। भारत में जिस तरह से घरेलू क्रिकेट पर काम हो रहा है वह न्यूजीलैंड में हमारे काम करने के तरीके से भिन्न है।